

केन्द्रीय विद्यालय

क्रमांक - 2 , अजमेर

ई- पत्रिका

सत्र- 2020-21



तत् त्वं पूषन् अपावृणु
केन्द्रीय विद्यालय संगठन

Kendriya vidyalaya

no 2, ajmer

ह-लवगुवडांफह

के. रि. पु. बल (समूह केंद्र-2), फॉयसागर रोड अजमेर -305005 (राजस्थान)

दूरभाष:- 0145-2600675 ईमेल:- Kv2ajmer@rediffmail.com



It does not matter how slowly
you go as long as you do **not stop.**

—Confucius



केंद्रीय विद्यालय क्रमांक 02, अजमेर

ई-पत्रिका 2020 -21

संरक्षक

श्री बी एल मोरोडिया

उपायुक्त केंद्रीय विद्यालय संगठन क्षेत्रीय कार्यालय ,जयपुर संभाग

प्रेरक

श्री दिग्गराज मीना, सहायक आयुक्त, केंद्रीय विद्यालय संगठन क्षेत्रीय कार्यालय,जयपुर संभाग

मार्गदर्शक

श्री जी.एस मेहता

प्राचार्य

प्रधान संपादक

श्रीमती सीता चौधरी,स्नातकोत्तरशिक्षक, आंग्ल भाषा

सह संपादक

हिंदी विभाग

दिलीप कुमार शर्मा

श्री हेमंत कुमार

संस्कृत विभाग

श्रीओम प्रकाश जांगिड

प्राथमिक विभाग

श्री राम बाबू मीना(एच.एम)

आंग्ल भाषा विभाग

सुश्री प्रियंका विश्वकर्मा

फोटोग्राफी

श्री राम निवास जाट

कला विभाग

श्री टी.आर योगी

छात्र संपादक

गौतम दवे

उत्कर्ष शर्मा

वेदांग चौरसिया



CONTENTS



ADDRESSES

- 04** Assistant Commissioner KVS RO Jaipur Sh D R Meena.
- 05** Chairman VMC DIG CRPF GC II
- 06** From the Principal's Desk
- 07** Chief Editor's Message



REPORTS OF VARIOUS EVENTS

- 8-9** Vidyalaya Report
- 10-11** Rajbhasha Report
- 12-13** Examination (Internal & External)
- 14** Ek Bharat Shresth Bharat
- 15** Games And Sports
- 16** Music Report
- 17** Ajmer **Special**

ISSUE 20-21



Photo Gallery

- 18** Visit Of Dignitaries
- 19** Republic Day Celebration
- 20-21** Women's Day celebration
- 22-23** School Level Celebrations
- 24-25** Online workshops & competitions
- 26-30** Primary section – at a glance
- 31-33** Art corner
- 34** Yoga day celebration
- 35** Lighter moments
- 36-37** KV2 Infrastructure
- 38-39** Staff Superannuation program
- 40** School Premises



4. Students Literary Corner

- 44-63** English
- 64-79** Hindi
- 80-83** Sanskrit



84 KV2 staff



केन्द्रीय विद्यालय संगठन

KENDRIYA VIDYALAYA SANGATHAN

क्षेत्रीय कार्यालय (REGIONAL OFFICE)

92, GANDHI NAGAR MARG, BAJAJ NAGAR,

जयपुर / JAIPUR – 302015 (RAJASTHAN)

Website: www.kvsjaipur.nic.in

E-Mail : kvsjpr@gmail.com / kvsjpr@rediffmail.com

0141 – 2704572 (DC), 0141– 2706548 (AO/FO), 0141 – 2707149 (AC), FAX No. 0141 – 2706882

दिग्गराज मीना
सहायक आयुक्त

संदेश



यह अत्यन्त हर्ष का विषय है कि केन्द्रीय विद्यालय, नं.2, अजमेर सत्र 2020-21 की विद्यालय पत्रिका का प्रकाशन करने जा रहा है। विद्यालय पत्रिका विद्यालय के छात्र-छात्राओं को, उनके अन्दर निहित प्रतिभाओं को प्रदर्शित करने का सुअवसर देती है। बाल मन कल्पनाओं का अथाह सागर है। स्वप्नों को साकार करने की बाल सुलभ घेष्टा विभिन्न आकारों में उभर कर आती है और विद्यालय पत्रिका उन बढ़ते कदमों को प्रोत्साहित करने का एक सशक्त माध्यम है।

पत्रिका के प्रकाशन के माध्यम से विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं अन्य सभी को विद्यालय में आयोजित सालभर की गतिविधियों की विस्तृत जानकारी भी प्राप्त होती है।

मैं केन्द्रीय विद्यालय, नं.2, अजमेर के प्राचार्य, शिक्षकों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों को विद्यालय पत्रिका के प्रकाशन के शुभ अवसर पर हार्दिक बधाई देता हूँ।

प्राचार्य,
केन्द्रीय विद्यालय,
नं.2, अजमेर

आपकी शुभाकांक्षी


(दिग्गराज मीना)

अनिल कुमार सिंह



उप महानिरीक्षक
केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल
ग्रुप केन्द्र-दो, फॉय सागर
रोड, अजमेर, राजस्थान
दूरभाष - 0145-2970267

दिनांक अक्टूबर 2021

संदेश

“बाधाएं न बाँध सकी है, आगे बढ़ने वालों को।
विपदाएं न रोक सकी है, सच्ची हिम्मत वालों को।”

यह अत्यंत हर्ष एवं प्रसन्नता का विषय है कि केन्द्रीय विद्यालय कमांक 2, अजमेर सत्र 2020-21 के लिए ई-विद्यालय पत्रिका माध्यम से विद्यार्थियों की रचनात्मक प्रवृत्ति को अंकुरित कर उसे पल्लवित-पुष्पित करने का मंच प्रदान कर रहा है।

02. जिस प्रकार साहित्य समाज का दर्पण होता है, वैसे ही विद्यालय पत्रिका भी विद्यालय की गतिविधियों एवं उपलब्धियों का श्रेष्ठ आईना होती है जिसमें नवसृजन धर्मी विद्यार्थी अपनी कल्पनाओं के रंगों और जज्बातों को कागज पर एक सुंदर चित्र के रूप में उकेरते हैं। विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए ई-विद्यालय पत्रिका का प्रकाशन वर्तमान संदर्भ में अत्यंत उचित है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि यह ई-विद्यालय पत्रिका विद्यार्थियों की रचनात्मक, सृजनात्मक और अपनी अनुभूतियों को अभिव्यक्त करने का एक सशक्त माध्यम साबित होगी एवं इस पत्रिका में प्रकाशित सामग्री से विद्यालय के समस्त शिक्षकगण एवं विद्यार्थी लाभान्वित होंगे। निश्चित तौर पर यह ई-विद्यालय पत्रिका सभी के लिए प्रेरणा स्रोत साबित होगी।

03. विद्यालय के संरक्षक के रूप में मैं सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं प्राचार्य को शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए यह आशा करता हूँ कि सभी एक साथ मिलकर केन्द्रीय विद्यालय संगठन एवं केन्द्रीय विद्यालय कमांक 2 अजमेर के उन्नयन हेतु विद्यालय की विभिन्न गतिविधियों एवं आयामों में सक्रिय भाग लेते रहेंगे और संस्था का नाम रोशन करते रहेंगे। मैं संपादक मंडल एवं प्राचार्य को विशेष तौर पर अपनी हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं संप्रेषित करता हूँ।

उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाओं के साथ.....

(अनिल कुमार सिंह)
अध्यक्ष

विद्यालय प्रबंध समिति
केन्द्रीय विद्यालय कमांक-2,
अजमेर, राजस्थान



Mr. Govind Singh Mehta

Principal



From the Principal's Desk

*"Reach high, for the stars lie hidden in your soul.
Dream deep, for every dream precedes the goal."*

~ Rabindranath Tagore

It is with great pride and pleasure that I pen down this message for our Annual E- Magazine. Since its inception and foundation, Kendriya Vidyalaya No. 2 Ajmer, has always set up high benchmarks of value based holistic education for all its students. Our endeavour, therefore, is to create an environment that facilitates learning which not only promotes intellectual growth but also turn out fine gentlemen who will act as agents of peace, secularism, humanity and international brotherhood in the years to come. In view of the present crisis of COVID- 19, all students must develop positive attitude to cope with stress and should widen their perspective of compassion to embrace all humanity and living creatures. Remember, Hope is the life force. Humanity has seen the worst, and every time we have bounced back. We will, again.

At our Vidyalaya we match advancement of technology and globalisation to help our children grow and develop with qualities of head, heart and hands and this school magazine showcases our progress, unfolds our creativity and gives wings to our thoughts and imagination. It highlights the achievements of our students in academics and co-curricular activities. Hence, the readers will be able to appreciate the devotion and dedication of our staff in bringing out the best from every child kept under our care.

Finally, I am sincerely grateful to Kendriya Vidyalaya Sangathan RO Jaipur and HQ New Delhi for inspiring and guiding us in all the spheres of Vidyalaya activities. I extend heartfelt gratitude to our esteemed Chairman, VMC, Sh Anil Kumar Singh, DIG, CRPF, GC-II for his blessings and best wishes. I congratulate the Editorial Board and the young writers who have sprinkled matter, colour and life in this e- magazine. Special nod of thanks for the Chief Editor, Ms Sita Choudhary, for chiselling this magazine into the present shape.

I am sure you will find the concept and content of this e- magazine quite interesting and informative.

With warm regards

G S Mehta
Principal

from the editor

Dear Readers,

'It takes thousand voices to tell a single story.' This magazine also took quite a long time and efforts to reach the final stage. One of the greatest joys in creating this magazine has been working with many students and teachers of editorial board who gave the magazine not just their time and attention but their hearts and souls as well with a keen desire, direction and dedication.

This magazine portrays the vivid and vivacious colours of myriad curricular and co-curricular activities of Vidyalaya along with providing a forum to the students and teachers to express their ideas, views and expressions. All the students who've contributed articles are the heart of the magazine. Their compositions have not been much amended or retouched. They are original and thus have a freshness and fragrance of young writers striving to create masterpieces in years to come.

**"Such was the muse whose rules and practices tells,
"Nature's chief masterpiece is writing well" (Pope)**

I hope other students would surely feel inspired after reading this magazine and would pool in their ideas and thoughts in the form of contributions, next year, which are always welcome.

Finally, I take this opportunity to extend my profound indebtedness to our worthy Deputy Commissioner, KVS RO Jaipur, Sh B L Morodia and Assistant Commissioner KVS, RO, Jaipur, Sh.D R Meena for being a constant source of motivation. I am thankful to Our honourable chairman, VMC, Sh Anil Kumar Singh, DIG, CRPF, GC-II for blessings. My heartfelt gratitude to Principal Sh. G S Mehta for guidance and support in all our endeavours throughout the year. May I also acknowledge members of the Editorial Board, for their invaluable support. I also extend my sincere thanks to the Three Student Editors, Vedang, Gautam and Utkarsh, who have enhanced its perfection and beautification. At the same time, I renew our invitation to all those others who have never tried. And should your article not be accepted- well, it is better to have tried and failed than never to have tried at all.

I am thankful to all the hearts and hands that made this magazine possible!
Hope it provides an enjoyable reading experience.

With Regards

Ms Sita Choudhary
Chief Editor



There is always a reason to smile.

Find it ”



विश्व की बदलती चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के साथ कोरोना काल में केंद्रीय विद्यालय क्रमांक 2, अजमेर के विद्यालय स्टाफ ने ऑनलाइन शिक्षा की चुनौती को स्वीकार और अंगीकार किया। इस सत्र में ऑनलाइन पद्धतिन केवल शिक्षा का बल्कि तमाम विद्यालयी गतिविधियों का सफल माध्यम बना। प्रत्येक केंद्रीय विद्यालय जिसकी शाखाएँ सिर्फ भारत में ही नहीं अपितु विदेशों में भी हैं। एक लघु भारत है इन विद्यालयों में हमारी समृद्ध एवं विशाल संस्कृति में समाहित विभिन्न धर्मों, जातियों एवं प्रांतों का बहुरंगी समायोजन देखते ही बनता है।

यहाँ सभी वर्गों के विद्यार्थियों को बिना जातीय धार्मिक प्रांतीयता के भेदभाव के प्रवेश दिया जाता है। विद्यार्थियों के सम्पूर्ण व्यक्तित्व विकास के लिए पूरा विद्यालय परिवार संघर्षरत रहता है। विश्व की नवीनतम उभरती हुई चुनौतियों के निरन्तर बदलते स्वरूप का मुकाबला करने एवं अपने छात्रों को योग्य बनाने के लिए हमेशा प्रयत्नशील हैं। विद्यालय में शिक्षक-छात्र अनुपात केंद्रीय विद्यालय के मापदंडों के अनुसार सुनिश्चित किया जाता है। विद्यालय के प्रतिभावान, निष्ठावान एवं योग्य शिक्षक एक कुशल शिल्पी की तरह बच्चों के संपूर्ण विकास के लिए तत्पर हैं जिससे वे नव भारत के निर्माण में अपना रचनात्मक सहयोग देने में सक्षम हों एवं विभिन्न कार्यकलापों में नेतृत्व कर सकें।

पाठ्येतर क्रियाओं की चर्चा के अंतर्गत विद्यालय में सभी राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दिवस क्रम वार मनाए जाते हैं। सांस्कृतिक गतिविधियों में हमारे विद्यार्थी संभागीय और राष्ट्रीय स्तर पर भी उपलब्धियां हासिल करते रहे हैं। एक भारत श्रेष्ठ भारत की गतिविधियां प्रदत्त सारिणी के अनुसार उत्साहपूर्वक आयोजित की गईं। विद्यालय में जोर-शोर से फिट इंडिया मूवमेंट चलाया गया। खेल हमारे पाठ्यक्रम का अभिन्न अंग है। प्राथमिक विभाग की जो अपने आप में एक जादुई दुनिया है। कल्पना और रचनात्मकता से पूर्ण, गतिविधियों से लैसा सी.एम.पी के अंतर्गत अनेक गतिविधियों का संचालन किया गया। विश्व स्वास्थ्य दिवस, अंबेडकर जयंती, विश्व वाचन दिवस, विश्व बाघ दिवस, स्वच्छता अभियान, राष्ट्रीय एकता दिवस, स्वतंत्रता दिवस आदि कार्यक्रमों में समय-समय पर विद्यार्थियों की ऑनलाइन सक्रिय प्रतिभागिता रही। यह सभी कार्यक्रम ऑनलाइन माध्यम से ही संचालित होते रहे। प्रत्येक शनिवार प्राथमिक विभाग में 'आनंदवार मनाया जाता है। विविध पाठ्येतर गतिविधियां जैसे काव्यपाठ, कहानीकथन, चित्रकला, कोरोना के प्रतिजागरूकता संबंधी कार्यक्रम आदि सफलतापूर्वक आयोजित किए गए हैं। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य बच्चों की भागीदारी बढ़ाते हुए उनके मानसिक स्वास्थ्य को उत्तम रखना है।

यह विद्यालय केवल अध्ययन का उन्नत केन्द्र ही नहीं है अपितु यहाँ अध्येताओं की सुरक्षा व संरक्षा का दायित्व भी विद्यालय स्टाफ द्वारा लिया जाता है। इसी के तहत यहाँ अग्निशमन यन्त्र, सीसीटीवी कैमरा, जन उद्घोषणा तंत्र, पेय जल की समुचित व्यवस्था, इमरजेन्सी लाइट प्रणाली, प्राथमिक चिकित्सा किट एवं प्राथमिक उपचार की व्यवस्था इत्यादि का इंतजाम किया गया।

विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु यहाँ के.वि.संगठन के निर्देशन में स्काउट-गाइड शाखा का संचालन किया जा रहा है साथ ही पीसा, एसीपी जैसे कार्यक्रम छात्रों की बौद्धिक क्षमता के परिष्कार हेतु चलाए जा रहे हैं।

विद्यालय से पढ कर निकले भूतपूर्व छात्रों (ALUMNI) द्वारा विविध क्षेत्रों में अपने पुरुषार्थ से राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का परचम फहरा रहे हैं। हमारे वर्तमान विद्यार्थियों को



ऊर्जावान प्रेरणा उनके द्वारा प्रदान की गई। ये छात्र पृथक् – पृथक् क्षेत्रों जैसे – सांस्कृतिक, तकनीकी, विज्ञान, चिकित्सा, राजनीति व प्रशासन आदि में अपना अमूल्य योगदान दे रहे हैं।

छात्रों के बहुआयामी व्यक्तित्व विकास के लिए कटिबद्ध हमारे विद्यालय में के.वि.संगठन के दिशानिर्देशों के अनुरूप भाषा, गणित, भौतिकी, रसायन, जीव विज्ञान, संगणक और कनिष्ठ विज्ञान प्रयोगशालाओं की अवस्थिति है। संसाधन-कक्ष, कलाकक्ष, सुदीर्घ खेल मैदान का होना, विविध क्लबों का संचालन प्रतिभाओं को तराशने हेतु महत्वपूर्ण कदम हैं। इसी क्लब के अन्तर्गत सिद्धान्त को व्यावहारिक रूप देने हेतु 'गार्डन आफ पीस' एवं पौधशाला का विद्यालय परिसर में विकसित किया जाना हमारी प्रकृति को समर्पित महत्वाकांक्षी परियोजनाएँ हैं जिन्हें पूर्ण करने हेतु केंद्रीय विद्यालय क्रमांक 2 अजमेर कृत संकल्प हैं।

श्री दिलीप कुमार शर्मा (वार्षिक रिपोर्ट तैयारकर्ता)
स्नातकोत्तर शिक्षक, हिंदी
केंद्रीय विद्यालय क्रमांक 2, अजमेर

**When educating the minds of
youth, we must not forget to
educate their hearts.**

~Dalai Lama





केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक 2 अजमेर में सत्र 2020 -21 में राजभाषा कार्यान्वयन समिति द्वारा राजभाषा हिंदी के उत्तरोत्तर विकास के लिए आयोजित होने वाले कार्यक्रमों के संदर्भ में -----

केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक 2 अजमेर के प्राचार्य गोविन्द सिंह मेहता द्वारा सत्र 2020-21 में राजभाषा हिन्दी को राजभाषा का दर्जा दिलाने के लिए अभियान चलाया गया। विद्यार्थियों को दैनिक व्यवहार में हिन्दी के अधिकाधिक प्रयोग करने का सन्देश दिया गया। उनके द्वारा विद्यालय स्टाफ के लिए हिन्दी विकास में सहयोगार्थ अनुकरणीय बिंदुकी पालना की अपेक्षा की जाती है।

1. सभी कर्मचारियों से अपेक्षा है कि वे शत-प्रतिशत हिन्दी में कार्य करें।

2. अवकाश पत्र, प्रार्थना -पत्र आदि हिन्दी में भरें।

3. हिन्दी में हस्ताक्षर करें।

4. विषयाध्यापक उपस्थिति पंजिका में विद्यार्थियों के नाम हिन्दी में लिखें।

5. हिन्दी प्रतियोगिताओं में अपनी उपस्थिति दर्ज कराएँ।

6. कार्यालय आदेश, निविदाएँ, बिल आदि हिन्दी में निकालें।

7. हिन्दी हमारी राजभाषा है, इसका सम्मान करें।

हिन्दी विभाग द्वारा हिन्दी पखवाड़े में पुस्तक समीक्षा प्रतियोगिता, हिन्दी कविता पाठ प्रतियोगिता, प्राथमिक एवं माध्यमिक विभाग की हिन्दी नारा लेखन व चित्रकला प्रतियोगिता, हिन्दी निबंध प्रतियोगिता, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, विद्यालय कार्मिकों और विद्यार्थियों के लिए श्रेष्ठ विचार प्रतियोगिता, विचार प्रकटीकरण एवं कविता पाठ प्रतियोगिता ऑनलाइन हिन्दी प्रश्नोत्तरी इत्यादि प्रतियोगिताओं का सफल आयोजन किया गया।

विद्यालय कार्मिकों के लिए यूनिकोड द्वारा हिन्दी लेखन पर कम्प्यूटर कार्यशाला का आयोजन कर कम्प्यूटर शिक्षक श्री पुष्पेन्द्र कछावा एवं स्नातकोत्तर शिक्षक श्री दिलीप कुमार शर्मा द्वारा किया गया। वर्चुअल लाइब्रेरी के माध्यम से हिन्दी पुस्तक प्रदर्शनी एवं भाषा संवर्धन वीथिका का आयोजन विद्यालय पुस्तकालय प्रभारी श्री कमल कुमार मीना के नेतृत्व में किया गया। सभी कक्षा के विद्यार्थियों और विद्यालय कार्मिकों ने वर्चुअल लाइब्रेरी का अवलोकन कर पुस्तकों के संबंध में ज्ञानवर्धक जानकारी प्राप्त की।

प्राचार्य जी ने राजभाषा हिन्दी की उत्तरोत्तर उन्नति पर निरंतर ध्यान देने का सन्देश सभी को देते हुए अधिकाधिक दैनिक व्यवहार में आत्मसात करने की अपील भी की। राजभाषा कार्यान्वयन समिति द्वारा राजभाषा हिन्दी के उत्तरोत्तर विकास के लिए प्रति तिमाही बैठक एवं हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया जाता है।



-दिलीप कुमार शर्मा
स्नातकोत्तर शिक्षक, हिन्दी
के.वि., क्रमांक 2 अजमेर



विभिन्न प्रतियोगिताओं के साथ हिन्दी पखवाड़े का समापन

वार्ता/अजमेर

हिंदी दिवस के अवसर पर 14 सितंबर को विभिन्न संस्थाओं में शुरू हुआ हिंदी पखवाड़ा सोमवार को संपन्न हुआ। पखवाड़े के दौरान हिंदी से संबंधित विभिन्न प्रतियोगिताओं आदि का आयोजन किया गया।

केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक -2 में इस अवसर पर प्राचार्य जी. एस. मेहता ने राजभाषा हिन्दी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए दैनिक व्यवहार में हिंदी का आधिकारिक प्रयोग करने का आह्वान किया। हिन्दी पखवाड़े के अंतर्गत चित्रकला, कविता पाठ, समूह गीत, निबंध, हिन्दी प्रश्नोत्तरी, हिन्दी पुस्तक प्रदर्शनी, समाचार वाचन आदि ऑनलाइन प्रतियोगिताओं का आयोजन विद्यालय स्टाफ एवं विद्यार्थियों के लिए किया गया। शिक्षकों द्वारा प्रतिदिन हिन्दी व्याख्यानमाला के अंतर्गत विद्यार्थियों को राजभाषा हिन्दी के सम्बन्ध में महत्वपूर्ण जानकारी ऑनलाइन दी गई। प्राथमिक विभाग के नव-विद्यार्थियों ने भी हिन्दी भाषा से सम्बंधित



केन्द्रीय विद्यालय में आयोजित प्रतियोगिता में भाग लेते बच्चे।

विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेकर अपने ज्ञान एवं कौशल का परिचय दिया। शिक्षक दिलीप शर्मा ने हिन्दी पखवाड़े का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। ओरिएंटल इंश्योरेंस के मंडलीय कार्यालय में आयोजित हिंदी पखवाड़ा के दौरान हिंदी की प्रगति संबंधी विभिन्न गतिविधियां संपन्न हुई। इस अवसर पर केन्द्रीय गृहमंत्री का संदेश पढ़कर सुनाया गया। ताराचंद शर्मा ने अखिल भारतीय स्तर पर आयोजित आत्मनिर्भर

भारत विषय पर हुई निबंध प्रतियोगिता में भाग लिया। समापन कार्यक्रम में वरिष्ठ मंडलीय प्रबंधक जे.पी. वर्मा ने हिंदी में आधिकारिक कार्य करने का आह्वान किया। तृतीय पक्ष दावा हब कार्यालय प्रभारी प्रबंधक हरीसिंह मोना ने हिंदी में कार्य करने के चारों स्तंभों प्रेरणा, प्रोत्साहन, पुरस्कार व प्रशिक्षण को स्पष्ट किया। प्रशासनिक अधिकारी केबी पाराशर ने आभार व्यक्त किया। संचालन सुरेश श्रीचंदनी ने किया।



CBSE RESULTS

AISSE / AISSCE

२२

What we truly **need to do**
is often what we most
feel like

avoiding.

~David **Allen**

K V NO 2 AJMER		
CBSE RESULT 2020-21		
AISSE (CLASS X)		
PASS%	100	
P I	71.51	
AISSCE 2002-21		
OVERALL		
PASS%	100	
P I	63.99	
SCIENCE STREAM		
PASS%	100	
P I	66.46	
COMMERCE STREAM		
PASS%	100	
P I	60.91	

केन्द्रीय विद्यालय क्र. 2 अजमेर



vvvvvvv

विद्यालय अव्वल विद्यार्थी सत्र 2020-21

कक्षा 12 विज्ञान



आंचल कुमार भारद्वाज
95.6%

कक्षा 12 वाणिज्य



विश्वास नुवाल
97%

कक्षा 10



आर्या भारद्वाज
98%



मनस्वी शर्मा
98%



रक्षा कुर्डिया
95.4%



मंयक कुमार
95.2%



हिमांशु तिलोकानी
93.8%



खुशी इन्दौरा
89.8%



रचित कुमार
96%



आदेश कुमार
95.8%

केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक 2 अजमेर

विद्यालय परीक्षा परिणाम

सत्र 2020-21

कक्षा I से IX एवं XI

कक्षा	वर्ग	कुल विद्यार्थी	विद्यार्थी परीक्षा में प्रविष्ट हुए	विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए	उत्तीर्णता %
I	A	48	48	48	100%
I	B	48	48	48	100%
TOTAL		96	96	96	100%
II	A	43	43	43	100%
II	B	42	42	42	100%
TOTAL		85	85	85	100%
III	A	45	45	45	100%
III	B	45	45	45	100%
TOTAL		90	90	90	100%
IV	A	45	45	45	100%
IV	B	46	46	46	100%
TOTAL		91	91	91	100%
V	A	42	42	42	100%
V	B	42	42	42	100%
TOTAL		84	84	84	100%
VI	A	50	49	49	100%
VI	B	50	49	49	100%
TOTAL		100	98	98	100%
VII	A	48	48	48	100%
VII	B	47	47	47	100%
TOTAL		95	95	95	100%
VIII	A	47	47	47	100%
VIII	B	48	48	48	100%
TOTAL		95	95	95	100%
IX	A	43	43	42	97.67
IX	B	48	48	48	100.00
TOTAL		91	91	90	98.90
IN CLASS 1X A AND B, 17/18 STUDENTS PASSED THEIR SUPPLEMENTARY EXAM ON PROJECT BASIS AND 1 STUDENT SAURABH GURUNG OF 9TH A DECLARED DETAINED IN EXAM.					
XI	A	41	41	41	100%
XI	B	37	37	37	100%
TOTAL		78	78	78	100%

OVER ALL (I TO V)	446	446	446	100%
OVER ALL (VI TO IX AND XI)	459	457	456	99.78
GRAND TOTAL	905	903	902	99.89

परीक्षा प्रभारी

प्राचार्य

एक भारत श्रेष्ठ भारत (2020-21)



31 अक्टूबर, 2015 को आयोजित राष्ट्रीय एकता दिवस के दौरान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती मनाने की कल्पना की गई थी जिसके द्वारा विभिन्न क्षेत्रों के संप्रदायों के बीच एक निरंतर और संरचित सांस्कृतिक संबंध बनाये जा सके। इसके अंतर्गत केंद्रीय विद्यालय, जयपुर संभाग को असम राज्य मिला। विभिन्न गतिविधियों जैसे भाषा संगम, समाचार, समूह गान, एकल गान, एकल नृत्य, निबंध, चित्रकला एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताओं के आयोजन से विद्यार्थी असम की भाषा, साहित्य, भोजन, त्योहारों, सांस्कृतिक कार्यक्रमों, पर्यटन आदि क्षेत्रों से जुड़े। केंद्रीय विद्यालय क्रमांक - 2, अजमेर के मयंक जांगिड, मधुर, मिलन, हार्दिक शर्मा, नीलाक्षी, प्रियांशी, त्रिशा, दिया मखवाना, प्रिया शर्मा आदि ने विभिन्न कार्यक्रमों में अपनी भागीदारी द्वारा सांस्कृतिक विविधता, पारस्परिकता एवं सम्मान का परिचय देते हुए सामान्य भावना का प्रतिनिधित्व किया। विद्यार्थियों ने ऑनलाइन माध्यम से विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेकर विविधता में एक विशेष एकता को सक्षम किया है, जो राष्ट्रवाद की एक लौ के रूप में सामने आती है।

प्रभारी
मैरी पी. मैथयून
(टी.जी.टी सामाजिक विज्ञान)

Sports Activities Report (2020-21)



The 6th international day of yoga was observed on 21 June 2020, and 5 Days Yoga Shivar was organised from 17 June 2020 to 21 June 2021.

Students sent their Videos and images related to various Yoga activities like Surya Namaskar, Kapalbhati, Anulom Vilom and Chakrasan, Padhasthasan, Vrikshashan and also Rope skipping, Free hand exercises and Chess to the School.

ONLINE MODE NATIONAL SPORTS DAY

COVID-19 pandemic messages regarding prevention and precautions to be undertaken were delivered to Students.

Videos and PPT of Kabaddi and Hockey's history, rules, measurement, fundamental skill, famous sports persons were shared and talk by Sports Teacher and Fitness icons were shared to encourage the students.

FIT INDIA FREEDOM RUN 2020

Fit India Freedom Run programme was organised from 15.08.2020 to 02.10.2020. In this programme data from students was collected on day-to-day basis about how much distance they covered as morning Walk/run or on various physical activities.

CONDUCT OF ONLINE NATIONAL SPORTS DAY 29TH AUGUST 2020

Online sessions were taken by Mr. RC Gurjar (P&HE) on importance of National Sports day.

- * Speech was delivered by The Principal on importance of Sports and Games, Talk was given by Mr. Dilip Sharma PGT (Hindi) on Fitness and Wellness through sports, Speech was given by students on COVID 19 Fitness at Home
- * Class wise Sports Quiz (Classes V to XII) was held which was prepared by Mr. R.N. Jat and Mr. Sunil Saini under the Guidance of Mr. RC Gurjar TGT (P&HE)
- * Presentation was shown to students on Major Dhyan Chand (Video and PPT) which was prepared by Mr. Hemant Kumar TGT (Hindi).
- * Poster making Competition was held on topic Major Dhyan Chand Legend of India Hockey by Mr. TR Yogi (TGT-AE).
- * Plogging Run: Virtual Plogging Run was performed by the students and They sent Photos and Videos of the event to the School.



Ram chandra gurjar
PGT physical education

संगीत विभाग प्रतिवेदन (2020-21)



हर वर्ष की भांति सत्र 2020-21 में संगीत विभाग ने विद्यालय में होने वाले संपूर्ण कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। सदनवार गतिविधियों व Roots to Roots कार्यक्रम में हमारे द्वारा किए गए प्रयासों की वार्षिक निरीक्षण में भी भूरि-भूरि प्रशंसा की गई।

सत्र के दौरान तीन दिवसीय कुचीपुडी नृत्य आधारित Spic Makay वर्कशॉप का ऑनलाइन आयोजन किया गया। इसमें विद्यालय के 25 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

05 दिसंबर 2020 को संभागीय स्तरीय कला उत्सव का ऑनलाइन आयोजन किया गया। इस आयोजन के दौरान शास्त्रीय गायन विधा का प्रदर्शन किया गया। इस आयोजन में जयपुर संभाग के आठ विद्यालयों ने हिस्सा लिया। आयोजन के एकल शास्त्रीय गायन में विद्यालय की छात्रा प्रिया शर्मा कक्षा-IX B ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

सरगम का सार-

सा रे गा मा पा धा नि

सा कहता है सच बोलिए, रे, से हो रस भोर

गा कहता गरिमा दिखा मां से मान बटोर ।

पा से पकड़ो ऊंचाई । धा से होकर धन्य नि से सीखो नरमाई।

होय सप्तक सुर सिद्धि प्रसिद्धि जग में।

मोक्ष प्राप्त कर मानव जीवन सफल बनाई



मैनुद्दीन खान
संगीत शिक्षक
के.वी.न.-2, अजमेर

**Music is the language of the spirit,
it opens the secret of life bringing
peace, abolishing strife.**

~Kahlil Gibran



AJMER

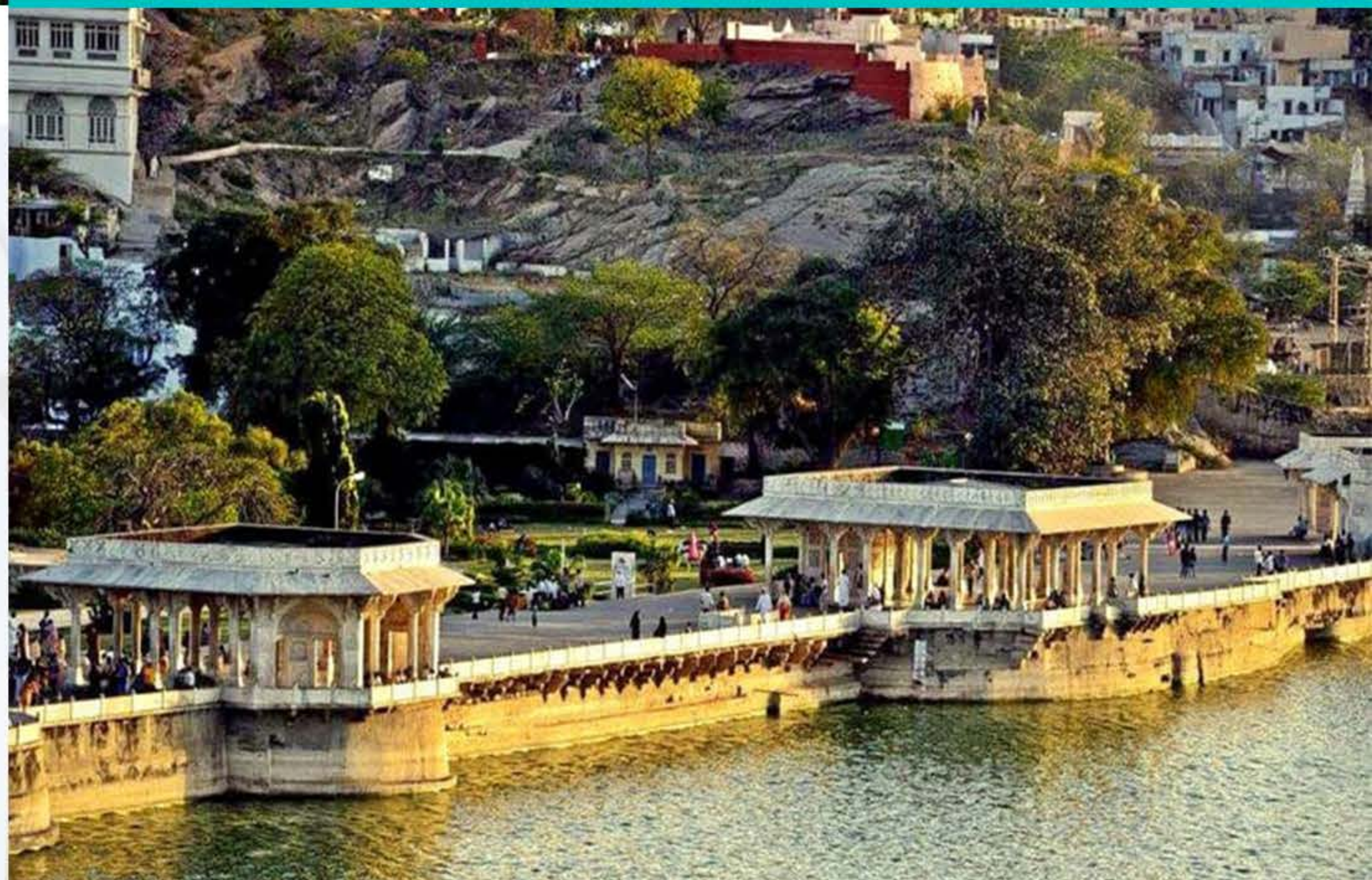
The heart of Rajasthan !



Ajmer is a bustling city, located 130 km southwest of Jaipur and just 14 km from the pilgrimage town of Pushkar. The city of Ajmer gets its name from “Ajay Meru” (roughly translated as “**invincible hill**”). Home to a number of tourist places, Ajmer can be a perfect representation of the diversity of the Indian culture and ethics, and displays a perfect blend of religion, community and culture, coexisting and flourishing in harmony ! The city was founded by **Raja Ajaypal Chauhan** in the 7th century AD and the city remained as the **capital** of the Chauhan Dynasty till the **12th century AD**. Here we present some of the **iconic places with fascinating facts** !

THE ARTIFICIAL LAKE ANASAGAR

Anasagar Lake is a scenic artificial lake, commissioned and built by **Arnoraj Chauhan**, son of Ajaypal Chauhan, between 1135 and 1150 AD. Arnoraj was also known as Anaji, which gives the lake its name. Many years later, Mughal Emperor Jahangir added his touch to the lake by laying out the **Daulat Bagh Gardens** near the lake. Emperor Shah Jahan too, contributed to the expansion by building five pavilions, known as the **Baradari**, between the garden and the lake !



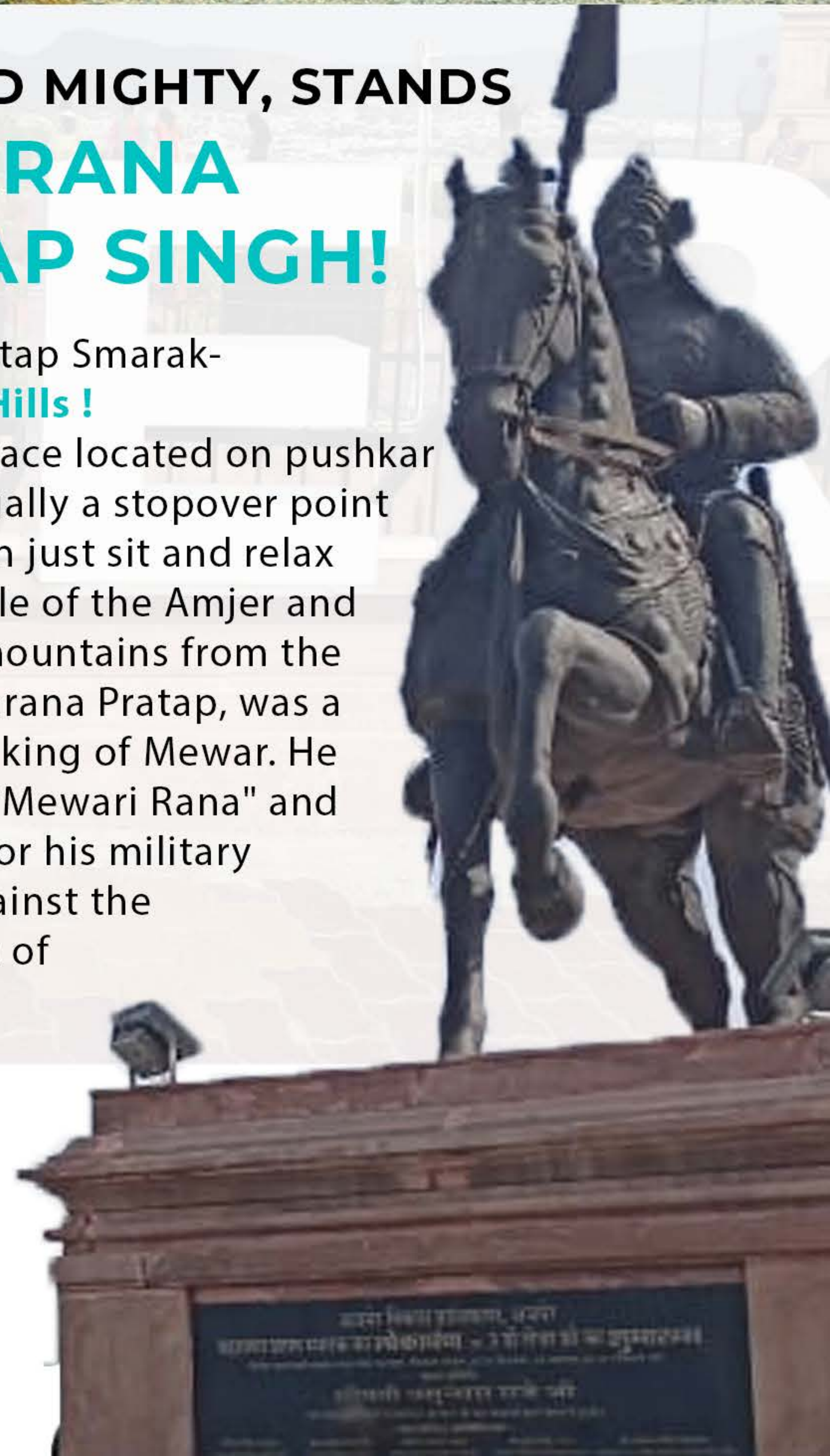
THE HISTORIC GOVERNMENT MUSEUM OF AJMER



HIGH AND MIGHTY, STANDS MAHARANA PRATAP SINGH!

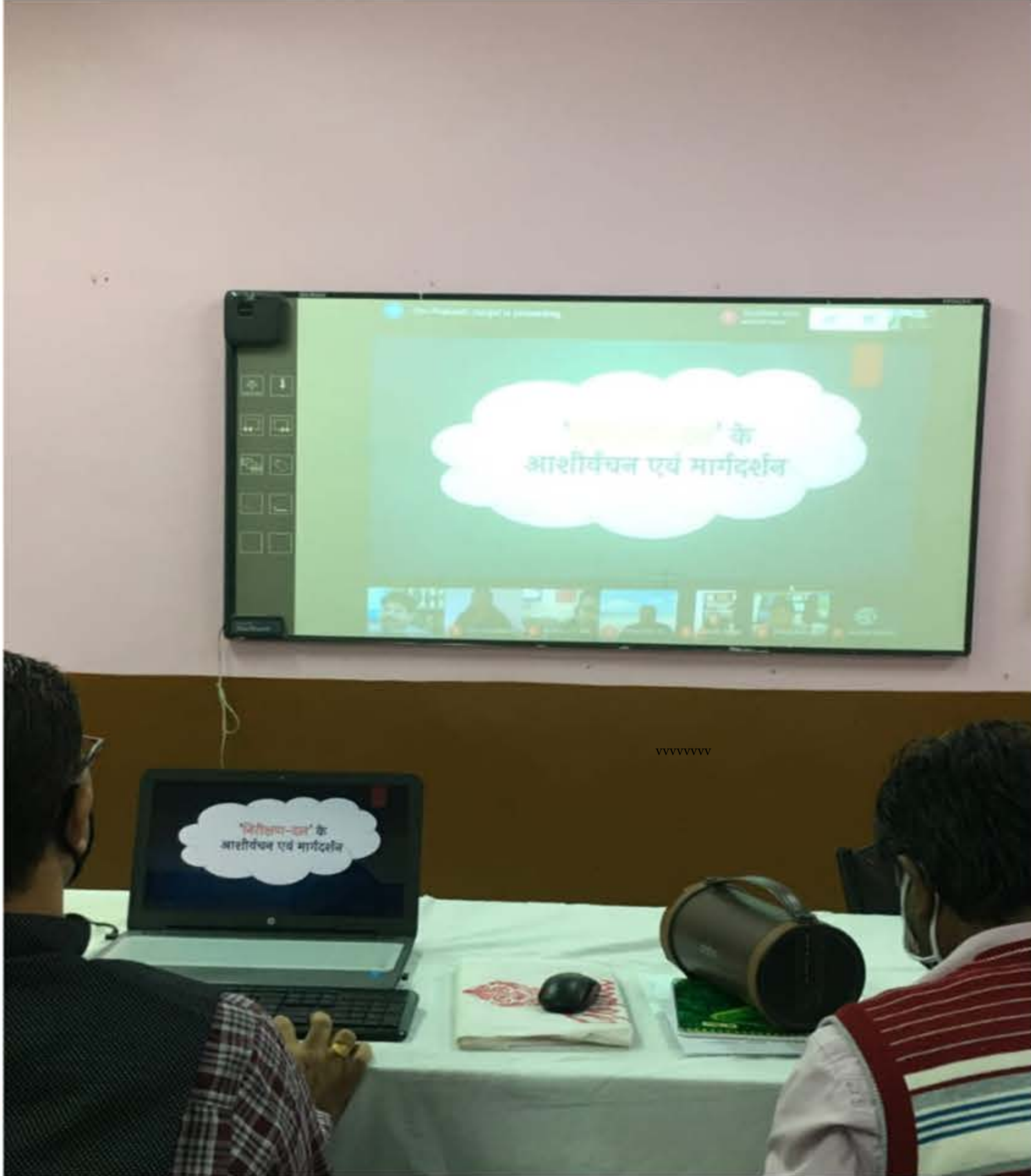
Maharana Pratap Smarak-
King on the Hills !

Very scenic place located on Pushkar road, it's actually a stopover point where you can just sit and relax to watch the whole of the Ajmer and greenery of mountains from the Hill top. Maharana Pratap, was a Hindu Rajput king of Mewar. He was titled as "Mewari Rana" and was notable for his military resistance against the expansionism of the Mughal Empire.



Visits of Dignitaries

“ Give the world the best you have and *Best* will come back to you





Republic Day Celebration **गणतंत्र दिवस समारोह**

26.jan.2021

**"Bombs and pistols don't
make a revolution. The sword
of revolution is sharpened
on the whetting
stone of ideas"**
Bhagat Singh



|Women's Day Celebration |अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

8.Mar.2021



“

“Each time a women stands up for herself, without knowing it possibly, without claming it, she stands up for

All Women”





celebrations समारोह

teacher's day शिक्षक दिवस समारोह 05.sep





unity day
एकता दिवस
31.oct

राजभाषा हिंदी पखवाड़ा
14.sep - 28.sep 2021



national
education day
राष्ट्रीय शिक्षा दिवस
11.nov.2020

An investment in knowledge pays
the *best interest*

”

Online Workshops

School level: foundational
numeracy and literacy



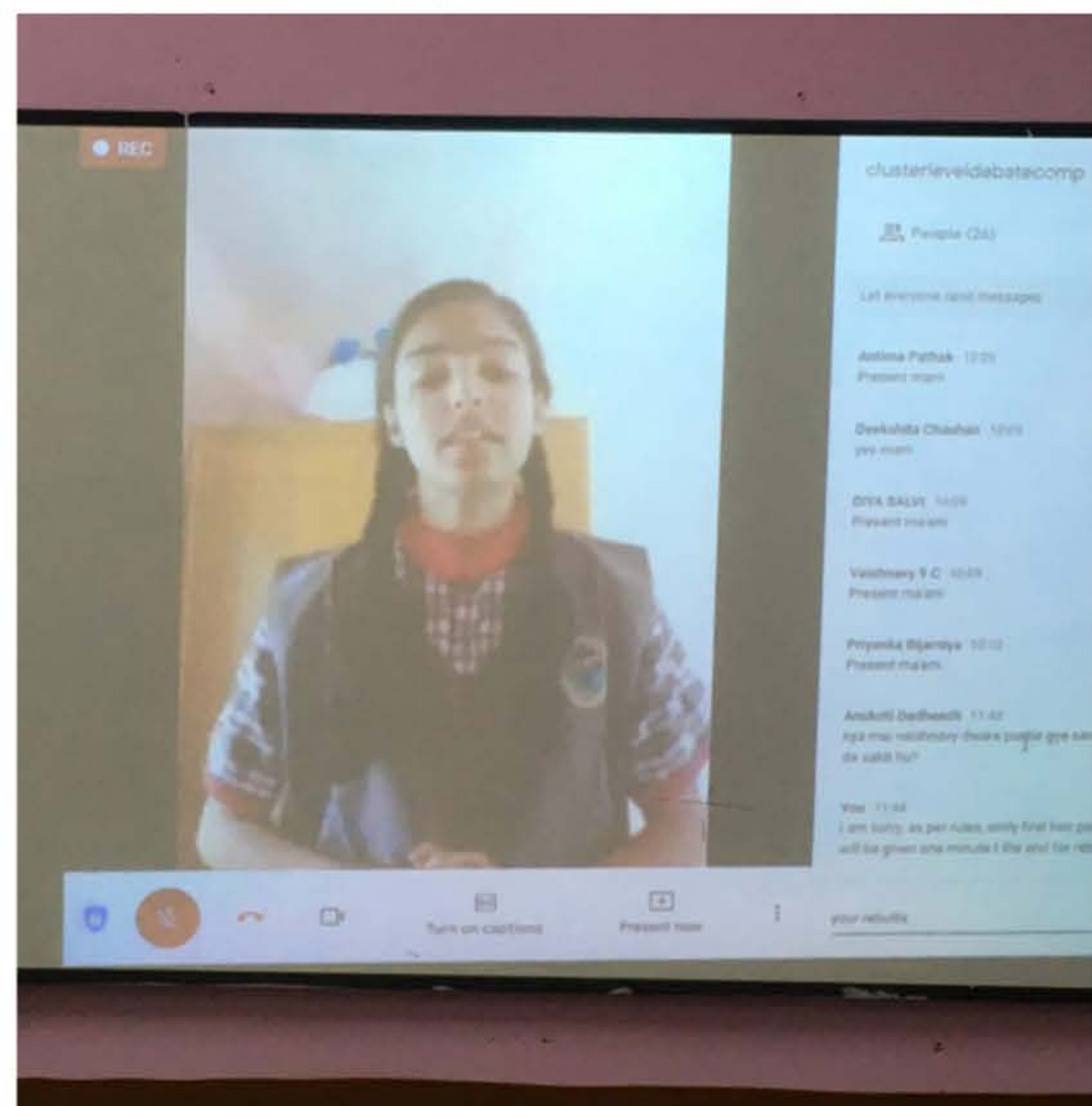
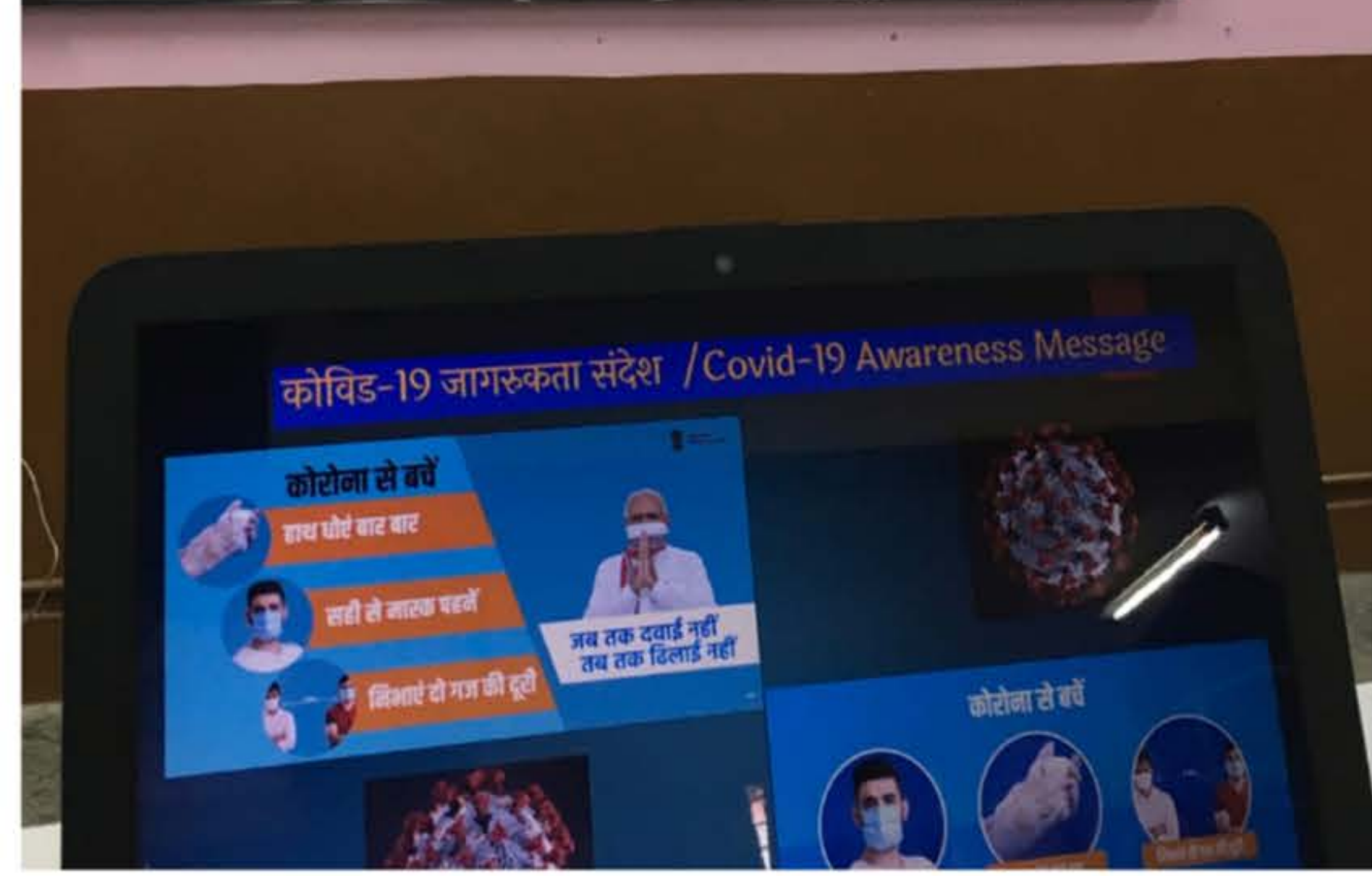
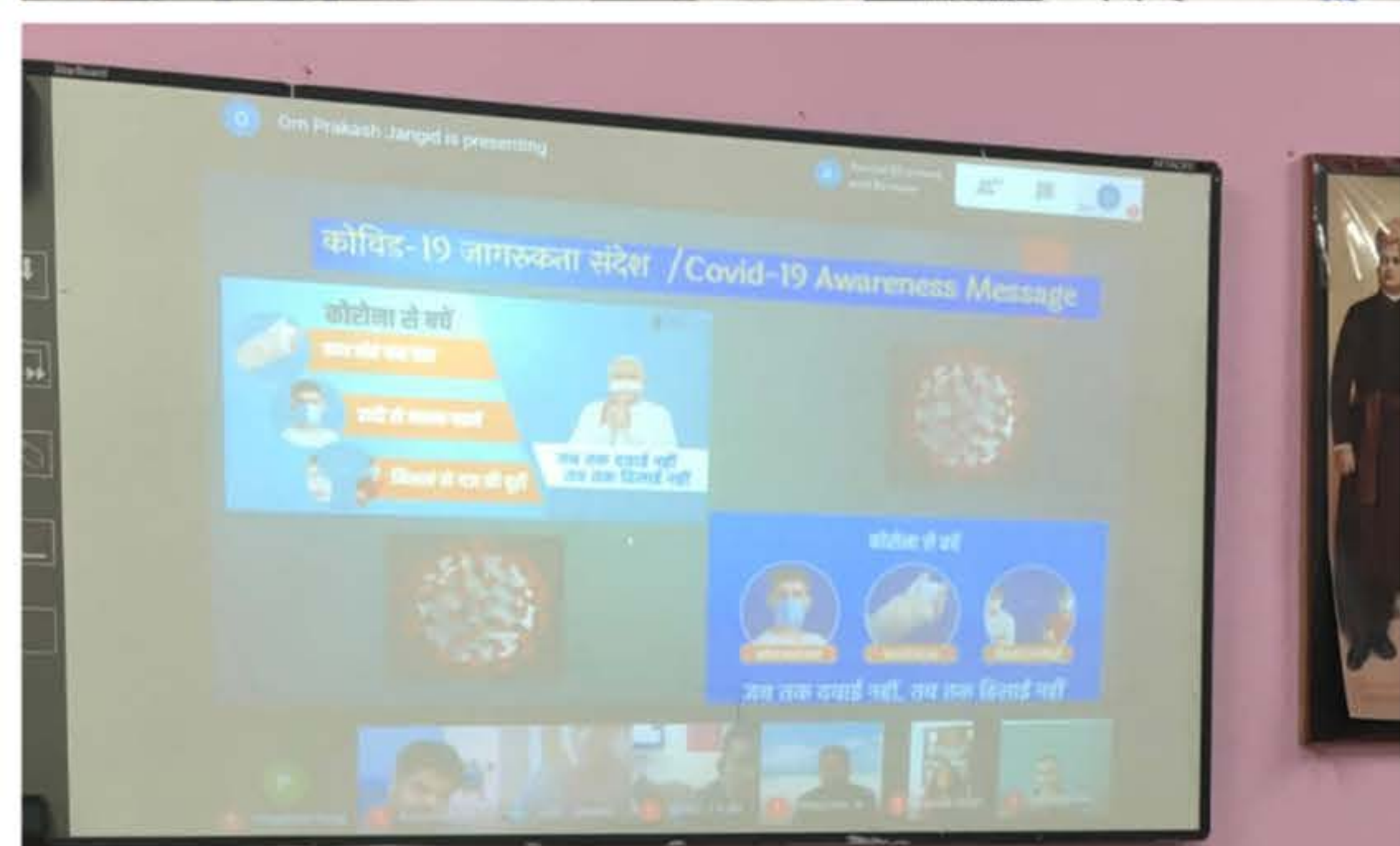
Online Classes



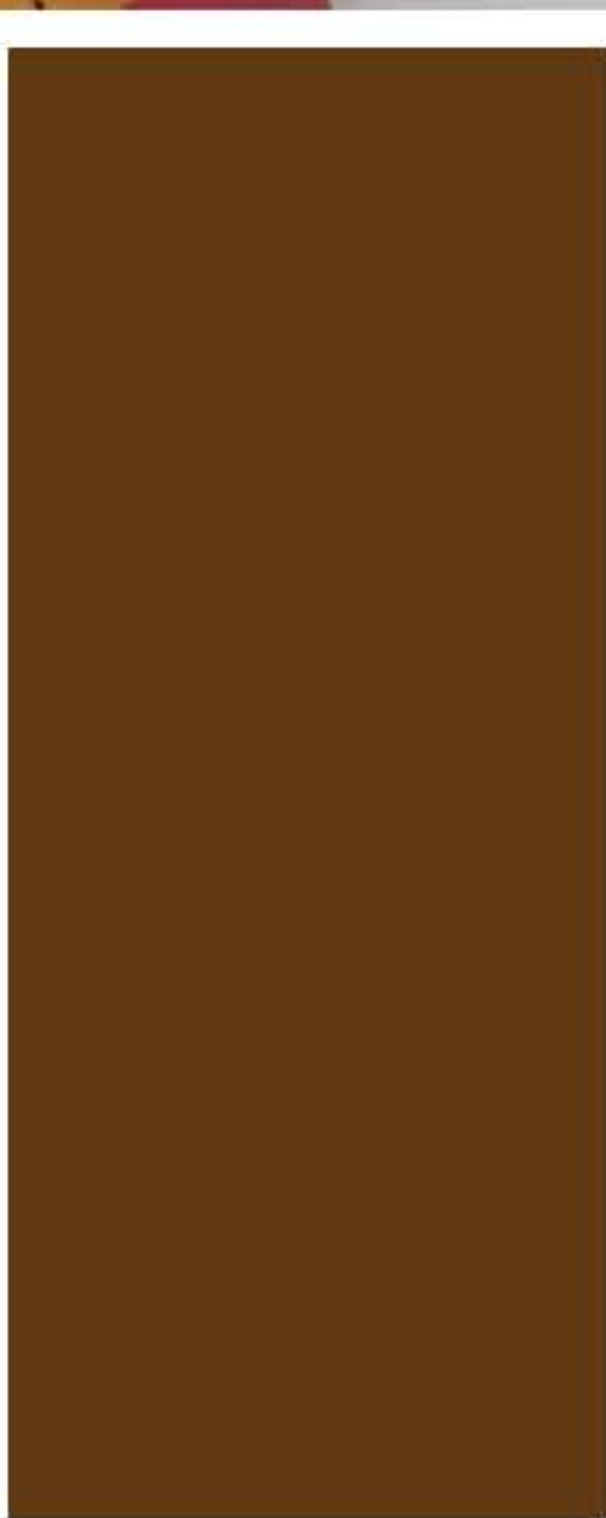
competitions | (online) प्रतियोगिताएं |

“

a valid competitions pushes
us to do our *best*

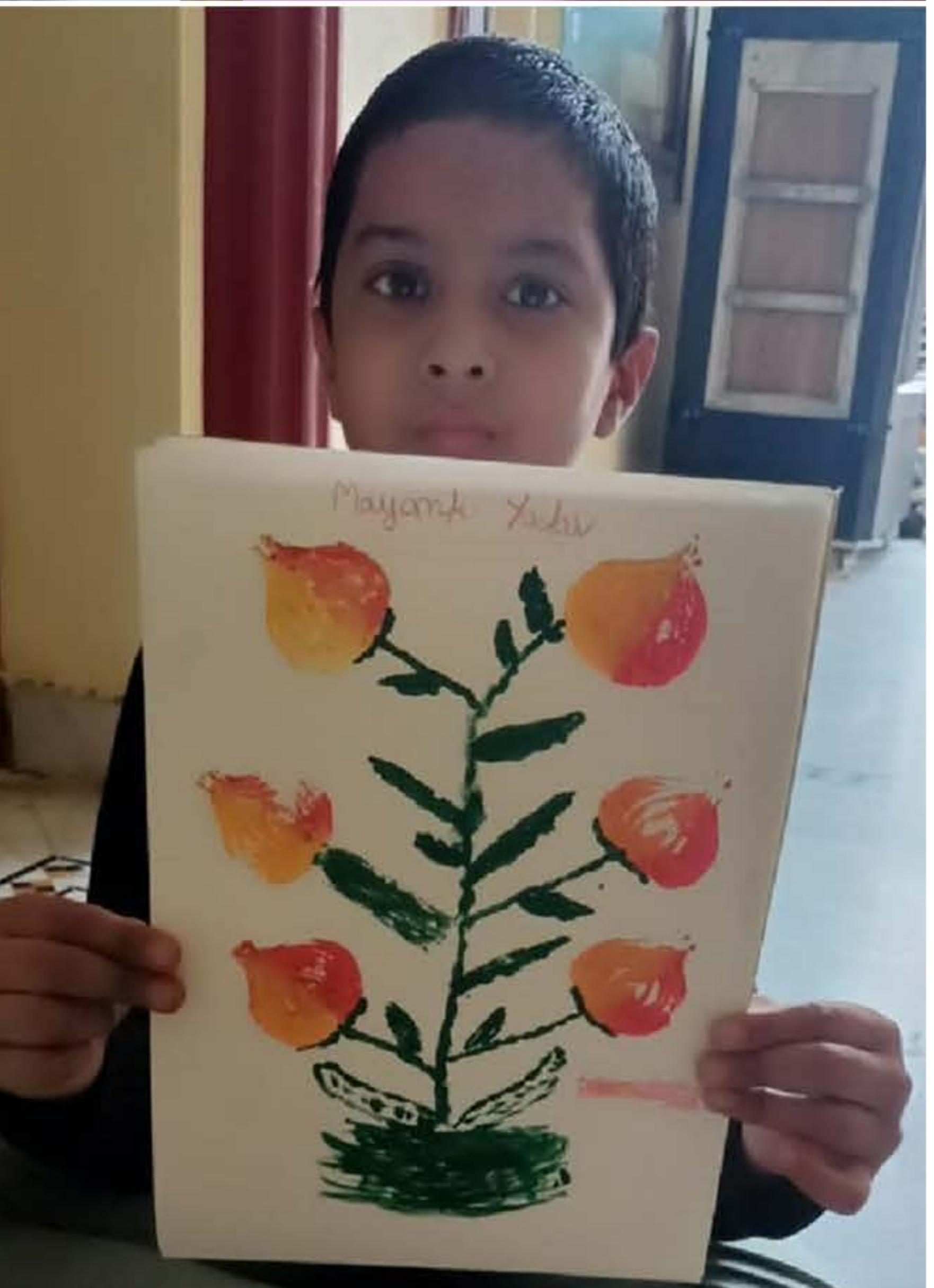
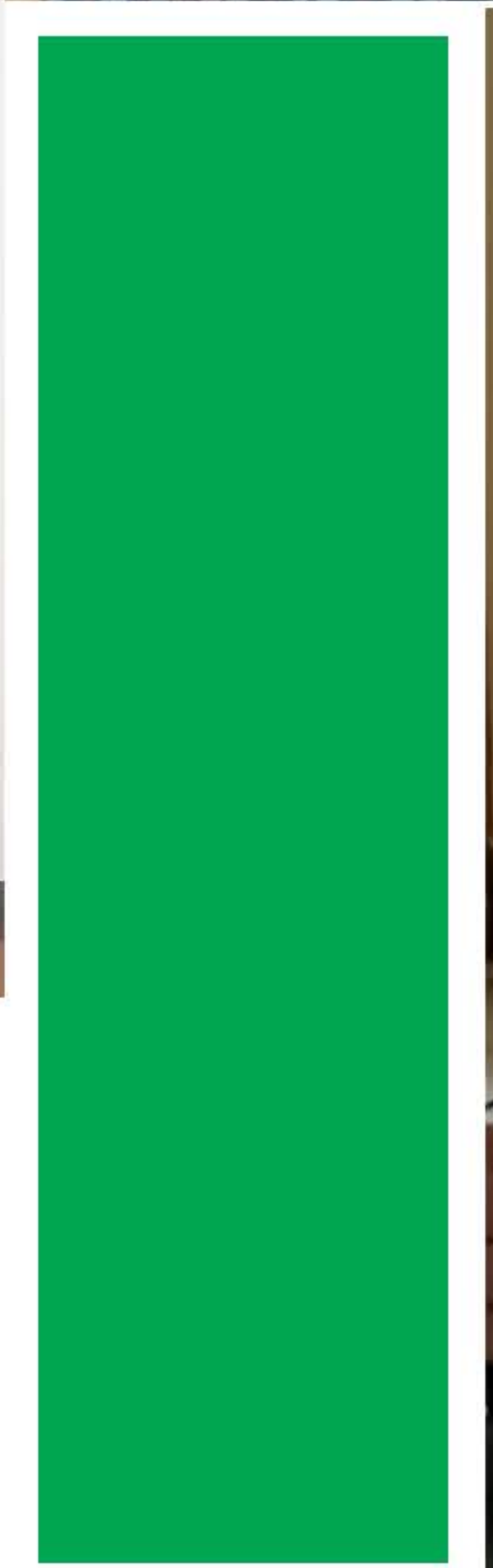


CCA: best out of waste

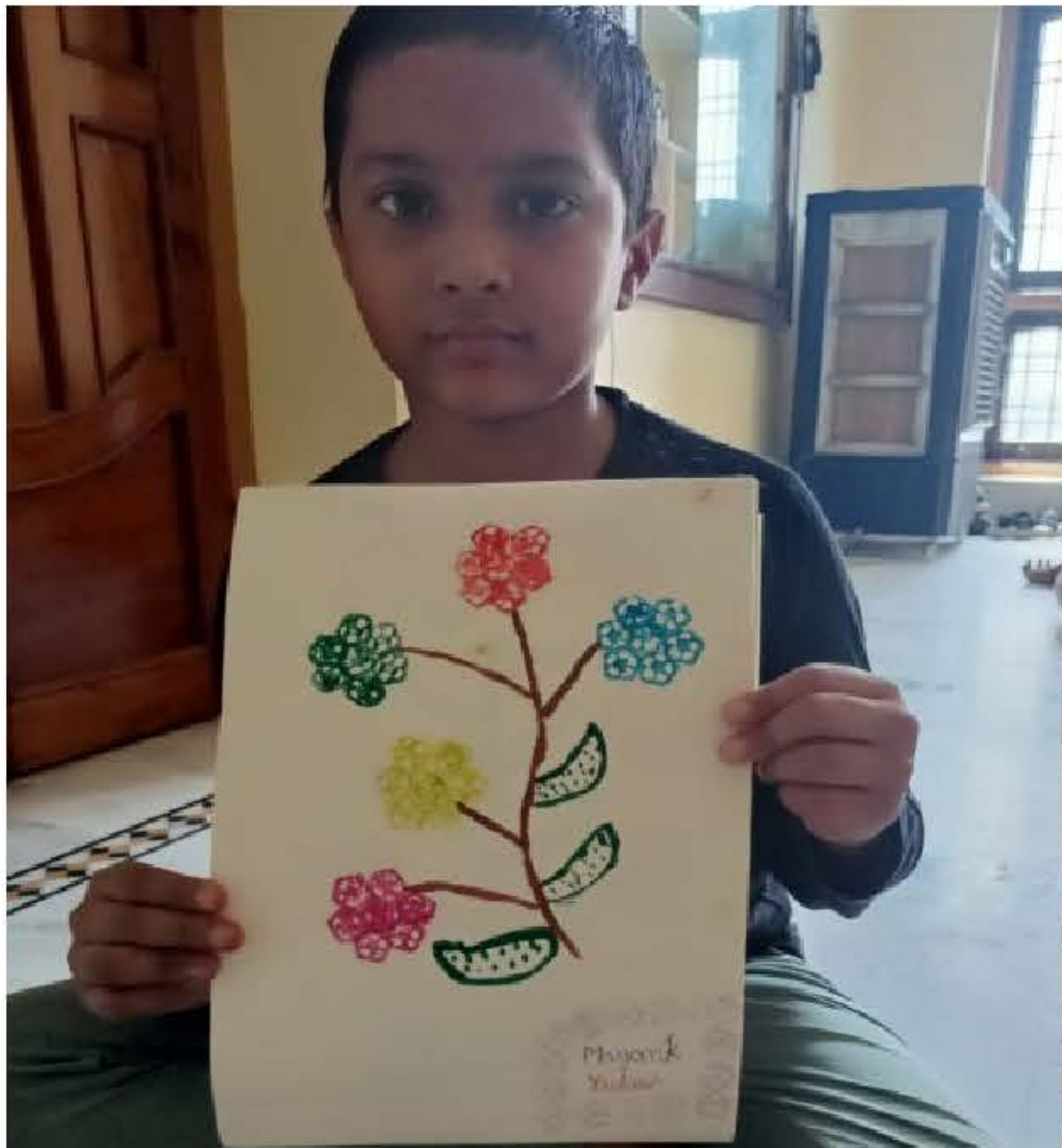


“
When you refuse to reuse,
it's the earth you abuse

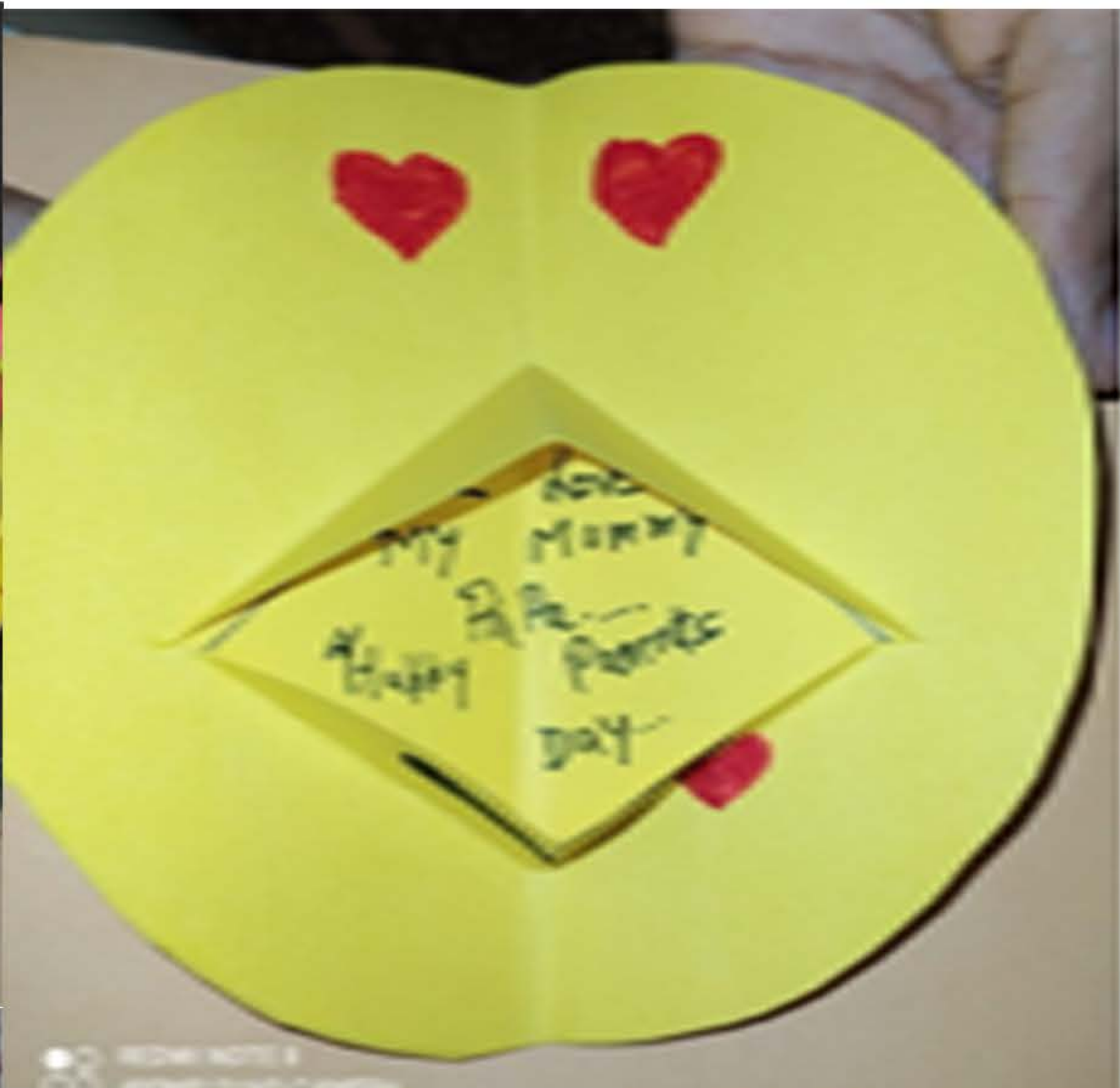
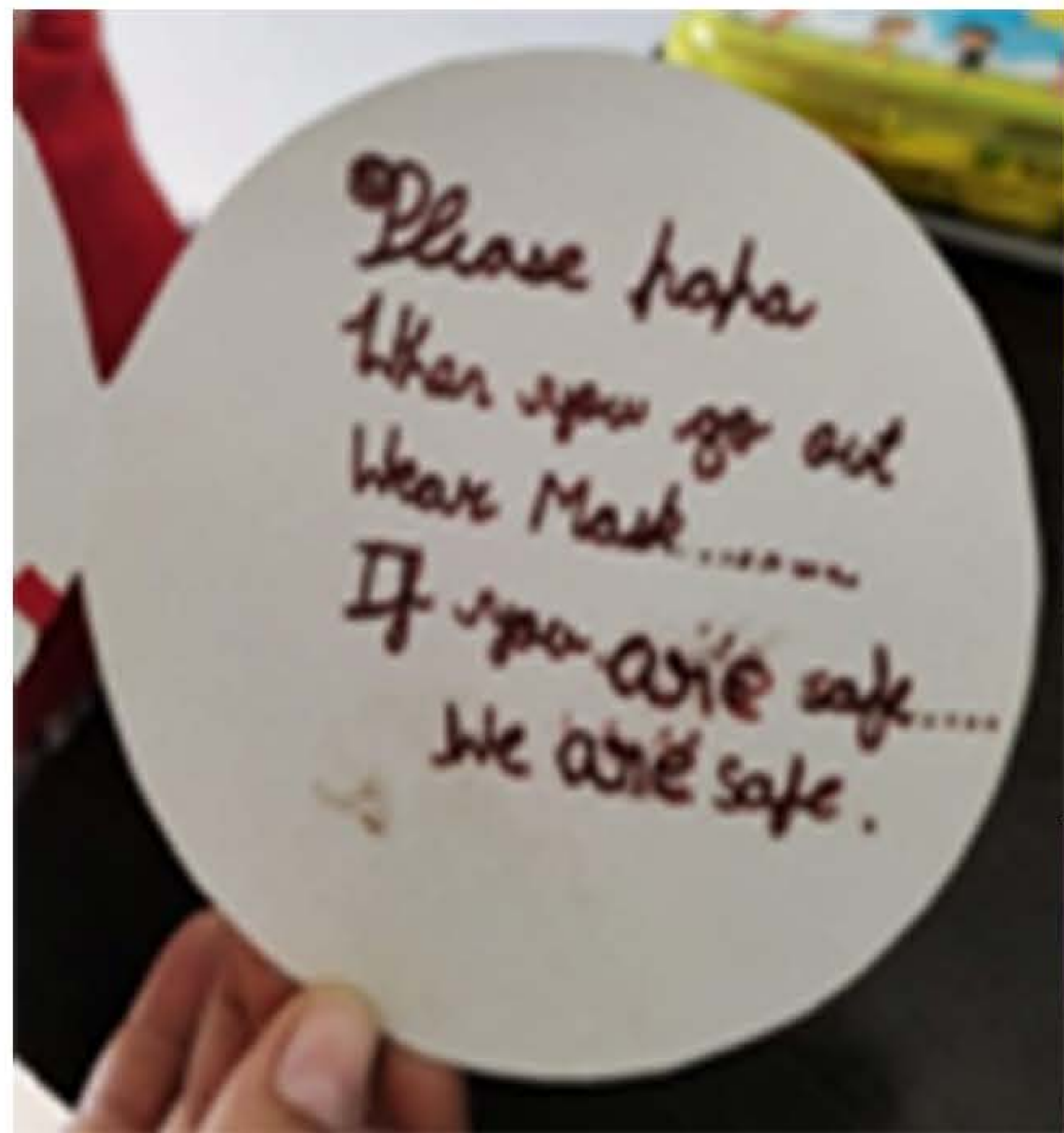
Vegetable painting



”
Roots to hold,
Wings to fly



Emoji Day Celebration



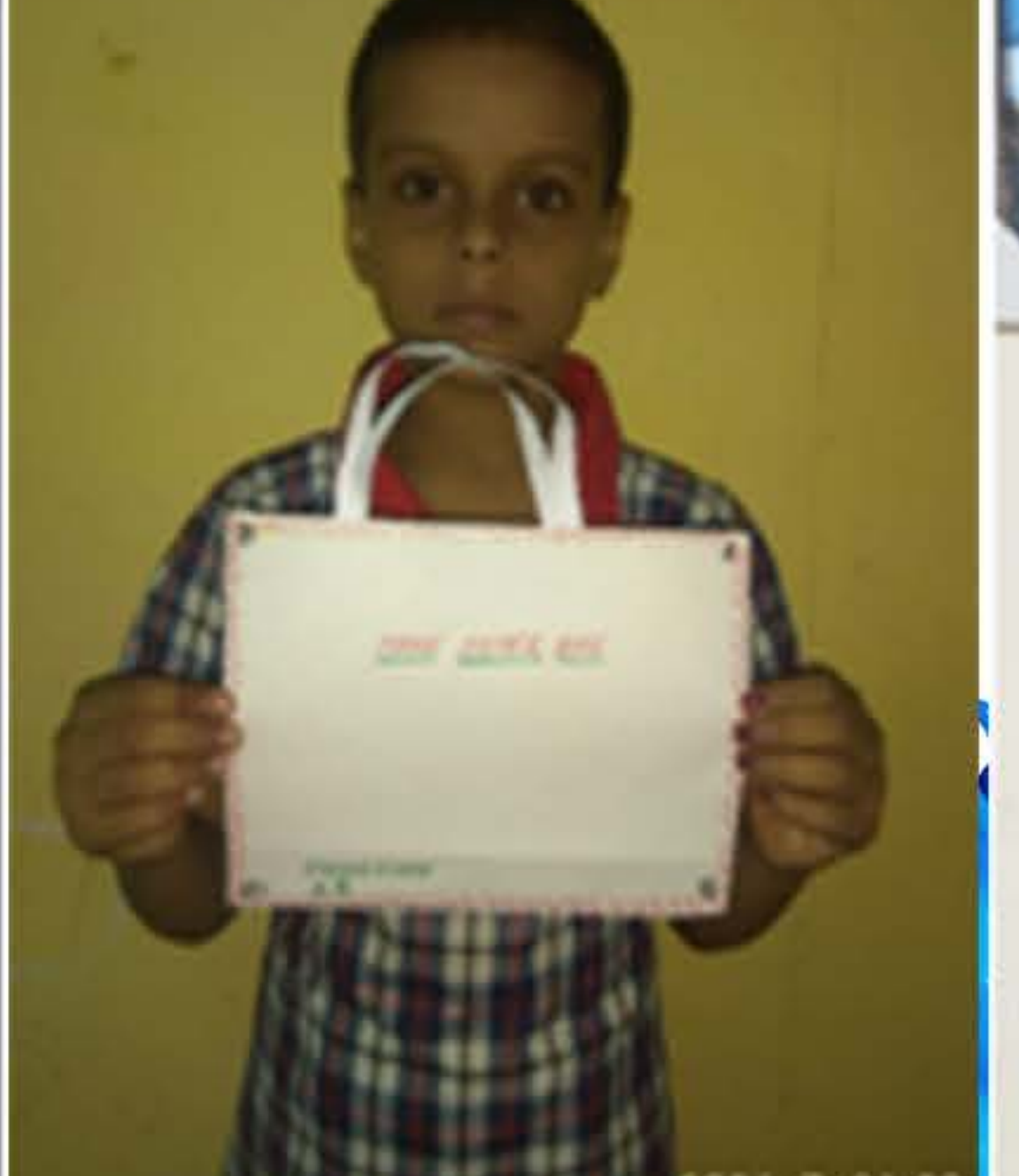
“ Learning is not the product of teaching, learning is the product of *activity* of learners



Paper bag making



”
Be yourself,
everyone else is
already taken

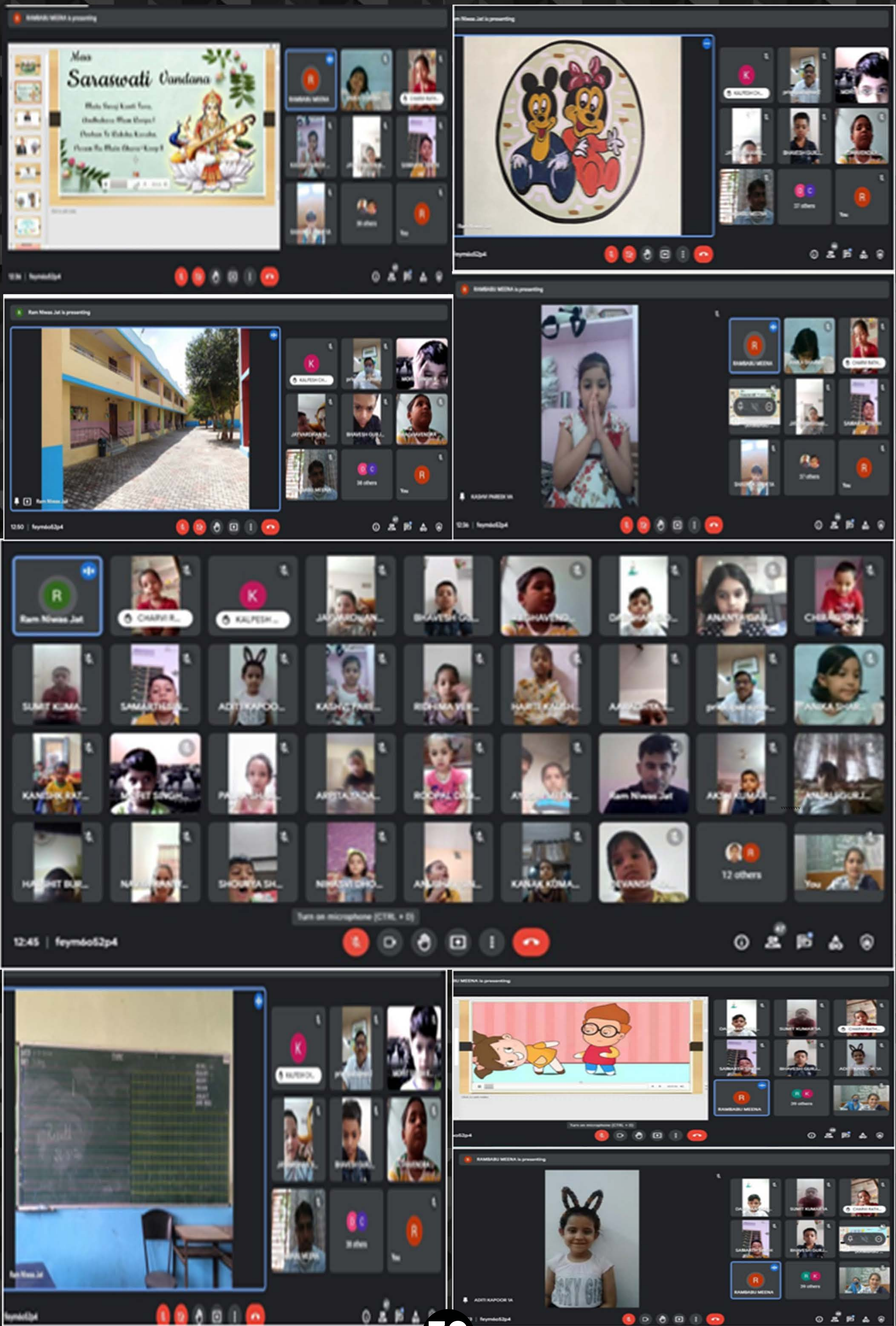


Praveshotsav

“

Education is a better safeguard of
Liberty than a standing army

”

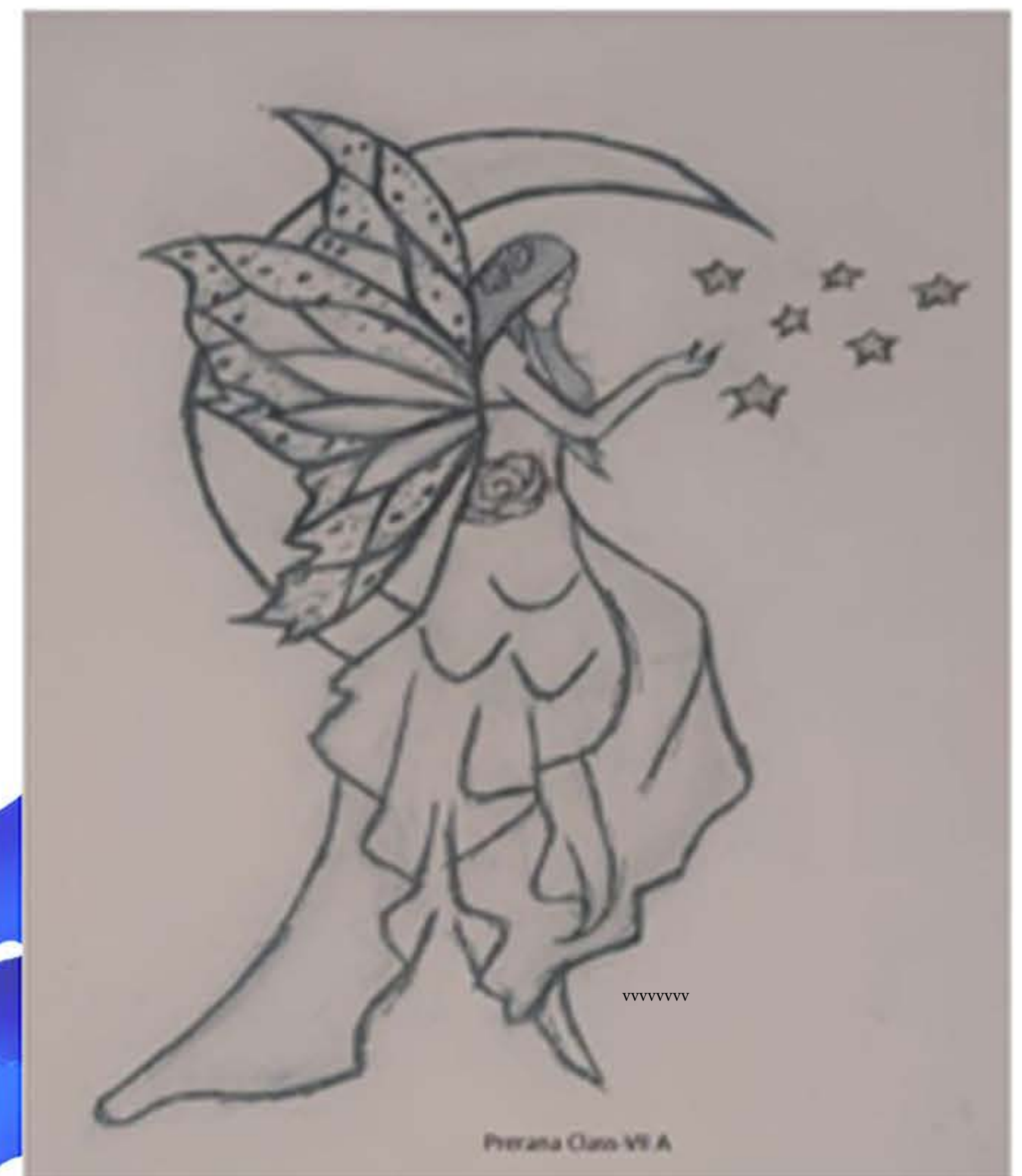
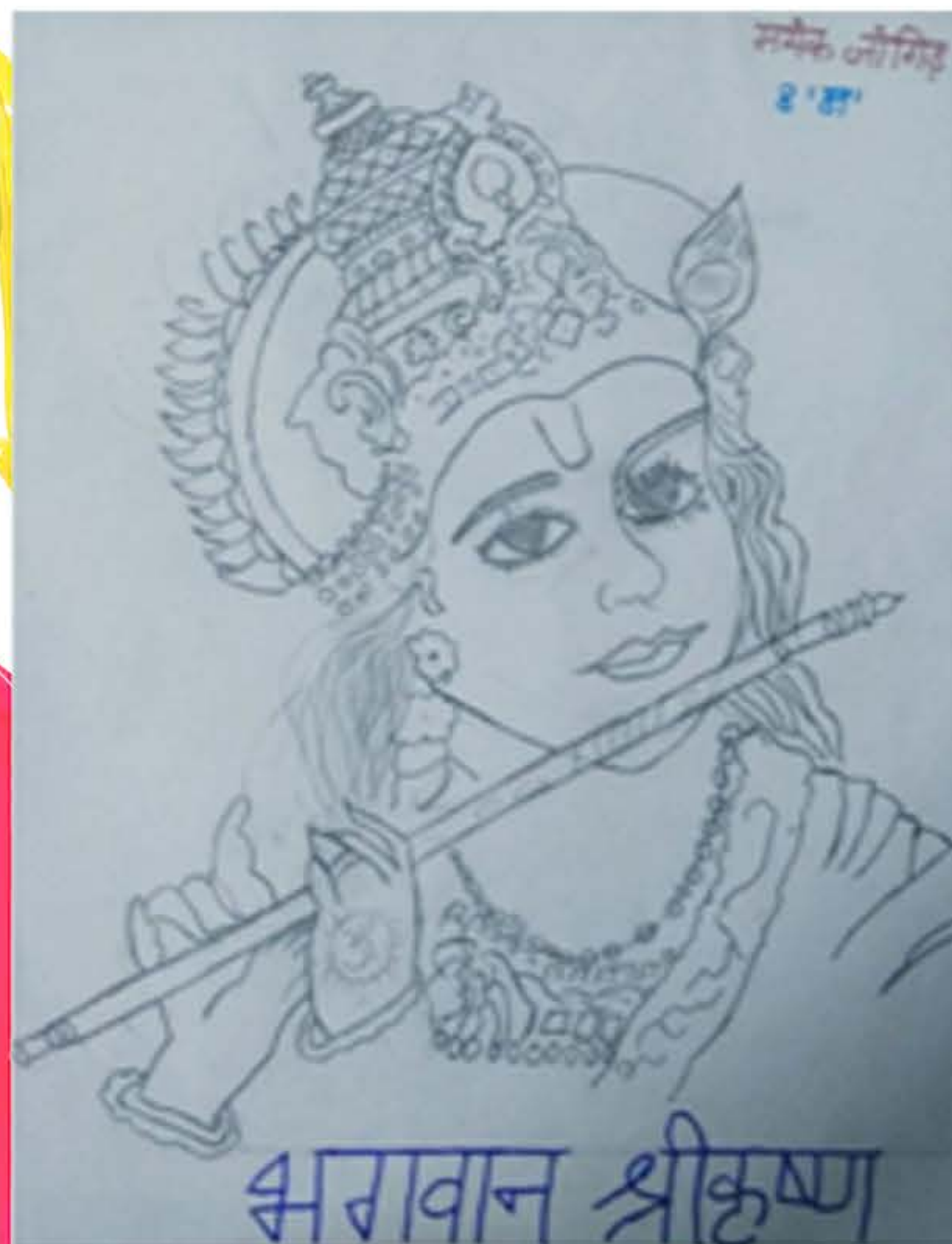


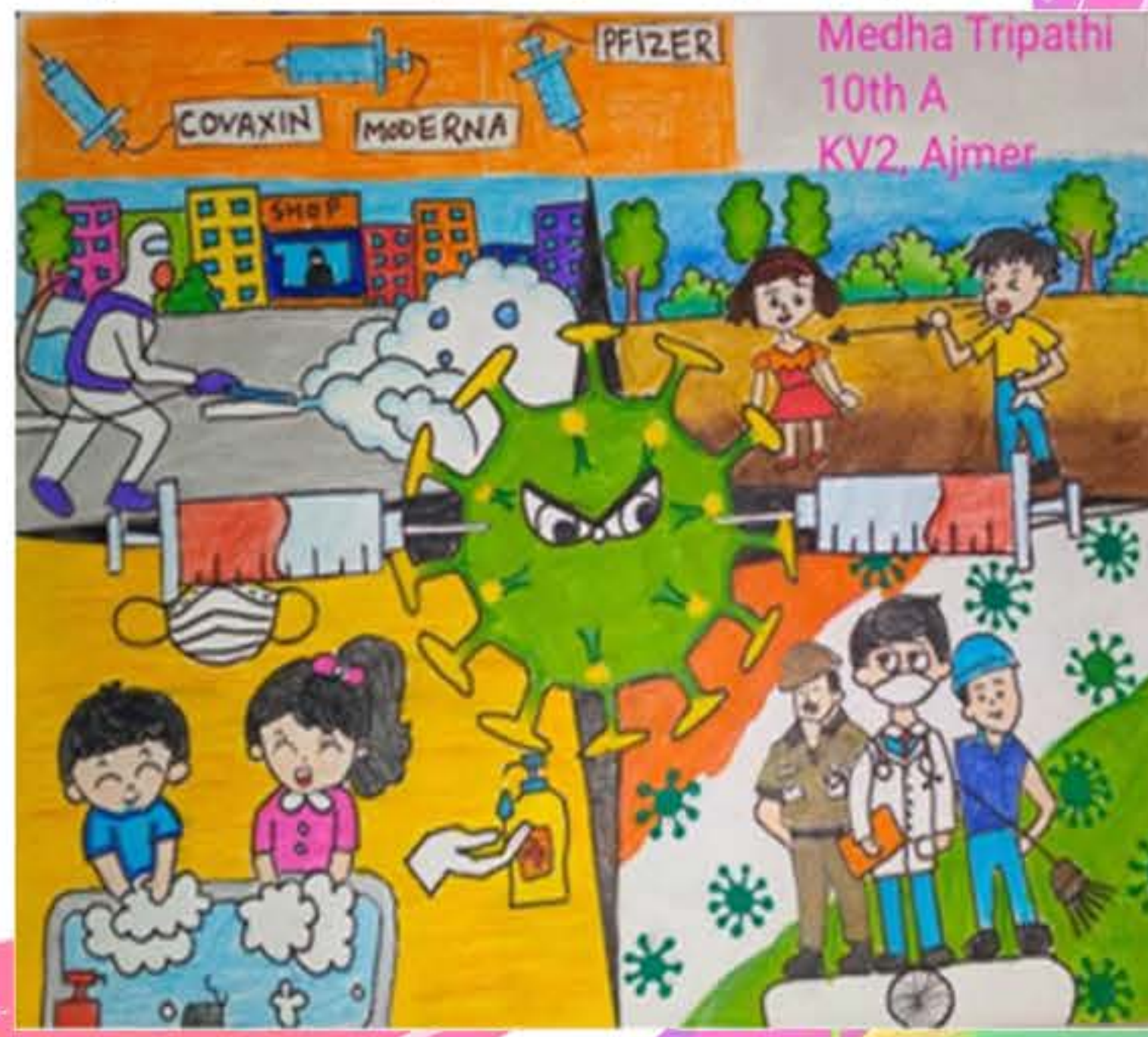


Krish Solanki - III B

Ankit Choudhary-III B

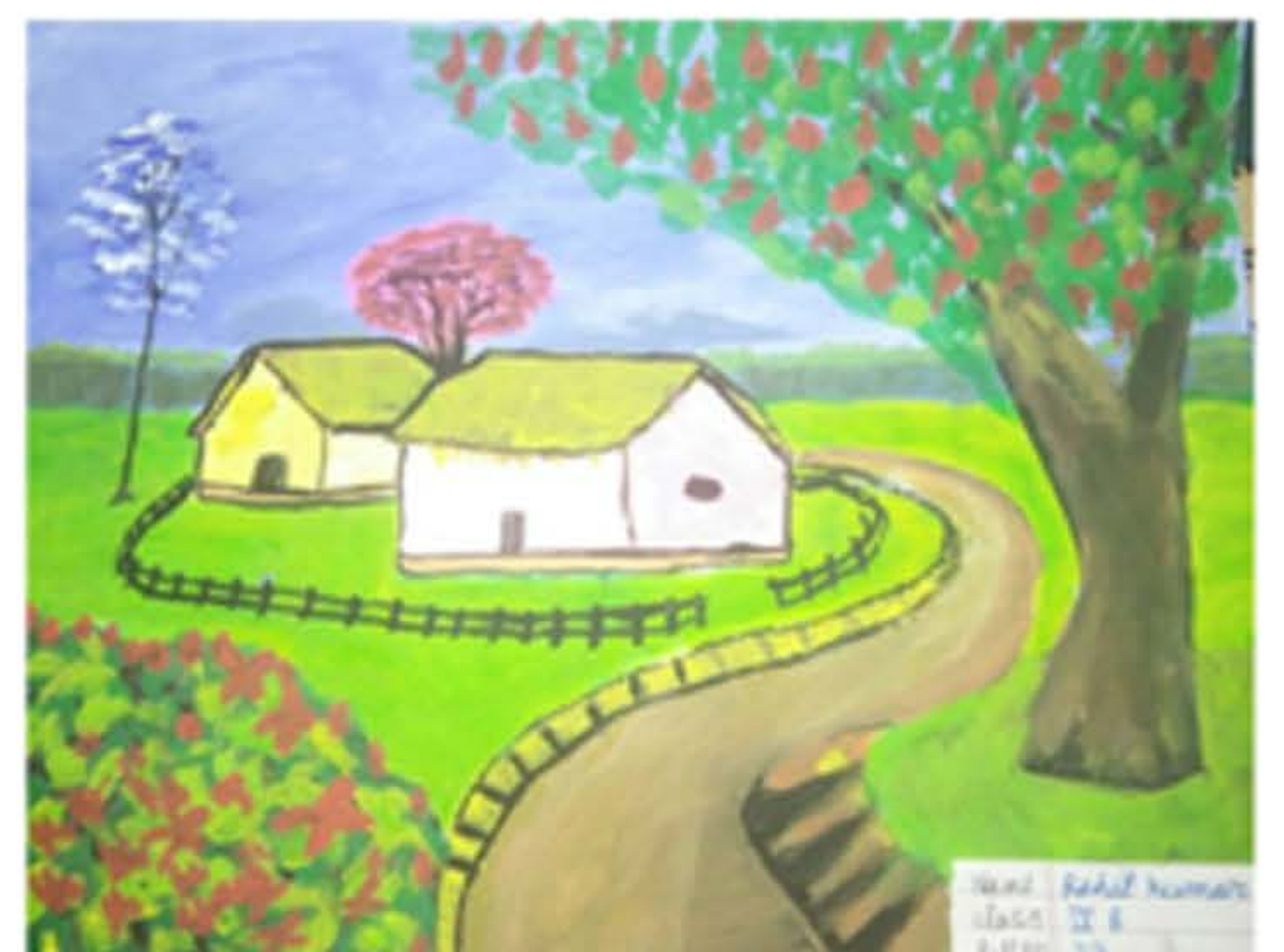
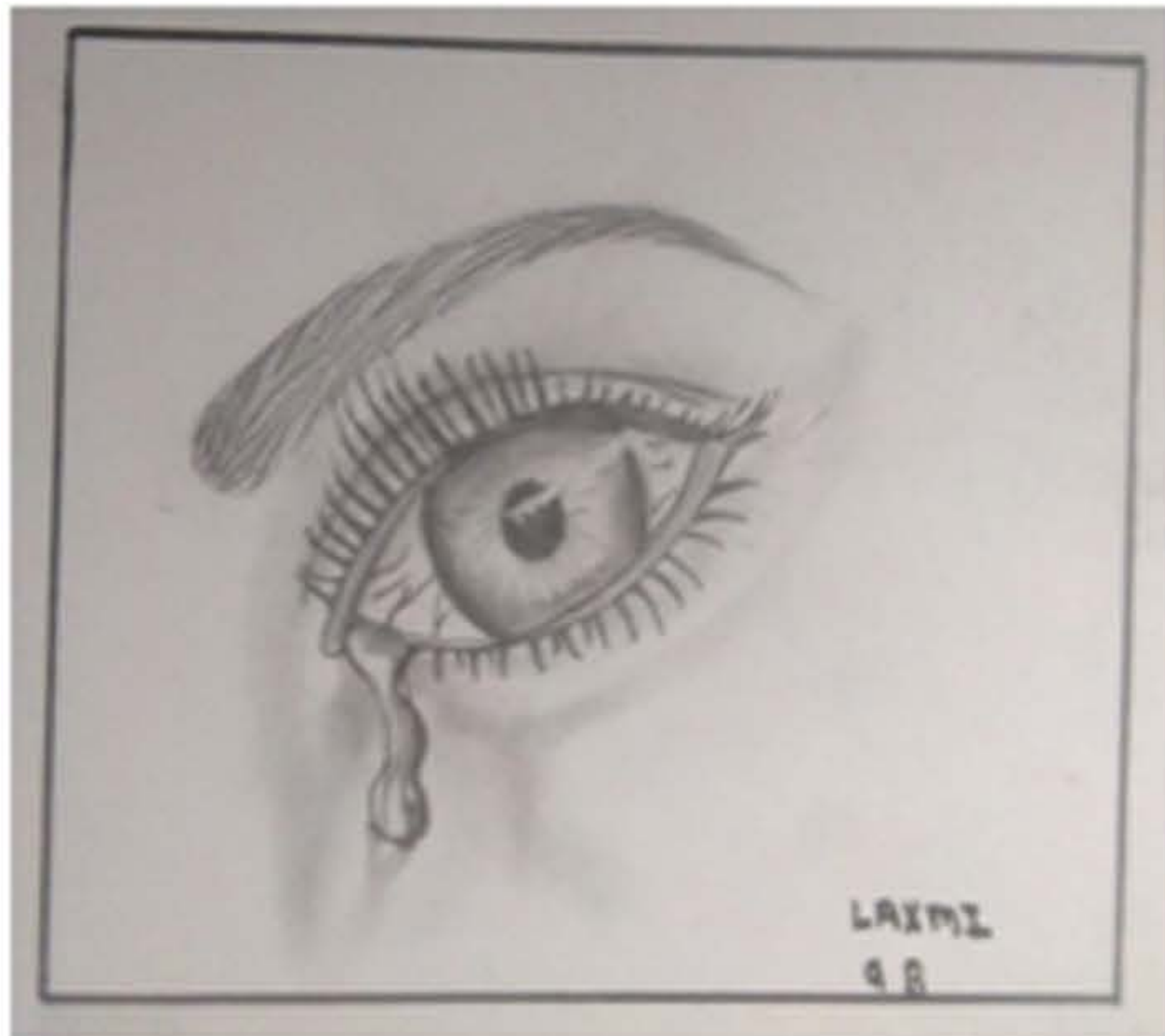
Art section





Komal
XI B

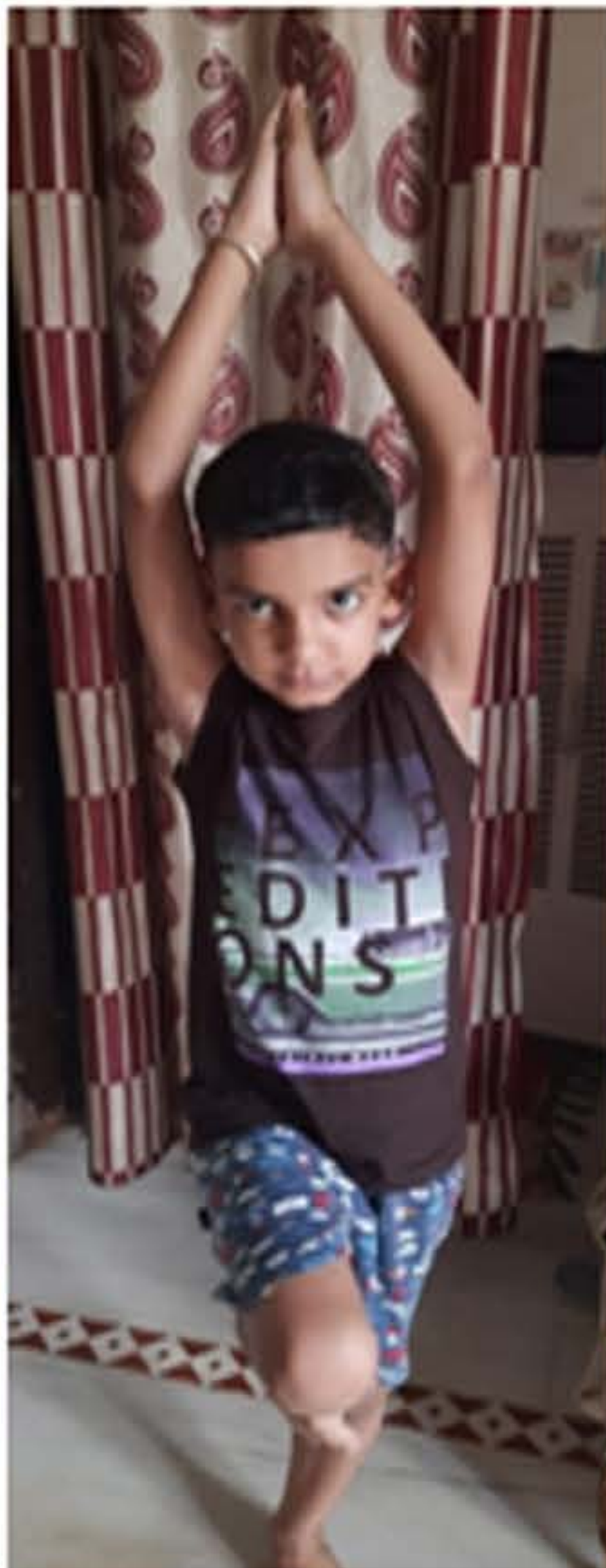
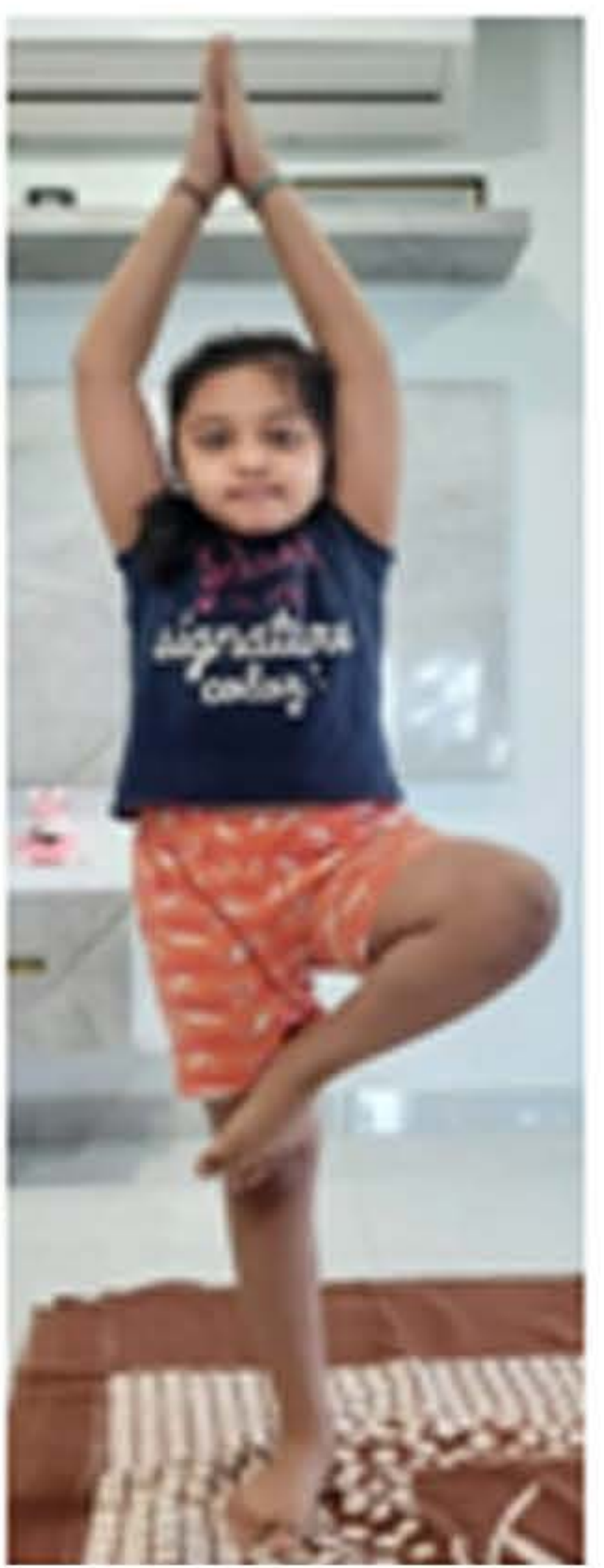
“
A man paints with his
brains
and not with his hands.
~ Michelangelo



|Yoga day celebration

8.mar.2021

“Do not stop when you are *tired*.
stop when you are *done*”



Lighter
moments:
**Childhood
Revived!**



**“ The child is the
father of the man:
And I could
wish my days to be
bound each to each
by natural piety.
~William Wordsworth**



School | *infrastructure*|

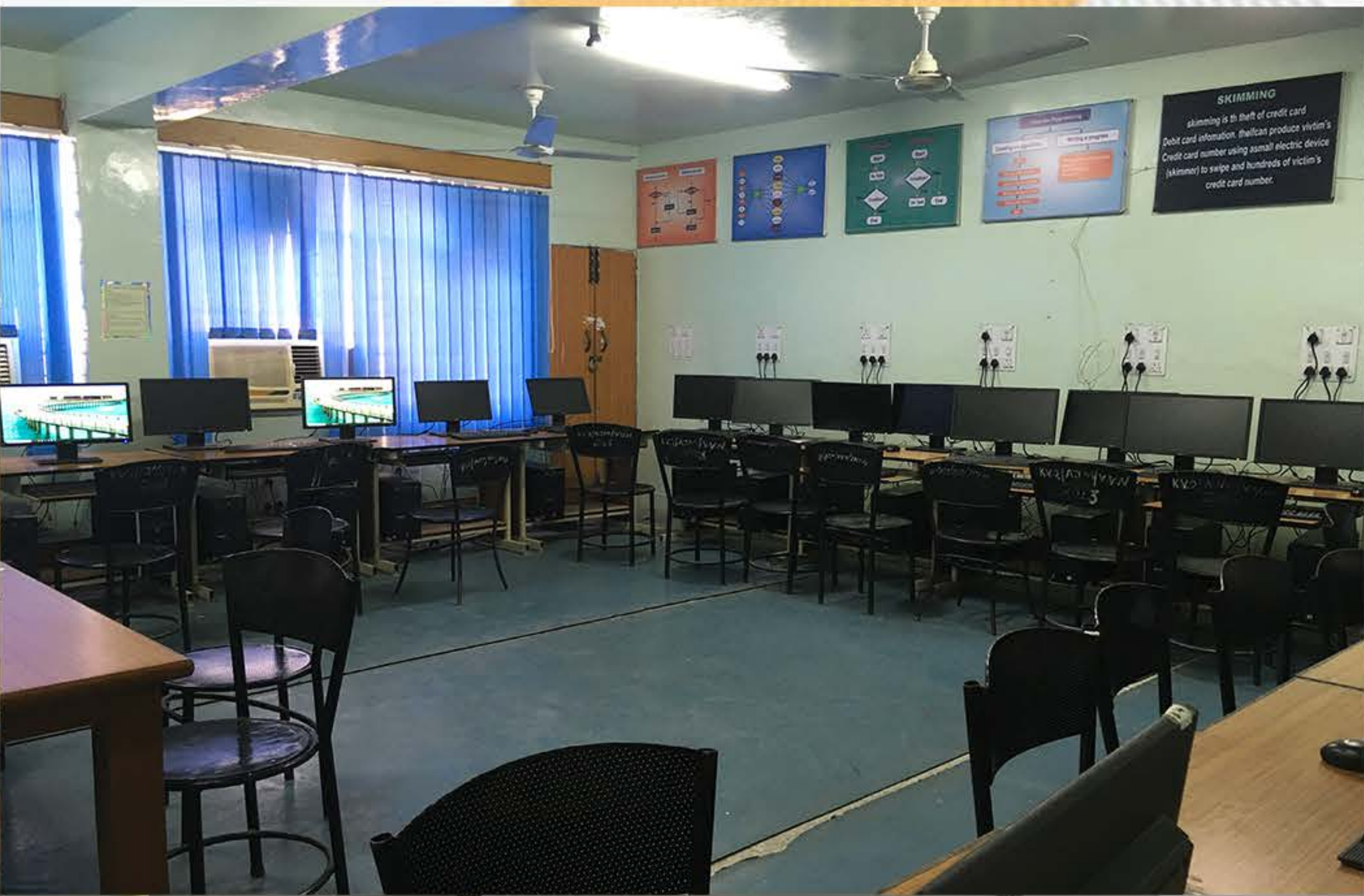
◀ Building |



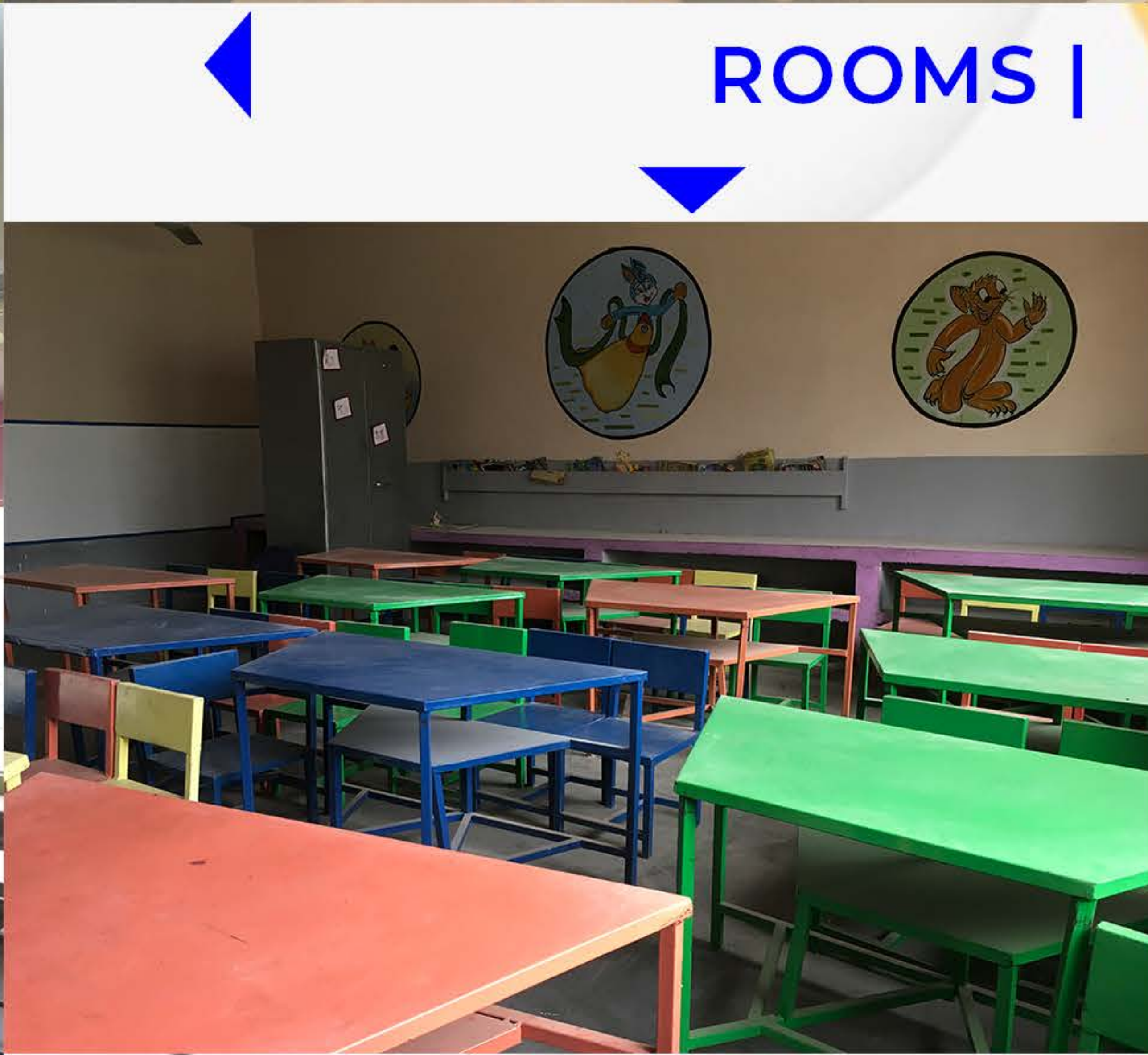
| SPORTS GROUND ▶



| LABS



| PLAYGROUND



ROOMS |

श्री शंकर लाल जी
2020

[illegible]

सेवानिवृत्ति समारोह ।

सुश्री पुष्पा मित्तल
2020

“

Retirement is the only
time in your life when
time no longer
equals *money*



School | premises|

“

“The highest education is that which does not merely give us information but makes **our life in harmony** with all existence”

~Rabindranath **Tagore**



Sno.	Title	Name	Class
1	In Search Of Parallel Lines	Sita Chaudhary	TGT English
2	Intresting Facts About Earth	Purnakshi Bansal	X A
3	Thoughts Of Kabira	Medha Tripathi	X A
4	My Mother	Rohit Samota	IX B
5	Online Classes	Priyanshi Tyagi	X A
6	Importance Of Morning Walk	Kavyanshi Sen	X A
7	Try And Try	Nishika Kachhotiya	IX B
8	Student	Pushpendra Singh	IX A
9	Why english is hard to learn	Mayank Chouhan	X B
10	Global Warming And Green House Effect Facts	Keshav Meena	IX A
11	CAN!	Shivani Rathore	XI Science
12	Mother's Day Acrostic	Nisha Meena	X B
13	Why Me?	Palak Joya	XI Science
14	Childhood	Ronak Pareek	XI Science
15	Riddles	Sunil Dadarwal	XI Science
16	Mother	Parul Joliya	IX B
17	Teachers	Manish Choudhary	XI Science
18	Butterfly: A Hope	Utkarsh Sharma	XI Science
19	Childhood	Aditi Sharma	XII Science
20	If You Think You Are Beaten, You Are	Teesha Aalwani	XI Commerce
21	We're Going Back To School	Dikshita Paliwal	XI Commerce
22	Trees Like Heaven	Pooja Choudhary	XI Science
23	The School Magazine	Fatima Hussain	XI Science
24	I'll Rise With The Sunshine	Amandeep	XI Science
25	Why God Made Teachers	Suraj Kumar	XI Science
26	What Is Life?	Harshita Tilokani	XI Commerce
27	My Mother	Ritika Jatav	XI Science
28	Leaves Are Falling	Bhavisha Soni	V A
29	We Are Indians	Divyanshu Singhal	IV A
30	Cleanliness	Divyanshu Singhal	IV A
31	Common Phobias	Chirag Singh Panwar	V B
32	My Mother	Himal Kumar Bairva	V B
33	Jokes	Hardik Choudhary	V B
34	My Big Wish	Manan Dwivedi	V B
35	A Beautiful Morning	Adarsh Sharma	V B
36	The Wolf And The Lamb	Sonakshi Singh	V B
37	Dissatisfaction Is Imortant As Well...	Miti Bhardwaj	XII Science
38	Our India	Devanshi Meena	VI A
39	Miracles Really Happen In Our Life	Komal Sawlani	XI Commerce
40	Months Of Indian National Calendar	Bhavesb Bariya	V B
41	Inner Beauty	Tanvi Soni	XII Science
42	Asian Heartbeat Japan	Vedang	XI Science
43	Role Of Media	Gaurang Kalra	XI Science
44	Positivity Is The Only Way To Be Great!!	Nikita Bhati	XII Commerce
45	The Feynman's Technique	Nischal Singh	XI Science
46	Causes Of Stress in The Modern Generation	Aditya Sharma	XI Science
47	Save Nature	Akishika Parashar	VI A
48	5 A Day Vegetable	Vedang Sen	V B
49	Got My Toothpaste	Ronak	V B
50	Home Schooling During The COVID-19 Pandemic	Anubhav Samota	IV A

हिंदी लेखन एवं कवितायें

SNO.	शायक	नाम	कक्षा
1	विद्यालय की बगिया	श्री जी एस मेहता	प्राचार्य
2	इम्तिहानों का दौर	श्री दिलीप कुमार शर्मा	स्नातकोत्तर शिक्षक
3	प्यारा भारत देश है मेरा	दिशिज शर्मा	II अ
4	पेड़ लगाना है कितना जरूरी	मेधा परमार	XI विज्ञान
5	देश के सनिकों से	पलक जोया	XI विज्ञान
6	विज्ञान एवं प्रौद्योगिक जानकारी	रेनू कुडिया	XI विज्ञान
7	पहेलियाँ	सुनील दादरवाल	XI विज्ञान
8	दोस्ती	यशोदा	XI विज्ञान
9	विद्यालय का सफ़र	अदिति शर्मा	XII विज्ञान
10	मेहनत रंग लायी	खुशी इन्दोरा	XII वाणिज्य
11	खुशी का इंतज़ार	पूजा चौधरी	XI विज्ञान
12	डा.एपीजे अब्दुल कलाम की कलम से	शैख लिमरा चाँद	XI विज्ञान
13	एक भारत-अनेक नाम	रितिका जाटव	XI विज्ञान
14	पी.वी.सिन्धु	नसप्रीत कौर	XI वाणिज्य
15	वो गलतियाँ मेरी गिनाता है	पूजा चौधल	XI विज्ञान
16	सपनों में रख आस्था	सुहानी सोनी	XI वाणिज्य
17	देश प्रेम	अक्षरा राठौड	IX ब
18	नारी सशक्ति करण	मोहित सिंह रावत	XI विज्ञान
19	मैं आज की नारी हूँ	रक्षा कूडिया	XII विज्ञान
20	शिक्षक दिवस	देवांश	IX ब
21	मेरी माँ	तन्वी वर्मा	VIII ब
22	सुनहरा सवेरा	धाविका कूडिया	VIII अ
23	हिंदी भाषा	हिमांशु भारद्वाज	IX ब
24	आज शाम जब बरसा सावन	हृदय राज	X ब
25	समर्पण देश को मेरा ये अंतिम श्वास है	देवांशी मीना	VI अ
26	पहेलियाँ	कंगाना सेन	IX ब
27	पहेलियाँ	खुशबू	X ब
28	माँ	केशव प्रजापति	IX ब
29	मिसाइल मैं	देवांशी जोया	X ब
30	बीती हुई ज़िन्दगी	मानवी वैष्णव	IX ब

31	कबीर के दोहे	मेध्या त्रिपाठी	X अ
32	वीर शिवाजी	निशिका काछोटिया	IX अ
33	माँ	गौरव राठौड़	V अ
34	दुनियाँ से हटकर चल	नगेन्द्र सिंह	X ब
35	वीर तेज बहादुर	नीलाक्षी अग्रवाल	X अ
36	प्रकृति	निशा मीना	X ब
37	बहुत लुभाता है गर्मी में	नितिन मीणा	IX ब
38	पथ का सिपाही	पलाक्षी गौड़	IX ब
39	रामायण के अनसुने तथ्य	प्रिया शर्मा	Xब
40	बारह महीने	भव्य कांडपाल	II अ
41	बेटी जग का आधार	अलोक कुमार	IVब
42	खोलो स्कूल, खोलो स्कूल	हियांशी गोयल	IVब
43	मेक इन इंडिया	प्रीती शेखावत	XI विज्ञान
44	स्वतंत्रता दिवस	आतिफ रहमान	III ब
45	हिंदी - हमारी भाषा	अमृता राज	III अ
46	आजादी का अमृत महोत्सव	विज्ञात गौड़	IVअ
47	लोखंदोव को सफल बनाना है	कनिष्क राठौड़	III
48	कोरोना वायरस	दीपक सिंह	XI विज्ञान
49	आज तिरंगा फहराता है	कल्पित कुमार	III अ
50	कविता	हर्षिता पवार	III अ

संस्कृत

अनुक्रमणिका

क्र.स.	शीर्षक	विद्यार्थिन: नाम
1.	भारतीयसंस्कृति:	मयंकजांगिड:, अष्टम'अ'
2.	किमर्थम् संस्कृत ?	पूर्णाक्षि बंसल, दशमी 'अ'
3.	भारतदेश:	अन्नू चौधरी, दशमी- अ
4.	जय वृक्षः, जय जय वृक्षः	कृतिका खत्री कक्षा- नवम -ब
5.	अंतर्जालम्	प्रियांशी त्यागी दसवी अ
6.	साधूनां जीवनम्	केशवः, नवम -अ
7.	चत्वारि मित्राणि	दिव्या, अष्टम -ब
8.	सुभाषित-कणिका:	हिमांशुः -अष्टम अ
9.	राष्ट्रभक्तः शिरोमणिः प्रतापसिंहः	ओमप्रकाशजांगिडः, संस्कृत-शिक्षकः
10.	परिश्रमस्य महत्वम्	कुशकुमारयोगी अष्टम-ब

ull
unt in
Sed ut
oluptatem
eriam, eaque
nitecto beatae
voluptatem quia
quia consequuntur
sequi nesciunt. Neque
in quia dolor sit amet,
ion numquam eius modi
e magnam aliquam quaerat



ENGLISH

poetry & articles



~~~~~

Lorem ipsum dolor sit amet, consectetur  
eiusmod tempor incididunt ut labore  
enim ad minim veniam, quis nostru  
nisi ut aliquip ex ea commodo veli  
reprehenderit in voluptate occa  
pariatur. Excepteur sint occa  
culpa qui officia deserun  
perspiciatis unde om  
accusantium dolorem  
ipsa quae ab illo i  
voluptaExcepte  
culpa qui or  
perspiciati  
accusa  
ipsa  
vita  
v



## In Search of Parallel Lines

**Ms. Sita Choudhary**

PGT [English]

Kendriya Vidyalaya Ajmer No. 2 (RAJ)

**N**ot in the walks of life  
But on papers  
Do we find  
Parallel lines.

This he realized, when he emerged out of his shell  
To invent his 'Self'  
In a milieu marked and criss-crossed  
By external and internal disorders.

He took up the road  
That cleft the heart of the city  
But came back again, hopeless  
'coz the road boomeranged.

Everywhere hurdles  
Twists and turns  
Dilemmas and disputes  
All mixed up like a monstrous crossword puzzle  
Life melting in a cauldron full of evil designs  
There were no Parallel roads

He also realized  
'Self-Knowledge' and 'Self Presence' is not enough  
An articulate and eloquent backdrop  
Of someone else's 'Identity'  
Is the pre-requisite  
To give up the suspended life  
And attain our 'Identified Self'  
In the flat city

From. Past some time  
His prosperous city has become a waste land  
With dump of inhumanity  
And people's life -  
A perpetual, agonizing, bitter struggle  
Not for one's own victory  
But to defeat others.

In this triangular Odyssey of the city  
Toes falter, lips quiver  
Hearts writhing in pain  
Bond of eyes and feet sick  
Men and women delirious in nightmare!

But he went out  
Even in the hostile environment  
In search of parallel lines  
In search of a true friend  
To see a world of hope  
Love, care and connection  
Without any clash  
In the square battlefield of the city.

Come out of the choking dungeon of selfishness  
None whose heart has a hole, mind has a gap  
Will a parasite, ambition a Taimurlang, Mission  
Kargil  
Shall ever see the sunshine  
And none in search of positive 'Wholeness'  
Shall perish

Minds of the multitudes must change  
Constitute the entry point  
Into the territory of 'Self'  
Through 'Identity'  
For emergence of the 'Identified Self'  
And share it with others  
By realization and rebuilding characters in the city  
By creating ParallelLines .





## Interesting facts about **earth**

- Tectonic plates keep the planet comfortable.
- Earth is almost sphere.
- Earth has mostly iron, oxygen and silicon.
- 70 percent of the earth is covered with water so earth is also called blue planet.
- The earth's atmosphere extends to a distance of 10,000 km.
- The earth's molten iron core creates a magnetic field.
- The earth has 1 moon and 2 co-orbital satellites.
- The earth is an only planet where life is possible.
- The driest place on earth is atacama desert in northern chile.
- The earth is 4.543 billion years old.

**Purnakshi Bansal**  
**X A**



## Thoughts of **kabira**

1. We all think of the lord when troubled,  
Never when at peace.  
But if we held our faith during peace,  
There would be no trouble.
2. I set out to find flawed men  
And couldn't find any.  
When I finally peered inside myself though,  
There was no man more flawed than me.
3. Big as it may be,  
The date's tree is useless.  
It doesn't shade a passer-by from the sun,  
And its fruit hangs far from reach.
4. Finish tomorrow's task today,  
And today's tasks right now.  
When would you finish them?  
If the world were to end in the next moment.

**Medha Tripathi**  
**10th A**



## My *mother*

*No one can take your place,  
you are everything to me.  
your hugs are warm,  
and make me happy.  
you nurse me whenever I am sick,  
you feed me when am hungry,  
you help me in my studies.  
and make me happy.  
whenever I go wrong,  
you show me the right path.*

**Rohit Samota**  
**IX B**



## Online **classes**

I slept in a world,  
And woke up in another.  
It was a deadly corona virus,  
That changed my world like others.  
I was introduced with a new term,  
Online Class, I heard.  
The first day was exciting,  
But then I was fed of this all.  
I gave many excuses,  
Like my network is bad,  
And I would switch off my video,  
And play games with my dad.  
It's so boring watching teacher,  
And understanding nothing out of all.  
So I just leave the meeting,  
And do what I want.  
It's common nowadays,  
Watching YouTube in the middle of class.  
But when the teacher asks me a question,  
Oh my god! Dreadful online Class...

**Priyanshi Tyagi**  
**X A**





“keep your head always towards sunshine  
and shadow will fall behind you”

Importance of **morning** walk

Morning walk is of great importance in our daily life. Due to it we tend to get up early in the morning put on our sports shoes and shorts and go to a nearby park. We are able to breathe in the fresh morning air which is refreshing, cool and invigorating. We can feel our pulse going up, blood rushing through our body after a brisk morning walk. The walk energises our body for the day. We start feeling hungry at breakfast time. It has been observed that people who go for a morning walk have been found to be good at their studies: their retention abilities are better than those who do not go for a morning walk. They also active throughout the day.

**Kavyanshi Sen**  
**X A**



**TRY AND TRY**

*Try, try and try again  
If at first you don't succeed.  
Try; try a lesson you should heed.  
If you will persevere  
You will conquer, never fear  
Try, try and try again  
If you find your task hard.  
Try, try and try again  
Time will bring you, your reward  
Try, try and try again  
And those other men can do.  
Why with patience, should not you?  
Why keep this rule I view  
Try try and try again*

**Nishika Kachhotiya**  
**IX- A**



**Student**

- S - Slow snail went to school for a stipulated time
- T - Turned upside down during exams
- U - Usually uncomfortable with an incomplete homework
- D - Disturbed by the lengthy course
- E- Early rising becomes a burden
- N- Not really interested in studies
- T - Tolerating the torture of going to school

**Pushpendra Singh**  
**IX A**



**Why *English* Is Hard To Learn**

*We`ll begin with box; the plural is boxes  
But the plural of ox is oxen, not oxes.  
One fowl is a goose, and two are called geese,  
Yet the plural of moose is never called meese.*

*You may find a lone mouse or a house full of mice;  
But the plural of house is houses, not hice.  
The plural of man is always men,  
But the plural of pan is never pen.*

*If speak of a foot, and you show me two feet,  
And I give you a book, would a pair be a beek?  
If one is tooth and a whole set are teeth,  
Why shouldn` t two booths be called beeth?*

*If the singular`s this and the plural is these,  
Should the plural of kiss be ever called keese?*

*We speak of a brother and also of brethren,  
But though we say mother, we never say methren.  
Then the masculine pronouns are he, his and him;  
But imagine the feminine . . . she, shis, and shim!*

**Mayank Chouhan**  
**X B**





# “Education is not preparation for life; education is life itself”

## Global Warming and Greenhouse Effect **Facts**

The increase in the global temperature of Earth produces a rise in the level of the sea, which may cause the disappearance of islands and coastal cities.

Artificial chemicals like chlorofluorocarbons called CFCs are also responsible for greenhouse effects and global warming.

Human activities are mostly responsible for increasing the greenhouse gases in the atmosphere over the last 150 years.

The year 2014 was recorded as the world's hottest year and it surpasses the 2010 records.

Heat waves, forest fires and other weather calamities result across the globe as a result of global warming.

Excessive warm temperatures have led to the extinction of over 1 million species as they lost their natural habitats, dissolving ecosystems and acidic oceans

As a result of human activities, nearly 37 atmosphere every year.

billion metric tons of carbon dioxide is released in the atmosphere every year.

Nearly 0.1 tbillion people reside in unsafe coastal areas with 3 feet of sea level.

It is believed that in the next seven years, the National Resources Defence Council (NRDC) has proposed the clean air act to cut off power plant emission by an alarming 26 percent.

**Keshav Meena**  
**IX- At**

### **CAN!**

*Holding emotions, hiding oceans  
Inside you is not easy but much better than  
showing*

*Because you know it is hard to explain*

*And tough to hold this rain*

*There's left nothing to complain*

*Just be strong as you*

*Can!*

**Shivani Rathore**  
**XII A**



## Mother's day **acrostic**

"M" is for the million things she gave me,  
"O" means only that she's growing old,  
"T" is for the tears she shed to save me,  
"H" is for her heart of purest gold;  
"E" is for her eyes, with love light shining,  
"R" means right, and right she'll always be.  
Put them all together they it's "MOTHER" a  
word that means the world to me.

**Nisha Meena**  
**X B**

## Why **Me?**

*If you have to ask Why me?  
When you're feeling really blue,  
When the world has turned against you  
and you don't know what to do,  
When it pours colossal raindrops,  
And the road's a winding mess,  
And you're feeling more confused  
Than you ever could express,  
When the saddened sun won't shine,  
When the stars will not align,  
When you'd rather be  
Inside your bed,  
The covers pulled  
Above your head,  
When life is something  
That you dread,  
And you have to ask Why me? . . .  
Then when the world seems right and true,  
When rain has left a gentle dew,  
When you feel happy being you,  
Please ask yourself, Why me? Then, too.*

**Palak Joya**  
**XII science**





# “Knowledge will give you power, but character, respect”

## Childhood

*When did my childhood go?  
Was it the day when I comprehend the  
Moral values,  
Was it the time when I know what is right  
And what is wrong.  
Was that the day!*

*When did my childhood go?  
Was it the time when I understand the  
importance of education,  
Education changes anything, it has infinite  
power,  
Was that the day!*

*When did my childhood go?  
Was it the day when I realised why my parents  
Scold me, they wanted to push me on right path,  
Was that the day!*

*When did my childhood go?  
Was it the time when I understand the  
Responsibilities of family and love of family,  
And wanted to make my family happy,  
Was that the day,  
Or When I care for the feelings of my parents and  
Understand their sacrifices what they do for me  
In every condition,  
Was that the day I grew up  
• The innocence of childhood stays as long as one  
Is an infant, when one grows up, it begins to  
disappear.*

**Ronak Pareek**  
**XI A**



## Riddles

1. I speak without a mouth and hear without ears.

I have no body, but I come alive with wind.  
What am I?

2. You measure my life in hours and I serve you by expiring.

I'm quick when I'm thin and slow when I'm fat.  
The wind is my enemy.

3. I have cities, but no houses.  
I have mountains, but no trees.  
I have water, but no fish.

What am I?

**ANSWERS**– (1) – Echo, (2) – Candle, (3) – Map,

**Sunil Dadarwal**  
**XI Science**



## Mother

*You are in my life,`  
Like an angel from heaven.  
Everybody left me alone,  
But you didn't leave me for a second even.  
You allowed me to sleep on your lap,  
Without thinking about others.  
This is the reason why,  
I started loving you more than ever.  
You scolded everybody,  
But didn't scold me.  
This is the reason why,  
My brothers and sisters were jealous of me.  
Whenever I think about my childhood,  
My eyes are filled with tears.*

**Name- Parul Joliya**  
**Class- IX B**



## Teachers

*Teachers  
Paint their minds  
And guide their thoughts  
Share their achievements  
And advice their faults  
Inspire a Love  
Of knowledge and truth as you light the path  
Which leads our youth?  
For our future brightens  
With each lesson you teach  
Each smile you lengthen  
Each goal you help reach  
For the dawn of each poet  
Each philosopher and king  
Begins with a teacher  
And the wisdom they bring.*

**Manish Choudhary**





“Intelligence plus character—that is the goal of true education”



Butterfly: A Hope

*The Moments Fades,  
Only the memories stay.  
Things ends leaving heart with scars,  
Making it hopeless even for the brightest stars.*

*The mind gets Smokey and heart onfuse,  
Bewildering the judgement makes it hard to choose.  
Whether to start new or stop,  
Giving problems that are hard to cope with.  
Just like fish with golden fins.  
Pollinating the hopeless flowers,  
Taking away all the scars.  
Giving peace to the wandering heart, inspiring us for a complete new start.*

*The stars get their twinkle back.  
Shining brighter than the last time,  
Filling the dark world with light and shine.  
Leading us for what to strive,  
Giving a whole new meaning to our life*

Utkarsh Sharma  
XI A



Childhood

*Childhood!  
One word several memories  
School teachersfriends...  
Every moment became a memory*

*The journey from class 1st to 12th  
Many victories many defeats  
Though everything to us...*

*Important phase of life  
Very joyful very beautiful  
Our school...*

*A major part of our childhood  
Teachers...  
the all-time favourites  
Taught everything they can  
Now when we enter adulthood  
Missing childhood  
then a thought comes now, can't go to School  
Can't get the scolding of teachers...  
Tears came...  
But those memories will never wash out  
A beautiful journey forever in our hearts  
Childhood!!!  
One word several memories*

Aditi Sharma  
XII cience



“the function of education is to teach one to think **intensively** and to think **critically**. intelligence plus character - that is the goal of true education”  
~**Martin Luther King**





# “What worries you, masters you”

If you think you're beaten, **you are**

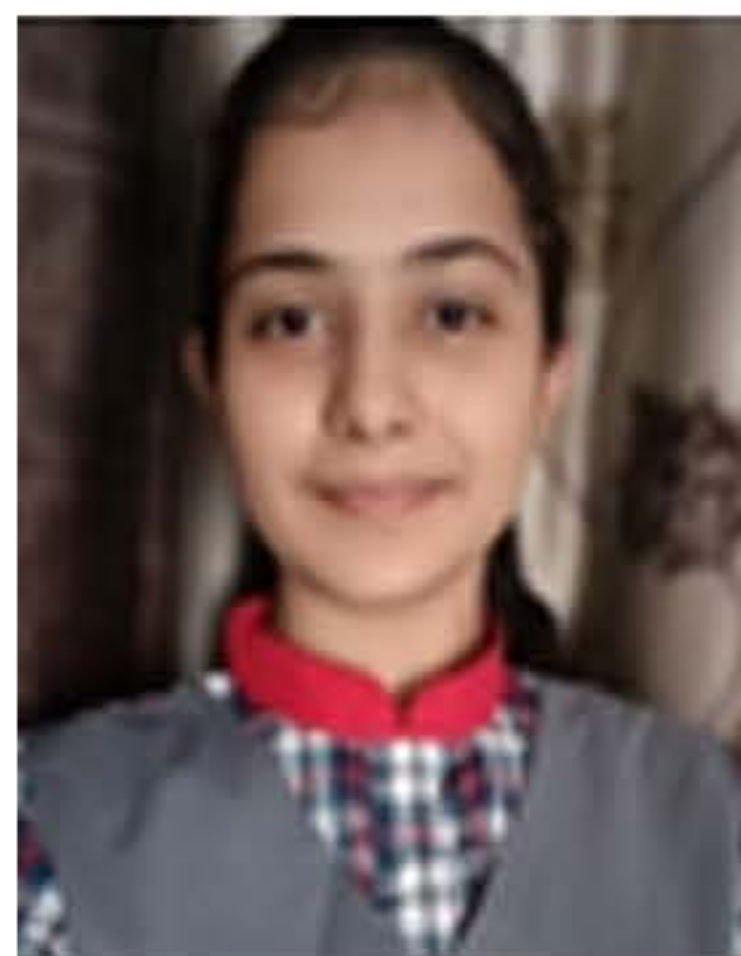
If you think you're beaten, you are ...  
If you think you dare not, you don't ...  
If you like to win ...but think you can't ...  
Its almost a cinch, YOU WON'T!!

If you think you'll loss, you're lost...  
For out in the world you'll find ...  
Success begins with a fellows will ...  
Its all state of mind .

If you think you are outclassed, you are ...  
You have got to think high to rise ...  
You've got to be sure of yourself before...  
You can ever win the prize ...

Life's battles don't always go...  
To the stronger or faster man...  
But sooner or later the man who wins ...  
IS THE ONE WHO THINKS HE CAN !!

**Teesha Aalwani**  
**XI Commerce**



**“we could never have loved  
the earth so well if we never  
had had no **childhood** in it”  
~George Eliot**

”



We're going **back to school**

*We're going back to school; we might feel sad  
goodbye,  
But friends are just like sunshine – they will help  
the tears to dry.  
We're going back to school; we might feel  
nervous at the door,  
But joy will soon take over when we see our class  
once more.  
We're going back to school; we might forgot a  
rule or two,  
But soon we will remember as we gently talk  
through,  
We're going back to school; we might do things a  
different way,  
But new will turn to normal as we practice day  
by day.  
We're going back to school; we might not say  
that we are scared,  
But don't forget: a problem gets much smaller  
once it's shared.  
We're going back to school; we might have  
grown – ups that are new,  
But we will get to know them and them 'lal get to  
know us, too.  
We're going back to school; we might be facing  
things unknown,  
But doing them together means we'll never be  
alone.  
We're going back to school; where we will laugh  
and learn and play,  
Then head back home for cuddles once we've  
had lovely day.*

**Dikshita Paliwal**  
**XI Commerce**





# "A child without education, is like a bird without wings."

## Trees like heaven

*I think that I shall never see  
A poem lovely as a tree  
A tree whose hungry mouth is pressed  
Against the earth's sweet flowering breast  
A tree that looks at god all day  
And lifts her leafy arms to pray  
A tree that may in summer  
Where a nest of robins is in her hair  
Upon whose bosom snow has lane  
Who intimately lives with rain?  
Trees write these letters  
When our world turns cold  
When hope seems lost  
When they long to hold  
Memories of autumn  
Glittering gold*

**Pooja Choudhary**  
**XI Science**



## I'll rise with the sunshine

*I'll rise with the sunshine,  
I'll rise with joy.  
I'll try to make a line.  
Between good and bad.  
I'll come up to your expectations.  
I will try. I will try.  
I will make my day.  
Just as a May, cherish and pale.  
I vowed myself, to enjoy rest.  
The situation within feels the best.  
I'll rise with the sunshine,  
I'll rise with joy.  
The night comes in vain,  
Remind me of the pain,  
The pain which feels,  
With ending of the day  
I'll rise with the sunshine,  
I'll rise with joy.*

**Amandeep**  
**XI Science**



## The school magazine

*Here comes the school magazine  
Filled with the fun and energy  
Covering out rush in studies  
Making out mind very busy  
Contains the glory of the school  
Making it look cool  
Looks like two roads diverged in woods  
As they are given a very high post  
Photos of some student feels like fools  
As they are wearing a weird costume  
Looking in its writing part led to the confusion  
As some poem in it doesn't have any conclusion  
The teachers work is highly appreciated  
As all of them looks busy and suffocated  
The magazine is the encyclopedia of the school  
The people who don't read are the fools!!!*

**Fatima Hussain**  
**XI Science**



## Why god made teachers

*Why god made teachers  
When God Created teachers, He gave us special  
friends To help us understand His world  
And truly comprehend  
The beauty and the wonder Of everything we  
see, And become a better person With each  
discovery.  
When God Created teachers, He gave Created  
guides To show us special guides So we can all  
decide  
How to live and how to do What's right instead  
of wrong, To lead us so that we can lead And  
learn how to be strong. Why God Created  
teachers,  
In His wisdom and His grace,  
Was to help us Learn to make  
our world  
A better, wiser place.*

**Suraj kumar**  
**XI A**





**“The highest form of service is to help a person who is incapable of thanking in return.”**

## What is *life*?

Something we live...  
But just to live  
Is not life...?  
Life has emotions  
Both happy and sad  
But just emotions  
Is not life...?  
Success and failures  
Is the way of life?  
It makes life complete  
But it's just a way  
Not life...  
Love and respect  
The main element of life  
Makes us to lead life  
But just this  
Is not life

Then,  
What is life?  
We don't know  
But we still live it  
This question  
Remains a question  
That's why life is?  
Makes us to lead life  
But just this  
Is not life

Then,  
What is life?  
We don't know  
But we still live it  
This question  
Remains a question  
That's why life is?

**Harshita Tilokani**  
**XI B**



## **My Mother**

*Mother is another form of God, because God cannot be there to help us everywhere, that is why he has made the mother to receive the love and affection of mother's mother, so even God is born on earth. No one has been able to be more compassionate and benevolent than his mother till today.*

*The mother is the one who becomes barren herself, but after taking proper care of her children, she guides them well and makes them like fertile land.*

*No other person can do as much dedication and sacrifice as a mother. The mother starts taking care of us before our birth, she has to face unbearable pain at the time of our birth, yet she is happy to see our one smile and be happy all the pain.*

*In childhood, she takes care of us, ignores our ignorance and forgives us. Mother gets up early in the morning, she gives us food on time, prepares to go to school on time, She does the housework all day, after that when we return home, she asks about our movements with a smile and after we all sleep she sleeps. Only mother can do such a big work.*

*Ever wondered why mother does all this for us because she loves us only and only, she is not like other world who loves you for selfishness. Mother is our first teacher; she gives us good education and makes us a good citizen of the society. She stands with us in both failure and success. When we are disappointed she walks with us as a ray of hope and guides us.*

**Name – Ritika Jatav**  
**Class – XI Science**





“Stop living in the fear and push yourself to do the things you thought that you never could”

Leaves are **Falling**

*Leaves are falling  
Leaves are falling  
One fell on my nose!  
Leaves are falling  
Leaves are falling  
One fell on my toes!  
Leaves are falling  
Leaves are falling  
One fall on my head,  
Leaves are falling  
Leaves are falling  
Yellow, orange and red!*

**Bhavisha Soni**  
**V A**



**We** are Indians

We are Indians, bold and free;  
We'll guard our lovely country;  
We are Indians bold and free;  
We'll guard our lovely country;  
We salute our flag with love and pride  
And Sing jana-gana-mana  
standing side by side.  
We salute our flag with love and pride  
And Sing jana-gana-mana  
standing side by side.

**Divyansh Singhal**  
**IV A**



**Cleanliness**

Cleanliness is a habit of maintaining our body, home and surroundings neat and clean. It is an essential quality required to live a healthy life that is a famous proverb which says “Cleanliness is next to Godliness.”

**Divyanshu Singhal**  
**IVA**



Common **Phobias**

- Ablutophobia - fear of bathing
- Achluophobia - fear of darkness
- Acrophobia - fear of height
- Apiphobia - fear of bees
- Arithmophobia- fear of numbers
- Bathophobia - fear of depth
- Bibliophobia - fear of books
- Dendrophobia - fear of trees
- Ergophobia - fear of work

**Chirag Singh Panwar**  
**VB**



**My Mother**

My Mother is a person  
Who cares for me  
My Mother is a person  
Who wipes tears for me.  
My Mother is a person  
Who gives me joy.  
My Mother is a person  
Who gifts toys for me.  
My Mother always keeps me strong  
But she scolds when I was wrong.

**Himal Kumar Bairva**  
**VB**





**“Two things you are total control of in your life  
and your attitude and your effort”**

## JOKES

Father: Tinku, what you want to be in your life?  
Tinku: A doctor  
Father: What skills do you have of a doctor?  
Tinku: Doctor's handwriting.

Patient: Doctor, I have pain in my eye whenever I drink tea.  
Doctor: You should take the spoon out of the mug before you drink.

Teacher: What happened in 1869?  
Student: Gandhiji was born in 1869.  
Teacher: Good.  
Teacher: What happened in 1873?  
Student: In 1873, Gandhiji was four years old.

Rahul: Why are there so many types of blood groups?  
Mohan: So that mosquitoes can enjoy different flavours.

Sam was drawing money from an ATM.  
Molly was just behind him in the line.  
Molly: I have seen your password. It is \*\*\*\*  
Sam: You are wrong. It is 5684.

**Hardik Choudhary**  
**VB**



## My **big** wish

*I have a big wish  
To have a goldfish  
And to keep her in a dish.  
With her I wish to play  
Every night and day.  
I wish to take her to school  
And swim with her in the pool.  
I have a big wish  
To have a goldfish.*

**Manan Dwivedi**  
**VB**



## A Beautiful Morning

*Morning is the time when,  
Birds will sing in garden glen!  
Morning is the time when,  
The clock of London, Big Ben,  
Will chime and chime,  
It will tell you time!  
Its glory is endless  
It's blessed with happiness!  
In it, you can go cycle,  
You can eat popsicle!  
Or you can just sit under a tree,  
And think and feel free!  
You are creative when you are native,  
Of Mother Earth!*

**Adarsh Sharma**  
**VB**



## The **Wolf** and the **lamb**

*One day, a lamb was eating sweet grass away from her flock of sheep. She didn't notice the wolf walking nearer to her. When she saw the wolf, she started pleading, "Please, don't eat me. My stomach is full of grass. You can wait a while to make my meat taste much better. The grass in my stomach will be digested quickly if you let me dance." The wolf agreed.  
While the lamb was dancing, she had a new idea. She said, "I can dance faster if you take my bell and ring it so hard." The wolf took the bell and started to ring so hard. The shepherd heard the sound and ran quickly to save the lamb's life.*

**Sonakshi Singh**  
**VB**





**“A really bad idea embraced by millions is still a bad idea”**

## **Dissatisfaction is important as well....**

If you want to live your life happily you have to be satisfied with what you are, what you have and what you are doing. In short you must have self satisfaction.

Satisfaction is just like a crown which makes you feel like the king of your own world. But, you never get this crown in heritage. You have to fight with all the troubles and the competitions of your life whether it is your School unit test, competitive exam, job interview or any other situations in which you have to compete with others and win the battle. And sometimes the competitor is you yourself.

To fight any battle we need a weapon. In the same way to fight the battle of satisfaction our greatest weapon is feeling of dissatisfaction.

Everyone has a desire in his or her childhood of what they want to become when they grow up. So many achieve what they desire as well, but many are there who fail in achieving their goals even after putting in so much hard work. Finally they leave that path and take any other path. This is just like when you can't purchase real diamond jewellery you purchase an artificial one which gives the same appearance and may give the same lustre also but still, the truth will never change that "the real never loses its worth".

In the same way when you fail to achieve your goal, instead of fighting for that real crown of satisfaction you purchase an artificial one. It may look more beautiful, expensive and you can wear that in the outer world also.

But, your inner world will always know that, that artificial crown can never replace the crown you had desired your whole childhood.

That artificial crown is nothing more than a temporary and unwanted satisfaction which will lead you to a dormant state seizing your growth and development.

To avoid that dormant state you must have feelings of dissatisfaction with your efforts. The feeling will compel you to work even harder and will definitely make you able to win the battle and be the king of yourself with the real crown.

Satisfaction is really important but until you don't get what you had desired you must have dissatisfaction.

**Miti Bhardwaj**  
**XII A**



## **Our India**

India is beautiful country and famous all over the world for its unique cultures and traditions. It is famous for its historical heritages and monuments. Citizens here are very polite and understanding in nature. It was a slave till 1947

under the British rule . However, after many years of hard struggle and sacrifices of the great Indian freedom fighters, India got freedom from British rule in 1947.

**Devanshi Meena**  
**6th A**





“if you failed to prepare,  
you’re preprepared to fail”

## Miracles really happen in our lives

All of us know that we are alive to complete the task given by god to us. A well-known fact is that all the tasks are different for each of us. We are supposed to fulfil our duties according to us in a right way. So why are we blaming that “ALMIGHTY POWER” for our own deeds. Everything happens in our life to make us realize what we did either it is good or bad, it comes to you the way you never have ever thought. Being kind doesn’t mean always being right, it is defined by our deeds that how we treated it in our own way. Each and every individual blame god for their sorrow but they don’t even try to realize what they did, this proves that human is selfish and knows the only thing which is blaming others to stay away from their sorrows. They don’t always try to be happy and they just always think about the things which can happen only when they do the things in a right way but they don’t even try once to change themselves. According to me the only way to feel the miracles is to know the fact that what you do will come to you again in a way you never have ever thought. Each and every deed of us should make us feel happy is a myth because when you don’t have any sorrow then how you would be able to feel the real happiness. Every time when you think about why this is happening instead of thinking about how to treat that in a smartest way, then things will always feel like a burden in your mind. Miracle is word having a great meaning in itself, but a very few people know that how to feel it. It’s just a mindset of yours which makes you realize that everything can’t make you feel happy but they will teach you the right way to do the things. Decide a goal put your complete efforts in it and let the miracle happen to you just because of you and your deeds. Let yourself free from the burden of regret; feel free to do the things in a kind way. That’s the only way to feel miracles in your life. Don’t think about the logic feel the things and stay happy.

Komal Sawlani  
12th B

## Months of Indian National Calendar



| Month (Saka)  | Number of days | Start Date (Gregorian) |
|---------------|----------------|------------------------|
| 1. Chaitra    | 30/31          | March 22/21            |
| 2. Vaishakh   | 31             | April 20               |
| 3. Jyaishtha  | 31             | May 22                 |
| 4. Ashadha    | 31             | June 22                |
| 5. Shravana   | 31             | July 23                |
| 6. Bhadrapad  | 31             | August 23              |
| 7. Ashwin     | 30             | September 23           |
| 8. Kartik     | 30             | October 23             |
| 9. Agrahayana | 30             | November 22            |
| 10. Paus      | 30             | December 22            |
| 11. Magh      | 30             | January 21             |
| 12. Phalgun   | 30             | February 20            |



Bhavesh Bariya  
VB



**“good is not god when  
better is expected”**

## Inner Beauty

As Kate Angell said “Outer beauty attracts, but inner beauty captivates” .BEAUTY- a small simple word but with momentous meaning. Beauty doesn't mean having stunning face and body but true beauty lies in your soul, your character, and your confidence. Every individual on this planet desires to look beautiful and match the status of the society. These standards are also responsible for creating sort of frustration among people who fail to meet these standards and that's why inner beauty is important. Physical inner beauty involves improvements of the bodily systems that aren't visible from outside and mental inner beauty involves the goodness and purity of the thoughts. We often skip the idea of true beauty that lies within us and just needs some efforts to outshine. In this glam world, where beauty is defined by your appearance but we must keep in mind that an affirmative soul is much better than a pretty face, a charming smile is always better than facial feature. First thing that plays crucial role in defining inner beauty is self –love. If you love, appreciate and feel good about yourself, you would feel more confident about facing and interacting with other beautiful people in the world. The moon never mind for stains, for clouds it doesn't matter that they are uneven, they all are unique, in the same way we all are God's expertise and we have special existence. “Beauty lies in the eyes of the beholder” by this Greece philosopher Plato which means beauty doesn't exist on its own but is created by observers. We all are a projection of our thoughts. Always be optimistic. Spread positivity; reveal your inner beauty to the world.

**Tanvi Soni**  
**XII A**

---



## Asian Heartbeat Japan

Who does not know about Japan, a small island country on left to China in Asia with a red circle as its flag; and in eyes of many people “Bullet train,” “Sushi” and to younger ones, us students, “Doremon” and “Hiroshima Nagasaki”. But if you see, you'll find that Japan is entrenched in our lives. Suzuki, Toyota, Sony, Panasonic, Nikon, Nintendo, Sega, Namaco, anime, manga, karaoke, LEDs, emojis, bitcoin, bullet trains and much more. ‘Made in Japan’ is the seen as the synonym for advanced technology. As being the third largest economy in the world and with growing India-Japan relations, we need to keep a better picture of Japan in our minds, as we are the next generation. Let's try to explore Japan in this article together!

Japan is known in the cooperate world for very hard working and over punctual people. Japan's work culture is what has raised it speedily to the third largest economy and a developed country after WW2. Indian people can learn from the Japanese- almost all of them work overtime every day without any pay, and 30% employers don't even take the leaves given in a year. They don't work for themselves; they work for their company and nation. Children there, work, but not like child laborers in our country. Highschool and college students can work, “Baito”, legally 30 hrs in a week to support their studies and other things in decent jobs like cafes, book shops, cyber hubs,



# “Be not afraid of going slowly, be afraid of standing still”

Marts etc., with a minimum pay. There are no “low” or “high” stereotypical standards of work. While many of you may be aware of these things, do you know what benefits you get there from the company once you get a job? Japan’s work laws require companies to account for any loss of employee in the company. The company will pay medical and compensation too if you got injured on the work route you take from home to office. There is a minimum salary, and many more. Unlike India, there’s not wide range of economic divisions in Japan. Almost everyone can afford all general necessities whether you are a construction worker or an employee in an IT company; thanks to its work culture and respect for all kinds of work. Maybe that’s why Japan is also on 3rd rank in human resource, which makes up for its lack of natural resources. Japanese people also admire Indians, saying they like the family bonding we Indians keep. Japanese like to live in nuclear families, and they like how Indians live in big joint families. Even after they grow up, they never leave parents or family behind because of work!

Many people know about Hiroshima Nagasaki but few know why it happened and what happened after that. It was a payback for the pearl harbor attack, in which over 2000 people were killed and 19 US ships destroyed. Hiroshima- Nagasaki were actually two different bombings on different cities by the uranium bomb “Little Boy”, and the platinum one “fat man”. After which Japan completely surrendered to USA. It followed a seven-year annexation of Japan by US. Japan was barred for keeping its own military. Up to this day Japan has no army of its own – there are US military bases and US army gives protection to Japan.

Japanese language “Nihongo” is famous for being difficult. If you search internet, you will get that idea. But not to us Asians! It is flagged difficult by western people. It is for English speakers, but its structure is actually similar to Hindi! There are a lot less pronouns and only two tenses for verbs, past and present. Actually, it is the writing system that will fascinate you- Japanese use the kanji system- in which there's no writing script like alphabet or Devanagari, but words are denoted with symbols. Learn over 2000 such kanji and boom, you can read and write Japanese. Japanese is indispensable, for example, if you want to study in Japan, you need N4 proficiency, and for working there you need more than N2. I can think of no other country who thinks of its language as highly as Japan. After all, Japan was not ruled by British or any other country in its history ever. Unlike India, there it does not matter how well Engling you speak, natives will not understand you anyways. If you don’t plan going to Japan and if you even learn basic Japanese, the career options for you are enormous! As mentioned above, there are companies all over the world which originated in Japan, they always look for employees who can speak and interact in Japanese, and there is no competition at all. If you learn Nihongo with right method and motivation, you are all set. Tokyo and Osaka are must-know cities. Also known as “Neon city”, Tokyo makes its place in top 10 most advanced cities and is largest metropolitan in the world. The famous “Mount fuji” and “Tokyo tower” are there. The upcoming 2021 Olympics will be held in Tokyo too. Osaka is famous for its beautiful Osaka castle, the cherry blossom which only blooms in Japan, which you must have seen picture of. With kimono as its traditional dress, Sushi and Takoyaki as its symbol foods, Sumo wrestling as its sport, its ideal way of life, anime as its symbol art, beautiful blend of technology and culture, i think Japan is the ideal country to be called “heartbeat” of Asia.

**Vedang**  
**XII A**

---





# “Prepare your child for the road, not the road for your child”

## Role of media

'Media'. This term refers to components of mass media communication industry such as print media, news media, photography, broadcasting etc.

We always consider media as fourth pillar of democracy or watch dog of our democracy.

Hence, we can easily predict that there is a great significance of media in our society.

For masses it helps them to get information about nearly everything and also form opinions and make judgement regarding various issues.

It is always there to ask authorities and raise public issues before them.

It also provides us the ground reports and shows us the reality.

It has great and large approach to the audience with this large approach to audience and great power media always have responsibility.

Responsibility to be unbiased, to do fair criticism and to empower the audience with knowledge.

So, when we realise the true power of media we have to demand only pure information based news which is healthy for our democracy.

**Gaurang Kalra**  
**XI Science**



## Positivity is the only way to be great!! Be it!!

Positivity is the is a mental and emotional attitude that focuses on the bright side of life and expects positive result. A positive person anticipates happiness, health, success and believe he/she can overcome any obstacle and difficult.

Positive thinking increase life span, it decreases rates of depression, lowers level of distress. Positive thinking leads a man to success. One who thinks that he can achieve the things will put his best to achieve will not find any problem in the path of success and one day he will win positively. Self confidence, determination, perseverance and hard work are key to success.

The Key to Success – Positive Thinking and Positive Action....

Did you know that one of the most important keys to success is positive thinking? With this key – this state of mind, it is easier to achieve success, improve relationships, have better health, and enjoy happiness, satisfaction and inner peace.....a teens positive attitude can improve his mental health..

Approximately one in five Americans suffer from a mental health issue like anxiety or depression at any given time. While a positive outlook can't prevent all mental health conditions, it can reduce your risk of developing depression and anxiety. Everyone goes through hard times; those who tend to be optimistic often get through them more easily.

Simple Ways You Can Build A Positive Attitude.....

- Listen to good music.
- Be aware of negativity, Exercise
- Take time to do the things you enjoy.
- Ignore things that don't make you happy. etc.

**Nikita Bhati**  
**XI Commerce**





## The Feynman's Technique

There are four steps to the Feynman learning technique, based on the method Richard Feynman originally used. I have adapted it and slightly after reflecting on our own experiences using this process to learn. The steps are as follow:

- 1.Pretend to teach a concept you want to learn about to students in the sixth grade.
- 2.Identify gaps in your explanation. Go back to the source material to better understand it.
- 3.Organize and simplify.
- 4.Transmit (optional).

### HOW TO USE THE FEYNMAN TECHNIQUE

Since the root of this technique involves explaining the concept, you should execute it in a number of ways – including grabbing a friend and explaining to them what you're learning. However , you don't always have willing friends at hand , neither you need to go to your friends place in the pandemic era stay home and stay safe simply call if needed or else explain it to yourself using a mirror .

Step1. Grab a sheet of paper and write the name of the concept at the top. You can use pretty much any concept or idea – even though the technique is named after Feynman, it's not limited solely to maths and science.

Step2. Explain the concept in your own words as if you were teaching it to someone else. Focus on using plain, simple language. Don't limit your explanation to a simple definition or a broad overview ; challenge yourself to work through an example or two as well to ensure you can put the action.

Step3. Review your explanation and identify the areas where you didn't know something or where you've pinpointed them; go back to the source material, your notes, or any examples you can find in order to shore up your understanding.

Step4. If there are any areas in your explanation where you've used lots of technical terms or complex language, challenge yourself to re-write these section in simpler terms. Make sure your explanation could be understood by someone without the knowledge base you believe you already have.

**That's it!!!!!!**

NOW WHEN WE ALL ARE STUCK IN THIS PANDEMIC ERA OUR STUDIES SHOULD NOT BE AFFECTED. I HOPE YOU IMPLEMENT THIS TECHNIQUE..... ☐

**Nischal Singh**  
**XI science**



---

## Causes of Stress on the Modern Generation

### • CAUSES

The main cause of stress on the modern generation is the cut-throat competition and consumerist culture prevalent in our society. This always puts them under pressure of efficiency and high productivity. The modern environment is highly competitive to achieve the goals; they have to





# “A work of art is the unique result of a unique temperament”

productivity. The modern environment is highly competitive to achieve the goals; they have to devote all their time and capacity without rest. So, they have no time to care even for their own selves. They have no time for relaxing or to pursue something of their own interest. The effect of stress on the youth is also visible in their physical being where they have increased pulses, diabetes and a lot of tension in their muscles.

## • SOLUTION

With Increased professionalism and specialization there seems no practical and suitable solution for this stress due to competition. But, now it is high time for each one of us, to sit back in quiet and understand that where are we actually heading in this high-speed?? Our health and well being will have to be our primary concern for, as they say,

*" A HEALTHY MIND LIES IN A HEALTHY BODY"*

Let us stop living like robots. We are humans and have to behave likewise not like machines which are created by ourselves.

**Aditya Sharma**  
**XI A**

---



## SAVE NATURE

Save nature

Learn to be brave

Trees are our gems

Don't cut their stems

Treat animals with care

Or your earth will be bare

You have brains

Give them grains

You have money

Give them honey

You have a home

Let them freely roam

Save nature save

Learn to be brave.

**Akshika parashar**  
**VI A**





**“If you study to remember, you will forget but if you study to understand, you will remember.”**

## 5 A Day Vegetables

*Five a day, Five a day  
keep you fit in every way  
Fruit and veg are good to eat  
Healthy food can be a treat  
Cooked or raw, orange and sweet  
carrots can be really neat.  
Packed with goodness,  
Vitamin A helps your  
eyesight so they say.  
Have you tried runner bean,  
I'm tasty long and green  
Eat me with your meal and say  
“I've had one of my five a day”.*

**Vedang Sen**  
**VB**



## Got My Toothpaste

Got my toothpaste, got my brush.  
I won't hurry, I won't rush.  
Making sure my teeth are clean.  
Front and back and in between.  
When I brush for  
quite a while.  
I will have a happy smile!

**Ronak Class**  
**VB**



## Homeschooling during the COVID-19 pandemic

*There was a resurgence of homeschooling during the 2020 COVID-19 pandemic. Variations of homeschooling include micro schools and educational family co-ops. The first usually involves hired professionals to teach a small group of kids (similar to one-room schoolhouses). The second is a parent-organized co-operative where families take turns educating and minding their kids during the week. Both are largely available only to the well-off, as costs in time and money are high. 'Pandemic pod' is the fashionable term used to describe one of these arrangements where all group members agree to participate under well-defined and strictly enforced health rules.*

*The impact of the COVID-19 pandemic on education forced school closures around the world. Parents are left to manage their children and it is causing economic, educational, political and psychological distress. A University of California, San Francisco study states that schools can't open safely until COVID-19 transmission in a general population is under control.*

*As schools have been closed to cope with the global pandemic, students, parents and educators around the globe have felt the unexpected ripple*

*effect of the COVID-19 pandemic. While governments, frontline workers and health officials are doing their best slowing down the outbreak, education systems are trying to continue imparting quality education for all during these difficult times. Many students at home/living space have undergone psychological and emotional distress and have been unable to engage productively. The best practices for online homeschooling are yet to be explored, and it is unclear if homeschooling, or any other mitigation effort, can prevent students from falling behind.*

*To mitigate the disruption of school closures, multiple educational structures have been proposed. These terms are used interchangeably and this makes it confusing for parents who are trying to figure out how to organize their lives this fall as most schools will only offer virtual instruction. But basically there are three distinct ideas: pandemic pods, micro schools, and family co-ops.*

**Anubhav Samota**  
**IV A**





## विद्यालय की बगिया

कुछ ही दिनों में यह सूरत बदल जाएगी,  
विद्यालय की बगिया वापस महक जाएगी।  
हमें कोरोना महामारी से नहीं डरना है,  
तब तक ऑनलाइन शिक्षण के रंग भरना है।  
नन्हें - नन्हें बच्चों की हंसी फिर से खिलखिलाएगी,  
विद्यालय की बगिया वापस महक जाएगी।

माना कि कठोर वक्त आया है,  
जीवन में महासंकट लाया है।  
कोरोना काल के आतंक से निकल कर,  
दुनिया एक बार फिर मुस्कुराएगी।  
विद्यालय की बगिया वापस महक जाएगी।

हर स्थिति में ज्ञान का प्रकाश देना है,  
इस महामारी से हमें सबक लेना है।  
विद्यालय के सूने गलियारों में  
बच्चों की आवाजें गूंज जाएगी।  
विद्यालय की बगिया वापस महक जाएगी।

कुछ ही दिनों में यह सूरत बदल जाएगी,  
विद्यालय की बगिया वापस महक जाएगी।

गोविन्द सिंह मेहता  
प्राचार्य  
के.वि. क्रमांक 2, अजमेर







## इम्तिहानों का दौर

चारों तरफ बेचैनी और मुसीबतों का शोर है,  
यह इंसान के सख्त इम्तिहानों का दौर है।

चांद से मंगल विजय का तूने जश्न मनाया है,  
तेरी शख्सियत से तो एवरेस्ट भी घबराया है।  
बिखर कर निखरने की तेरी आदत पुरानी है,  
तेरा जीवन तो कामयाबी की कहानी है।  
कौन कहता है कि तू इतना कमज़ोर है ?  
यह इंसान के सख्त इम्तिहानों का दौर है।

तुझे समस्या नहीं समाधान बनना है,  
विफलताओं में भी सफलता के रंग भरना है।  
हार के मुंह से भी जीत छीन कर लाना है,  
सच्चा मानव बन कर सबके हित में जुट जाना है।  
कौन कहता है कि आसमां में कुहासा घनघोर है ?  
यह इंसान के सख्त इम्तिहानों का दौर है।

जिदगी की उलझनों में तुझे उलझ नहीं जाना है,  
खुद ही नहीं संभलना बल्कि सबको संभालना है।  
स्नेह, सद्भाव और साहस से मंजिल को पाना है,  
लहरों से ना डर कर कुशल नाविक बन जाना है।  
कौन कहता है कि मनुज अब कटी पतंग की डोर है ?  
यह इंसान के सख्त इम्तिहानों का दौर है।

दिलीप कुमार शर्मा  
स्नातकोतर शिक्षक  
के.वि. क्रमांक 2 ,अजमेर



# “ एक महान कलाकार हमेशा अपने समय से आगे या पीछे होता है ”

## प्यारा भारत देश है मेरा

जहाँ शांति और अमन,  
एक साथ करते हैं बसेरा।  
प्यारा भारत देश है मेरा .....

जहाँ सूरज की किरणें,

सबसे पहले डालें डेरा।  
प्यारा भारत देश है मेरा .....

चारों तरफ़ खुशहाली हो,  
प्रतिपल प्रगति का नया सवेरा।  
प्यारा भारत देश है मेरा .....

दिशिज्ञ शर्मा  
II अ



## पेड़ लगाना है कितना जरूरी

पेड़ हमें साफ़ और प्रदूषण रहित पर्यावरण देने की कोशिश करते हैं इसीलिए सड़को के पास कई पेड़ लगाए जाते हैं ताकि प्रदूषण को नियंत्रित कर सकें। पेड़ भूमि कटाव यानी soil pollution जैसी प्राकृतिक आपदाओं से बचाते हैं।

पेड़ों की जड़े उपजाऊ मिट्टी यानी humus soil को पकड़े रखती हैं। जिससे भूमि कटाव नहीं हो पाता। पेड़ों की वजह से वर्षा होती है। पेड़ों को काटने की वजह से मानसून महीने में वर्षा की मात्रा में कमी आ रही है। पेड़ पौधे प्रकृति द्वारा दी गयी अमूल्य भेंट हैं। बढ़ते औद्योगीकरण के कारण पेड़ों पौधे की संख्या में कमी आ रही है। वो दिन दूर नहीं की पृथ्वी का अंत हो जायेगा। पेड़ नहीं तो पृथ्वी नहीं और पृथ्वी नहीं तो हम नहीं। पेड़ हमारे जीवन के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। इसलिए हमें अधिक से अधिक पेड़ पौधे लगाने चाहिए।

भारत ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, चीन, कनाडा, कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य, रूसी संघ, संयुक्त राज्य अमेरिका, इंडोनेशिया और सूडान के साथ दुनिया के शीर्ष दस वन-समृद्ध देशों में से एक है। भारत के साथ ये देश दुनिया के कुल वन क्षेत्र का लगभग 67% हिस्सा हैं। अरुणाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश, ओडिशा, छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र उन राज्यों में से हैं जिनके पास भारत में सबसे बड़ी वन क्षेत्र भूमि हैं।

भारत में वानिकी एक प्रमुख ग्रामीण उद्योग है। यह बड़ी संख्या

भारत में वानिकी एक प्रमुख ग्रामीण उद्योग है। यह बड़ी संख्या में लोगों के लिए आजीविका का एक साधन है। भारत संसाधित वन उत्पादों की एक विशाल श्रृंखला का उत्पादन करने के लिए जाना जाता है। इनमें केवल लकड़ी से बने उत्पाद शामिल नहीं होते बल्कि गैर-लकड़ी के उत्पादों की पर्याप्त मात्रा भी शामिल होती हैं। गैर-लकड़ी के उत्पादों में आवश्यक तेल, औषधीय जड़ी-बूटियों, रेजिन, फ्लेवर, सुगंध और सुगंध रसायन, गम्स, लेटेक्स, हस्तशिल्प, अगरबत्तियां और विभिन्न सामग्री शामिल हैं।

मेघा परमार  
XII विज्ञान



## देश के सैनिकों से

कटी न थी गुलाम लौह श्रृंखला,  
स्वतंत्र हो कदम न चार था चला,  
कि एक आ खड़ी हुई नई बला,  
परंतु वीर हार मानते कभी?  
निहत्थ एक जंग तुम अभी लड़े,  
कृपाण अब निकाल कर हुए खड़े,  
फतह तिरंग आज क्यों न फिर गड़े,  
जगत प्रसिद्ध, शूर सिद्ध तुम सभी।  
जवान हिंद के अडिग रहो डटे,  
न जब तलक निशान शत्रु का हटे,  
हज़ार शीश एक ठौर पर कटे,  
ज़मीन रक्त-रुंड-मुंड से पटे,  
तजो न सूचिकाग्र भूमि-भाग भी।

पलक जोया  
XII विज्ञान



## विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी जानकारी

विश्व की तीसरी सबसे बड़ी वैज्ञानिक और तकनीकी जनशक्ति भारत में है।

1. मौसम पूर्वानुमान एवं निगरानी के लिए प्रत्युषणामक शक्तिशाली सुपरकंप्यूटर बनाकर भारत इस क्षेत्र में जापान, ब्रिटेन और अमेरिका के बाद चौथा प्रमुख देश बन गया है।





## “ काम से कलाकार जाना जाता है. ”

- नैनो तकनीक पर शोध के मामले में भारत दुनियाभर में तीसरे स्थान पर है।
- इंडियन साइंस एंड रिसर्च एंड डेवलपमेंट इंडस्ट्री रिपोर्ट 2019 के अनुसार भारत बुनयादी अनुसंधान के क्षेत्र में शीर्ष रैंकिंग वाले देशों में शामिल है।
- भारत विज्ञान और प्रौद्योगिकी अनुसंधान के क्षेत्र में अग्रणी देशों में सातवें स्थान पर है।
- शिरिशा बांदला बनी अंतरिक्ष में जाने वाली भारतीय मूल की दूसरी महिला।
- डीआरडीओ ने पिनाक रॉकेट के अपग्रेड रेंज का सफल परीक्षण किया।

नाम- रेणु कुड़िया

कक्षा- बारहवीं-अ(विज्ञान)



### पहेलियाँ

- ऐसा कौनसा खजाना है  
जिसे जितना ज्यादा लुटाया जाय,  
वह उतना ही ज्यादा बढ़ता जाता है?
- छोटे से हैं मटकूदास,  
कपड़े पहने एक सौ पचास।
- मेरा भाई बड़ा शैतान,  
बैठे नाक पर, पकड़े कान?
- काला घोड़ा सफ़ेद सवारी  
एक उतरा दुसरे की बारी?
- छोटा सा फकीर,  
जिसके पेट में लकीर
- मुझमें भार सदा ही रहता,  
जगह घेरना मुझको आता,  
हर वस्तु से गहरा रिश्ता,  
हर जगह में पाया जाता.

उत्तर- (1)-ज्ञान,(2)-प्याज,(3)-चश्मा,(4)-तवा और रोटी,  
(5)-गेहूं,(6)-गैस

सुनिल दादरवाल

कक्षा- XII 'अ'



### दोस्ती

दोस्ती का रिश्ता होता है खास,  
जो होता है हर किसी के पास.  
जो देती है हर कदम पर साथ,  
वही दोस्ती होती है खास.  
मिलते हैं जीवन में कभी खुशी कभी गम.  
पर दोस्ती कभी नहीं होती कम.  
भूलकर भी नहीं भूल सकते हम ये नाता.  
सदा यादों में रहता है ये नाता.  
रिश्ते नाते सब हो जाते हैं बेकार,  
पर दोस्ती रहती है सदा बरकरार.  
यही बात दोस्ती में होती है खास,  
जो बनाती है दोस्ती के रिश्ते को खास.

यशोदा

XII विज्ञान



### विद्यालय का सफर

गिरकर उठना उठकर चलना  
चलते-चलते आसमान नापना  
ऐसा कुछ है यह विद्यालय का सफर  
हार कर जीतना जीत कर हार ना  
विद्यालय का सफर रहा बड़ा सुहाना  
विद्यालय में बिताया गया हर पल बना एक अवसर  
साथ ना छूटा कभी शिक्षकों का  
पहली से बारहवीं तक का वह सफर रहा बड़ा अमूल्य  
यह विद्यालय  
बना बचपन का सबसे बड़ा हिस्सा  
अब विचार आता है कि जल्द ही विद्यालय छूट जाएगा  
वह रोज विद्यालय जाना  
कुछ नया सीखना  
शिक्षकों का मार्ग दर्शन पाना





# “ मैं रोचक नहीं होना चाहता . मैं अच्छा होना चाहता हूँ . ”

अब विचार आता है कि जल्द ही विद्यालय छूट जाएगा  
वह रोचक विद्यालय जाना  
कुछ नया सीखना  
शिक्षकों का मार्ग दर्शन पाना  
दोस्तों के साथ समय बिताना  
सब कुछ याद आएगा  
पर याद रह जाएगी वह हर बात जो शिक्षकों ने सिखाई  
अब रोचक विद्यालय तो नहीं जा पाएंगे  
पर इस सफर को कभी नहीं भुला पाएंगे  
विद्यालय का यह सफर रहा बड़ा सुहाना  
विद्यालय का यह सफर रहा बड़ा सुहाना

आदिति शर्मा  
XII विज्ञान



## मेहनत रंग लायी

नहीं बनाया किसी ने टाटा ,बिरला अंबानी,  
खुद ही बने हैं सब अपने सपनों के सौदागर  
राह नहीं थी , बनी बनाई ना ही है कोई बड़ाक़रानी  
सब ने करी है कड़ी मेहनत फिर है मेहनत रंगलाई  
एक पल में नहीं बनता सब कुछ पल - पल मेहनत कर के  
सब ने मंजिल है पाई

कल क्या होगा ना ध्यान दिया, बस काम किया  
राह में मुश्किल उनके भी आई ,मुश्किल था मंजिल को  
पाना, बना दिया रास्ता  
चल दिए बिना किसी की परवाह  
सुना है उन्होंने भी ताना-बाना, लेकिन फितूर चढ़ा था  
कुछपाने का

तोड़ दिया सबका भ्रम कर दिया सपनों को साकार,  
ताना देने वालों ने ही हंसकर किया सत्कार।।

खुशी इंदौरा  
XII वाणिज्य



## खुशी का इंतज़ार

पंद्रह अगस्त मनाते हैं हम, आजादी का जश्न  
पर क्या आजादी मिली हमें, यही आज का प्रश्न।

किन मायनो में आप हमें, आजाद कहते हैं  
पहले से भी डरे डरे हम, आज रहते हैं।

गांधी, पटेल, तिलक,बॉस, वीर भगत आज़ाद,  
सोच रहे हैं उनके भारत को, हो गया क्या आज।

ईमान बिक रहा सड़कों पर, धर्म पड़ा है कोने में,  
सुबह खुशी के इंतज़ार में, रात बीती होने में।

अपराधी तो खुले घूमते, न्याय बंद है थानों में,  
धर्म और जाति की खातिर, जंग छिड़ी इंसानों में।

आतंक और दहशत में ही, आम आदमी जीता है,  
बेबस और लाचार यहां पे, खून के आंसू पीता है।

गूँज धमाकों की अब भी, सरहद से लेकर संसद तक,  
दखल महाशक्तियों का चल रहा आज भी हर हद तक।

अर्थव्यवस्था हुई खोखली, कर्ज मांगते रहते हम,  
ज़ोर विदेशी चीजों का, स्वदेशी तोड़ रही है दम।  
आजादी सच्चे अर्थों में, अभी नहीं मिल पाई है,  
इस आजादी की खातिर, लड़नी और लड़ाई है।

पूजा चौधरी  
XII विज्ञान



## डॉ.ए पी जे अब्दुल कलाम की कलम से

○ एक अच्छी पुस्तक हजार दोस्तों के बराबर होती है जबकि एक अच्छा दोस्तों एक लाइब्ररी के बराबर होता है ।

○ किसी को हराना आसान है लेकिन किसी को जीतना बहुत मुश्किल है ।

○ अगर तुम सूरज की तरह चमकना चाहते हो तो तुम्हे सूरज की तरह जलना होगा ।

○ उम्मीद के भरोसे बैठने वालों को उतना ही मिलता है जितना कोशिश करने वाले छोड़ दिया करते हैं ।





# महान कला की शुरुआत वहां होती है जहाँ प्रकृति का अंत होता है

o फ़ेल का मतलब असफलता नहीं होता बल्कि इसका मतलब होता है फर्स्ट अटेंप्ट ईन लर्निंग ।

धन्यवाद

शैख़ लिमरा चाँद

XII विज्ञान



## एक भारत-अनेक नाम

भारत- 'भारतवर्ष' नाम ऋषभ देव के पुत्र भरत के नाम पर पड़ा है। भगवान ऋषभ देव के पुत्र भरत चक्रवर्ती के नाम पर इस देश का नाम भारतवर्ष पड़ा।

हिंदुस्तान-सिंधु घाटी सभ्यता बहुत प्रसिद्ध हुई है। मध्य युग में जब तुर्किस्तान से कुछ विदेशी लुटेरे और ईरानी लोग देश में आये तो सर्वप्रथम उन्होंने सिंधुघाटी में प्रवेश किया। यहां के निवासियों को उन्होंने हिन्दू नाम दिया, जो सिंधु का ही एक अपभ्रंश है। हिन्दुओं के देश को उन्होंने हिन्दुस्तान के नाम से जाना और प्रचलित किया।

इंडिया-जब अंग्रेजों को पता चला कि भारत की पुरानी सभ्यता सिंधु घाटी को इंडसवैली भी कहते हैं जिसका लेटिन भाषा में अर्थ इंडिया रखा गया है तो उन्होंने भारत को इंडिया कहना शुरू कर दिया। चूंकि इंडिया शब्द उच्चारण में करने में अंग्रेजों को काफी अच्छा लगा तो उन्होंने भारत को इंडिया के रूप में नया नाम दे दिया था।

रितिका जाटव

XII विज्ञान



## पी.वी सिंधु

पीवी सिंधु का जनम 5 जुलाई 1995, हैदराबाद आंध्र प्रदेश में हुआ। इनके माता पिता दोनों ही खिलाड़ी थे। इसलिए शुरू से ही इनकी खेल में रुची थी। वे दोनों राष्ट्रीय स्तर पर वॉलिबॉल खिलाड़ी थे। उसके पिता पी.वी रमन ने 1986 के सियोल एशियाई खेलों में कांस्य पदक जीता था। बैडमिंटन में पुलेला गोपीचंद को एकशन में देखकर सिंधु की कल्पना को पकड़ लिया। और आठ साल की उम्र तक वह खेल में नियमित थी। सिंधु ने

टोक्यो ओलम्पिक्स 2020 में कांस्य पदक जीतकर इतिहास रच दिया, इससे पहले साल 2016 में रियो ओलंपिक रजक पदक जीता। इसके साथ ही सिंधु ओलंपिक पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनीं। हालांकि, यह सिंधु के लिए आसान नहीं था क्योंकि उन्हें टोक्यो में कांस्य पदक के रास्ते में कई बाधाओं का सामना करना पड़ा और उनमें से सबसे बड़ी सेमीफाइनल हार पर काबू पाना था, जिसका सामना उन्होंने कांस्य पदक मैच से ठीक एक दिन पहले किया। पीवी सिंधु भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (BPCL) के साथ हैदराबाद कार्यालय में सहायक खेल प्रबंधक के रूप में कार्यरत हैं।

जसप्रीत कौर

XII वाणिज्य

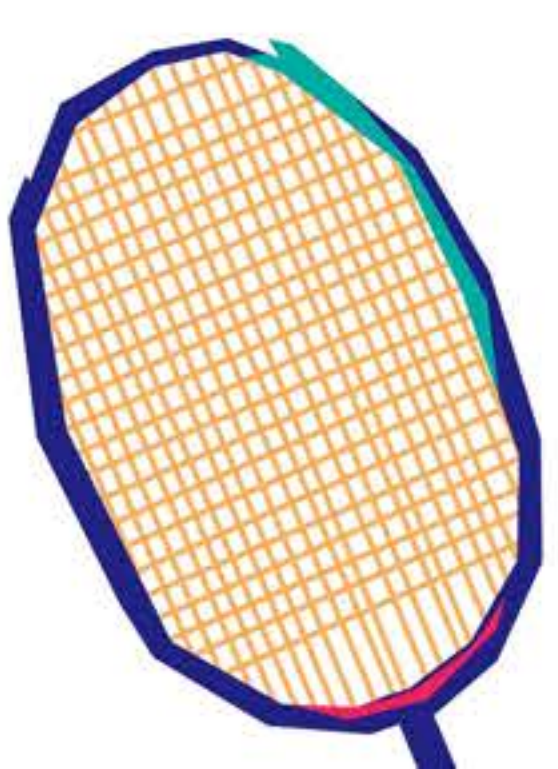


## वो गलतियां मेरी गिनाता है

मेरी आँखों का तार ही,  
मुझे आँखें दिखाता है।  
जिसे हर एक खुशी दी मैंने,  
वो हर गम से मुझे मिलाता है।  
जुबां से कुछ कहूँ, कैसे कहूँ,  
किससे कहूँ माँ हूँ मैं।  
सिखाया बोलना जिसको,  
वो चुप रहना सिखाता है।  
सुला कर सोती थी जिसको,  
वह अब सब्र मेरा जगाता है।  
सुनाई लोरियां जिसको,  
वो अब ताने मुझे सुनाता है।  
सिखाने में क्या कमी रह गई,  
यह सोच कर रोना आता है।  
जिसे गिनती सिखाई मैंने,  
वो गलतियां मेरी गिनाता है॥

पूजा चोयल

XII विज्ञान





# “ खुद को गलति याँ करने देना रचनात्मकता. ये जानना कि कौन सी गलति यों को रखना है ; कला है”

## सपनों में रख आस्था

सपनों में रख आस्था कर्म तू किए जा,  
त्याग से ना डर आलस परित्याग किए जा।  
गलती कर ना घबरा,  
गिरकर फिर हो जा खड़ा।  
समस्याओं को रास्तों से निकाल दे,  
चढ़ान भी हो तो ठोकर से उछाल दे।  
रख हिम्मत तूफानों से टकराने की,  
जरूरत नहीं है किसी मुसीबत से घबराने की।  
जो पाना है बस उसकी एक पागल की तरह चाहत कर,  
करता रह कर्म मगर साथ में खुदा की  
इबाबत भी कर।  
फिर देख किस्मत क्या क्या रंग दिखलाएगी,  
तुझको तेरी मंजिल मिल जाएगी, मंजिल मिल  
जाएगी।

सुहानी सोनी  
XII ब



## देश प्रेम

यह उन दिनों की बात थी,  
चुनौतियों से भरी हर रात थी,  
जब वीर जवानों ने हमारे  
यह संदेश भिजवाया था,  
शहीद होकर अमर हो गए  
और देश आजाद करवाया था।  
हां, यह देश गुलजार है, हवा में इसके प्यार है  
छोटे बड़े सब अपने हैं,  
खुली आंखों में भी सपने हैं।  
हर परिदा आजाद है,  
सभी भाषाओं का अनुवाद है,  
हर बूंद में प्यास है, हर रस में मिठास है।  
रंगमंच है खुशियों का, और भविष्य का भी अंजाम है  
दयादा या थोड़ा ही सही पर हर दिल में  
मौजूद कलाम है।

अक्षरा राठौड़  
IX ब



## नारीशक्तिकरण

उतारो मुझे जिस क्षेत्र में  
कुछ अलग करके ही जाऊंगी।  
औरों से अलग हूँ दिखने में

चाहत ही है एक अलग नाम की  
इसी को महान बनाऊंगी,  
नारी हूँ मैं इस युग की  
नारी की अलग पहचान बनाऊंगी।

जो सदियों से देखा तुमने  
लिपटी साड़ी में कोमल तन को,

घर-घर में रहती थी वो  
पर जान न सके थे उस के मन को।

झुकी हुई सी नज़रें थी  
वाणी मध्यम मधुर सी थी,  
फिर भी तानों की आवाज प्रबल थी  
हिम्मत न थी उफ़ करने की।

अब बदल गयी है ये पहचान  
नारी की न साड़ी परिभाषा,  
वाणी अभी भी मध्यम मधुर सी  
पर कुछ कर गुजर ने की है, प्रबलसी आशा।

चाहे जो भी मैं बनजाऊं  
गर्व से नारी ही कहलाऊंगी,  
चाहे युग कोई सा आये

मैं ही जगत जननी कहलाऊंगी।

दुनिया के इस कठिन मंच पर  
एक प्रदर्शन मैं भी दिखलाऊंगी,  
कठपुतली नहीं किसी खेल की  
अब स्वतंत्र मंचन करपंचम लहराऊंगी।

मोहित सिंह रावत  
XII अ





# “विज्ञापन बीसवीं सदी की केव आर्ट हैं”

## मैं आज की नारी हूँ ।

मैं आज की नारी हूँ।  
मैं आज की नारी हूँ।  
ना तो मैं अबला हूँ।  
ना तो लाचार हूँ।  
और ना ही कमज़ोर हूँ।  
मैं अपने पैरों पर खड़ी  
स्वतंत्र जिंदगी जीती हूँ।

मैं आज की नारी हूँ।  
मैं अपनी परम्पराएँ खुद बनाती हूँ।  
मैं अपने खुद के बनाये हुए रीती रिवाज़ों में विश्वास करती हूँ।  
मैं अपने धर्म-कर्म के नियमों को खुद बनाती हूँ।  
मैं अपने पाप-पुण्य का लेखा जोखा पूरी इमानदारी से करती हूँ।  
मैं अपने समाज का निर्माण खुद करती हूँ।  
मैं आज की नारी हूँ।

ना तो मैं सती हूँ ना तो देवी हूँ।  
आज के युग की मैं सामान्य नारी हूँ।  
अपनी तकदीर की रेखाएँ खुद बनाती हूँ।  
अपने दोनों हाथों में अपनी मान मर्यादा को लेकर आगे बढ़ती हूँ।  
अपने कर्तव्य और आदर्शों का पालन गर्व से करती हूँ।  
मैं आज की नारी हूँ।

मेरा पति मेरा परमेश्वर नहीं  
किंतु मेरा जीवन-साथी, मेरा दोस्त और मेरा हमसफ़र है।  
जिनसे कदम से कदम मिलाकर  
बड़े आत्म सम्मान के साथ और स्वाभिमान के साथ  
अपने जीवन के हर उतार-चढ़ाव को पार करती हूँ।

मैं आज की नारी हूँ।  
अपनी लक्ष्मण रेखा खुद खींचती हूँ।  
अपनी और अपने परिवार की रक्षा करती हूँ।  
मुझे अपने आप पर गर्व है।  
मैं आज की नारी हूँ।

रक्षा कुड़िया  
XII विज्ञान



## शिक्षक दिवस

1. हमारे भारत देश में हर साल 5 सितंबर को शिक्षक दिवस मनाया जाता है।
2. इस दिन भारत के द्वितीय राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन् का जन्मदिवस होता है जो एक महान विद्वान और आदर्श शिक्षक थे।
3. दुनिया के विभिन्न देशों में अलग-अलग दिन शिक्षक दिवस मनाया जाता है।
4. भारत देश में 5 सितंबर 1962 से शिक्षक दिवस मनाया जा रहा है।
5. शिक्षक दिवस के दिन सरकार द्वारा कुछ महान शिक्षकों को सम्मानित किया जाता है।
6. शिक्षक दिवस के दिन विद्यालयों में विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताएं और कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है।
7. इस दिन विद्यार्थी अपने शिक्षक को उपहार, ग्रीटिंग कार्ड भेजकर, वीडियो देवांश(नौवी ब) ऑडियो संदेश, ईमेल आदि भेजकर शिक्षक दिवस की बधाई देते हैं।
8. शिक्षक हमें सिर्फ किताबी ज्ञान नहीं देते बल्कि हमें अच्छा इंसान बनने में मदद करते हैं।

देवांश  
IX ब



## मेरी माँ

सुबह होती है मां की मुस्कुराहट से।  
वह प्यार से सहला कर उठाना।  
वह रात को बीमारी में सारी रात जागना।  
वह महाकाल रात में भगवान से प्रार्थना करना।  
वह मां का नाराज होना और बाद में प्यार से मनाना।  
कैसे लिखू मां प्यार के अहसास को मैं ?

तन्वी वर्मा  
VIII ब









## पहेलियाँ

1. अँधेरे में बैठी है एक रानी सर पर आग तन में पानी ।
2. लाल डिब्बे में पीले खाने, खानों में है लाल दाने ।
3. ऐसा कौन सा फूल है, जिसमे न ही रंग है और न ही खुशबू ।
4. वह कौन है जो बिना नींव के धागे पर धागा रखकर घर बनाती है
5. ऐसी कौन सी चीज है जो आप अपने दाएँ हाथ से पकड़ सकते हैं पर बाएँ हाथ से नहीं ।
6. एक ऐसे पक्षी का नाम बताइये जिसका मतलब ज्यादा होता ।
7. वह क्या है जिसे आप आधा खा ले तभी वह पूरी ही रहती है ।

उत्तर:

1. मोमबत्ती 2. अनार 3. अप्रैल फूल
4. मकड़ी 5. आपका बायाँ हाथ 6. मोर 7. पूरी

कंगना सेन

IX ब



## पहेलियाँ

1. रखता हूँ मैं घर का ख्याल  
आता हूँ मैं सबके काम  
कान घुमाए तो बंद हो जाता हूँ,  
कान घुमाए खुल जाता हूँ ।
2. आँखें हैं पर अंधी हूँ.  
पैर हैं पर लंगडी हूँ  
मुहँ है पर मौन हूँ  
बतलाओ तो मैं कौन हूँ ?
- 3-रोज सुबह को आता हूँ .,  
रोज शाम को जाता हूँ,  
मेरे आने से होता उजियारा  
जाने से होता अँधियारा
- 4-ऐसी कौन सी चीज है जो रोशनी में आपके साथ रहती है  
लेकिन अंधेरा  
होते ही गायब हो जाती हैं ?

- 1-ताला 2 गुडिया 3सूरज 4आपकी परछाई

खुशबू X ब

## माँ

माँ और माँ का प्यार निराला  
उसने ही मुझे संभाला ।  
मेरी मम्मी बड़ी प्यारी  
मेरी मम्मी बड़ी निराली ।  
क्या में उनकी बात बताऊँ  
सोंचू उन्हें कैसे मैं जान पाऊँ ।  
सुबह सवेरे मुझे उठाती  
केशव कह कर मुझे जगाती ।  
जल्दी से तैयार में होता  
उसके कारण स्कूल जा पाता ।  
स्कूल से आते ही खुश होता  
जब मम्मी को चेहरा दिखता ।  
माँ और माँ का प्यार निराला  
पर में करता गड़बड़ घोटाला ।  
जब में करता कोई गलती  
समझाने की कोशिश करती  
लुटाती मुझ पर अधिक प्यार  
करती मुझ से अधिक दुलार ।  
मुझ पर गुस्सा जब है आता  
दो मिनट में उड़ भी जाता

केशव प्रजापति

IX ब



## मिसाइल मैन

देश का सच्चा सपूत था वो  
जात पात से परे नैक बन्दा था वो,  
युवको का था सच्चा साथी  
फकीराना जिदगी जीकर जिसने,  
देश को ताकतवर बनाया  
सबसे चहिता राष्ट्रपति कहला कर,  
दिलों में अपनी जगह बनाया  
नम आँखों को छोड़ वो ,  
अनगिनत यादों में बस गया  
मिसाइल मैन कहलाने वाला,  
अलविदा दोस्तों कह गया

देवांशी जोया 10वी ब





# व्यक्ति अपने विचारों से निर्मित एक प्राणी है, वह जो सोचता है वही बन जाता है

## बीती हुई जिंदगी

छुप गयी थी मुस्कान मुखौटों के पीछे  
रो रही थी आँखें दरवाजों के पीछे  
वो मिट्टी भी थक गयी थी कब्रिस्तान की इतने जिस्मों को  
अपने अंदर समाते समाते-  
रो उठी थी लकड़ियाँ भी इतने मुर्दों को अपनी आग से  
जलाते जलाते-  
क्या पूछते उस खुदा से उस भगवान से वो दरवाजे बंद करके  
सो रहा था  
उस वक्त हर अपना अपने को खो रहा था  
कितनी माँओं का आँचल रो रहा था  
कितनी बेटियाँ अपने पिता की कब्र पे सर रख कर सो रही  
थी  
किसने सोचा था ऐसे भी दिन देखने पड़ेंगे  
गंगा के किनारे फूलों की बजाए लाशों के ढेर मिलेंगे  
कितने बच्चे अपने माता पिता को ढूँढ रहे थे  
अस्पतालों में डॉक्टरों से ज्यादा मुर्दे घूम रहे थे  
पूछो उन माँ बाप से जिनके बच्चों की आँखें खुलने से पहले  
बंद हो गयी  
पूछो उस भाई से जिसकी बहन कहीं दूर खो गयी  
वक्त चलते हुए भी रुक सा गया था  
हर इंसान अंदर से टूट सा गया था  
सब के अंदर एक छोटी सी उम्मीद थी  
हमने कुछ ऐसी जिंदगी भी जी थी

मानवी वैश्रव  
नौवी ब



## कबीर के दोहे

सुख में सुमिरन सब करे, दुख में करे न कोया।  
जो दुख में सुमिरन करे, दुख काहे को होया।।  
तिनका कबहुँ ना निदिये, जो पाँव तले होया।  
कबहुँ उड़ आँखों पड़े, पीर घनेरी होया।।  
माला फेरत जुग भया, फिश न मन का फेशा।  
कर का मनका डार दे, मन का मनका फेशा।  
गुरु गोविन्द दोनों खडे, काके लागू पाँया।।  
बलिहारी गुरु आपनो, गोविन्द दियो बताया।।  
बलिहारी गुरु आपनो, घड़ी-घड़ी सौ बारा।  
मानुष ते देवत किया, करत न लागी बारा।  
कबीर माला मनहि कि, और संसारी भीखा।  
माला फेरे हरि मिले, गले रहट के देख।।  
सुख में सुमिरन ना किया, दुख में किया न याद।  
कह कबीर दास की, कौन सुने फरियाद ॥

मेधा त्रिपाठी X अ



## वीर शिवाजी

संस्कृत, सम्पन्न था भारत, भी ठाठ-बाट राजाओं की,  
नजर लग गई जानें कैसे, बर्बर आताताईयों की।  
महावीर योद्धाओं से,, भारत का इतिहास भरा है,  
आल कहानी आओ सुन लें, जिनसे नव इतिहास बना है।  
जिनके पिता शाहजी थे, माता जीजा धर्म परायण,  
जन्म लिया शिवनेरी दुर्ग में बालक हुआ कर्तव्य परायण।  
तीर, तलवार औ भाले-बरछे, वीर शिवा के खेल-खिलौने थे,  
युद्ध-कौशल, शासन-प्रबंध में, अद्भुत और अनोखे थे।  
नारी और सब धर्मों का, सम्मान हमेशा करते थे,  
वीर शिवाजी भारत पर, अभिमान हमेशा करते थे।  
छापामार युद्ध में काबिल, नौसेना के जनक हुए,  
जैसे को तैसा की नीति, रणनीतिकार वो गजब हुए।  
जगा देशप्रेम जनमानस में, सबमें है स्वाभिमान भरा,  
एक मराठा सौ पर भारी, इतना सबमें विश्वास भरा।  
जन्मभूमि जो अपनी है, मुगलों का क्यों अधिकार यहाँ,  
क्यों करें गुलामी उनकी हम, मिटने को सब तैयार यहाँ।  
येन केन प्रकारेण युद्ध में, जीतना जरूरी होता है,  
पूर्ण स्वराज की खातिर तो बलिदान जरूरी होता है।  
जहाँ जरूरत पड़ी संधि की, झट-पट मित्र बना लेते,  
जहाँ समझते शत्रु बली है, छुपकर काम तमाम करते।  
भर हुंकार कह महादेव, नाकों में दम कर दी मुगलों की,  
कभी हाथ न आए मुगलो की चुनकर गद्दारों को मारा,

निशीका काछोटिया  
IX अ

## माँ

प्यारी जग से न्यारी माँ  
खुशियाँ देती सारी माँ  
चलना हमें सिखलाती माँ  
मंजिल हमें दिखती माँ  
सबसे मीठा बोल है माँ  
दुनिया में अनमोल है माँ  
खाना हमें खिलाती है माँ  
लौरी गाकर सुलाती है माँ  
प्यारी जग से न्यारी माँ  
खुशियाँ देती सारी माँ

गौरव राठौड़  
V A





# “ राष्ट्रीय व्यवहार में हिन्दी को काम में लाना देश की उन्नति के लिए आवश्यक है।” ~ महात्मा गाँधी

## दुनियां से हटकर चल

दुनियां से हटकर चल  
कुछ करना है, तो डटकर चल ।  
थोड़ा दुनियां से हटकर चला  
लीक पर तो सभी चल लेते हैं,  
कभी इतिहास को पलटकर चला  
बिना काम के मुकाम कैसा?  
बिना मेहनत के, दाम कैसा?  
जब तक ना हासिल हो मंज़िल तो राह में, राही आराम  
कैसा?  
अर्जुन सा, निशाना रख, मन में, ना कोई बहाना रखा  
जो लक्ष्य सामने है, बस उसी पे अपना ठिकाना रखा  
सोच मत, साकार कर, अपने कर्मों से प्यार करा  
मिलेगा तेरी मेहनत का फल, किसी और का ना इंतजार करा  
जो चले थे अकेले, उनके पीछे आज मेले हैं।  
जो करते रहे इंतजार उनकी जिदगी में आज भी झमेले हैं

नगेंद्र सिंह

X ब



## वीर तेज़ बहादुर

सिर सभी के उठे हैं सुख से,  
उत्तराधिकारी आया है।  
चमक लिए सिखों की अमिट,  
आज कल्याणकारी आया है।।  
इंसानों की खातिर स्वर्ग से,  
करता धर्ता आया है।  
हर गोबिंद से नाम लिए  
गुरु तेज बहादुर आया है।।  
जो लड़ता है अय्यारों से,  
वो सिर कफन बांध आया है।  
कश्मीरी भाइयों की खातिर,  
मुगलों से भिड़ने आया है।।  
अंतिम समय तक खड़ा अंगारो पे,  
वो चुनौती साध लाया है।  
जहाँ गिरा फिर सिर कट के,  
वही शीशगंज कहलाया है।।  
बहुतों की लगी बाजी जिद से,  
कड़ियों से संघर्ष हारा है।  
वीरों की ही हैं वीरगति,  
जो बलिदानी बहादुर पाया है।।

नीलाक्षी अग्रवाल

X अ'



## प्रकृति

क्यूँ न सहन कर रख ले इस प्रकृति को  
आने वाले कल के लिए  
आने वाले अपनों के लिए।  
ये कटते वृक्ष ,मे सूखती नदियां  
ये सिमटते पर्वत,  
एक रोज यूँ ही खत्म हो जाएंगे।  
आज हम कुछ कर सकते हैं  
इस रोती हुई प्रकृति के आसूं  
हम पोछ सकते हैं,  
एक वक्त बाद प्रकृति के  
सारे आसूं सूख जाएंगे।  
पर आंसु होंगे हमारी आखों में  
जिसे चाह कर भी हम पोछ नहीं पाएंगे।  
क्यूँ न सहेज कर रख ले इस प्रकृति को  
आने वाले कल के लिए  
आने वाले अपनों के लिए।

निशा मीणा

X "ब"



## बहुत लुभाता है गर्मी मे

अगर कही हो बड़ का पेड़ा  
निकट बुलाता पास बिठाता  
ठंडी छाया वाला पेड़ा  
तापमान धरती का बढ़ता  
ऊंचा-ऊंचा, दिन-दिन ऊंचा  
झुलस रहा गर्मी से आंगन  
गांव-मोहल्ला कूचा-कुंचा।  
गर्मी मधुमक्खी का छत्ता  
जैसे दिया किसी ने छेड़ा  
आओ पेड़ लगाएं जिससे  
धरती पर फैले हरियाली।  
तापमान कम करने को है  
एक यही ताले की ताली  
ठंडा होगा जब घर-आंगन  
तभी बचेंगे मोर-बटेर  
तापमान जो बहुत बढ़ा तो  
जीना हो जाएगा भारी  
धरती होगी जगह न अच्छी  
पग-पग पर होगी बीमारी

नितिन मीणा

IX 'ब'





# “सत्य कभी ऐसे कारण को क्षति नहीं पहुंचाता जो उचित हो।”

## पथ का सिपाही

तुम चलो तो सही।  
राह में मुश्किल होगी हजार  
तुम दो कदम बढ़ाओ तो सही,  
हो जाएगा हर सपना साकार  
तुम चलो तो सही, तुम चलो तो सही।  
मुश्किल है पर इतना भी नहीं कि तु कर ना सके  
दूर है मंजिल लेकिन इतनी भी नहीं  
की तु पा ना सके  
तुम चलो तो सही, तुम चलो तो सही।  
एक दिन तुम्हारा भी नाम होगा तुम्हारा भी सत्कार होगा  
तुम कुछ लिखो तो सही  
तुम कुछ आगे पढ़ो तो सही  
तुम चलो तो सही, तुम चलो तो सही।  
सपनों के सागर में कब तक गोते लगाते रहोगे  
तुम एक राह है चुनो तो सही  
तुम उठो तो सही तुम कुछ करो तो सही  
तुम चलो तो सही, तुम चलो तो सही  
कुछ ना मिला तो कुछ सीख जाओगे  
कुछ जिन्दगी का अनुभव साथ ले जाओगे

पलाक्षी गौड़  
IX 'ब'



## रामायण के अनसुने व रोचक तथ्य

- श्रीराम व उनके भाइयों के अतिरिक्त राजा दशरथ कि एक पुत्री भी थी जो कि चारों पुत्रों से बड़ी थी। उनका नाम शांता था।
- 2) सीता स्वयंवर में जिस शिव धनुष का प्रयोग किया गया था उसका नाम “पिनाक” है।
- 3) श्रीराम कि माँ, माता कौशल्या कौशल देश कि राजकुमारी भी।
- उनके पिता का नाम सकौशल और माता का अमृत प्रथा था।
- 4) श्रीराम भगवान विष्णु के अवतार थे। उनके भाई लक्ष्मण शेषनाग के अवतार थे। अन्य भाई भरत और शत्रुघ्न को क्रमशः भगवान विष्णु के हाथों में धारण किये हुए सुदर्शन-चक्र एवं शंख-शैल का अवतार माना जाता है।
- 5) लंकापति रावण एक उत्कृष्ट वीणा वादक थे।
- 6) श्रीराम का जन्म चैत्र मास कि शुक्लपक्ष कि नवमी को हुआ

- 7) श्रीराम का नाम रघु राजवंश के महर्षि वशिष्ठ ने दिया था।
- 8) रामायण महाकाव्य में 24,000 छंद (श्लोक) है जो कि 7 अध्याय (खंड) में विभाजित है। रामायण के हर 1000 छंद का पहला अक्षर लें तो जो 24 अक्षर हमें मिलते हैं उसे मिलाकर गायत्री मन्त्र बनता है।
- 9) श्रीराम लंका ने 111 दिन रहे थे।
- 10) माता सीता के नाम का अर्थ हल है। हल को मैथिली भाषा में सीता कहते हैं। चूंकि सीता माता धरती माता कि पुत्री थी तो राजा दशरथ ने पहली बार जब सीता माता को देखा तब वे हल चला रही थी इसलिए उनका नाम सीता रखा गया।
- ॥ श्रीराम ने सरयू नदी में डुबकी लगाकर पृथ्वीलोक का परित्याग किया था।

प्रिया शर्मा  
X ब



## बारह महीने

जनवरी आई जनवरी आई पतंग और तिल के लड्डु लाई  
देख यह फरवरी भी इतराई शिव शम्भु की धूम मचाई  
मार्च भी आया मार्च भी आया होली के रंगों से नहलाया  
अप्रैल भी बैशाखी लाया फसलो से देखो लहराया।  
मई ने फिर गर्मी दिखलाई तेज धूप और लू फैलाई  
जून ने मई का साथ निभाया पानी की कीमत को समझाया  
जुलाई लेकर आई ऋतुरानी बच्चों ने भी भीगने की ठानी  
अगस्त भी आया अगस्त भी आया जन्माष्टमी दही हाँड़ी लाया।

सितम्बर भी कहाँ कम था हर नहर में पानी छमाछम था,  
फिर अक्टूबर में जगमग थी नवम्बर लाया मिठाई पटाखे  
दिवाली में सजे घर दरवाजे दिसम्बर ने कुल्फी जमवाई  
मौसम में गुलाबी ऋतु छाई।

भव्य कांडपाल  
II अ







“ऐसे जियो जैसे कि तुम कल मरने वाले हो। ऐसे सीखो की तुम हमेशा के लिए जीने वाले हो”

## बेटी जग का आधार

जब माँ ही जग में ना होगी  
तो तुम जन्म किससे पाओगे?  
जब बहन न होगी घर के आंगन में  
तो किससे रूठोगे, किसे मनाओगे?  
जब दादी नानी ना होगी  
तो तुम्हें कहानी कौन सुनाएगा?  
जब कोई स्वयं सुंदरी ही न होगी  
तो तुम किसीसे ब्याह रचाओगे?  
जब घर में बेटी ही tना होगी तो  
तुम किस पर लाड लुटाओगे?  
जिस दुनिया में स्त्री ही ना होगी  
उस दुनिया में तुम कैसे रह पाओगे?  
जब तेरे घर में बहू ही ना होगी  
तो कैसे वंश आगे बढ़ाओगे?  
नारी के बिना ये जग सूना है  
तुम ये बात कब समझ पाओगे?

आलोक कुमार IV B



## खोलो स्कूल, खोलो स्कूल

खोलो स्कूल, खोलो स्कूल,  
बहुत हुआ अब खोलो स्कूल,  
संग में रहना, संग में खाना  
छूट गया संग स्कूल जाना, खोलो स्कूल, खोलो स्कूल..  
हम सब पढ़ते हैं घर में, पर कुछ नहीं आता ऑनलाइन  
समझ में खोलो स्कूल, खोलो स्कूल..  
भाई बहन में हैं मारामारी क्योंकि एक समय में हैं क्लास  
चलानी खोलो स्कूल, खोलो स्कूल..  
चारों तरफ बस यही है शोर घर में रहकर हो गए हैं बोर  
खोलो स्कूल, खोलो स्कूल..  
क्या बंद स्कूल से पढ़ेगा भारत ?  
तुम ही बताओ कैसे आगे बढ़ेगा भारत ?  
खोलो स्कूल, खोलो स्कूल...

हियांशी गोयल  
IV ब



## मेक इन इंडिया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारत के विकास के लिए हमेशा तत्पर रहते हैं, उनकी सोच बिल्कुल नयी तरह की आज के नौजवान जैसी है, ऊर्जा उनके अंदर कूट-कूट कर भरी हुई है। उनके अंदर काम के प्रति लगन को साफ देखा जा सकता है। इसी कड़ी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू की गई मेक इन इंडिया, इस अभियान की शुरुआत का उद्देश्य भारत को वैश्विक उत्पादन केंद्र का एक स्थान बनाना है। मोदी जी ने इस योजना की शुरुआत 25 सितम्बर 2014 को नयी दिल्ली के विज्ञान भवन में की थी।

- मेक इन इंडिया योजना ने देश विदेश सभी जगह के निवेशकों के लिए भारत में व्यापार करने के दरवाजे खोल दिए हैं। बड़ी बड़ी कम्पनियां इस मंत्र को अपना रही हैं। भारत में दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है, जो अब अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने की राह पर चल पड़ा है। सरकार ने इस योजना के लिए 25 सेक्टर का चुनाव किया है :- ऑटोमोबाइल, बायोटेक्नोलॉजी, केमिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स, इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, माइनिंग, मीडिया व एंटरटेनमेंट, ऑयल व गैस, रेलवे, पोर्ट्स एंड शिपिंग, थर्मल पावर, ट्यूरिज्म, थर्मल पावर, इलेक्ट्रिकल मशीन, रोड व हाइवे, विमान उद्योग, निर्माण आदि। इसके अलावा रक्षा, स्पेस और भी दूसरे सेक्टर के रास्ते यहाँ निवेश के लिए खुल गए हैं। इसके साथ ही निवेशकों व व्यापार करने वालों को बहुत सी छूट भी दी है।

- मेक इन इंडिया योजना के मुख्य उद्देश्य:- ज्यादा से ज्यादा सामान भारत में बने जिससे सामान की कीमत कम होगी और बाहर निर्यात होने से देश की अर्थव्यवस्था को फायदा होगा; देश में रोजगार बढ़ेगा, गरीबी कम होगी; उच्च गुणवत्ता का सामान कम कीमत पर मिलेगा; देश के नौजवान विदेश में जाकर काम करने की जगह यहीं रहकर काम करना पसंद करेंगे।

- इस योजना के सफलतापूर्वक लागू होने से भारत में 100 स्मार्ट शहर प्रोजेक्ट और वहन करने योग्य घर बनाने में मदद मिलेगी। प्रमुख निवेशकों की मदद के साथ देश में ठोस वृद्धि और मूल्यवान रोजगार उत्पन्न करना इसका मूल लक्ष्य है। यह दोनों तरफ के लोगों को फायदा पहुंचाएगा निवेशक और हमारे देश दोनों को। किसी भी समय व्यापारिक कंपनियों के सभी प्रश्नों का उत्तर देने के लिए भारतीय सरकार ने एक ऑनलाइन पोर्टल (makeinindia.com) और एक समर्पित सहायक टीम बनाई है।

प्रीति शेखावत  
XII विज्ञान





# “सत्य बिना जन समर्थन के भी खड़ा रहता है, वह आत्मनिर्भर है।”

## स्वतंत्रता दिवस

लाल रक्त से धरा नहाई  
श्वेत नभ पर लालिमा छाई  
आजादी के उद्घोष पर  
सबने वीरों की गाथा गाई  
गांधी नेहरू पटेल सुभाष की  
ध्वनि चारों ओर है छाई  
भगत राजगुरु और सुखदेव की  
कुर्बानी से आंखें भर आई  
हे भारत माता तुमसे अनोखी  
और अद्भुत मा न हमने पाई  
हमारे रंगों में तेरे कर्ज की  
एक-एक बूंद समाई  
माथे पर बाँदे हैं कफन  
और तेरी रक्षा की कसम है खाई  
सरहद पर खड़े रह कर  
आजादी की रीत निभाई

आतिफ रहमान  
III-बी



## हिन्दी-हमारी भाषा

हर साल 14 सितंबर को हिंदी दिवस मनाया जाता है. ऐसा इसलिए है क्योंकि इस दिन भारत की संविधान सभा ने देवनागरी लिपि में लिखी गई हिंदी भाषा को भारत गणराज्य की आधिकारिक भाषा घोषित किया था। भारत की संविधान सभा ने 14 सितंबर 1949 को भारत गणराज्य की आधिकारिक भाषा के रूप में हिंदी को अपनाया हालांकि इससे 26 जनवरी 1950 को देश के संविधान द्वारा आधिकारिक भाषा के रूप में इस्तेमाल करने के विचार को मंजूरी दी गई।

अमृता राज  
III A

## आजादी का अमृत महोत्सव

इस वर्ष स्वतंत्रता दिवस की 75वीं वर्षगांठ को भारत (हमारा देश) “आजादी का अमृत महोत्सव” के रूप में मना रहा है। 15 अगस्त 1947 को हमारा देश ब्रिटिश शासन से स्वतंत्र हुआ था। आजादी के 75 साल का यह जश्न “प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी” के कर कमलों से 12 मार्च 2021 से शुरू हो चुका है। यह उत्सव 75 सप्ताह तक चलेगा। 15 अगस्त 2022 को स्वतंत्रता दिवस पर अमृत महोत्सव का समापन होगा। इस दौरान हमारे देशवासियों की जनभागीदारी से अलग-अलग आयोजन किए जाएंगे। “हजारों सूर्य से अधिक तेजस्वी देश की स्वतंत्रता को लोक जीवन में स्थापित किए जाने की आवश्यकता को महसूस करते हुए आजादी का जश्न मनाया जाएगा, वहीं एक ओर कुछ कर गुजरने की तमन्ना व कुछ पाने की बेचैनी भी दिखाई देगी।” स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद बहुत कुछ बदला मगर चेहरा बदल कर भी दिल नहीं बदला। “किसी भी राष्ट्र की ऊंचाई वहां की इमारतों की ऊंचाई से नहीं मापी जाती है बल्कि वहां के राष्ट्र नायक के चरित्र से मापी जाती है उसके काम करने के तरीके से मापी जाती है।” अमृत महोत्सव मनाते हुए यही कामना है कि पुरुषार्थ के हाथों भाग्य बदलने का गहरा आत्मविश्वास सुरक्षा पाए। एक के लिए और सबके लिए एक की विकास गंगा प्रवाहमान हो। “आजादी का सही अर्थ है- स्वयं की पहचान, सुप्त शक्तियों का जागरण, आत्मनिर्भरता एवं वर्तमान क्षण में पुरुषार्थ जीवन जीने का अभ्यास।”

विज्ञात गौड़  
IV A



## लॉकडाउन को सफल बनाना है,

लॉकडाउन को सफल बनाना है,  
देश हित में यह कदम उठाना है।  
मिलकर कोरोना को हराना है,  
हमें घर से कहीं नहीं जाना है।

कनिष्का राठौड़  
III







## कोरोनावायरस (कोविड-19 )

कोरोना वायरस (कोविड) का संबंध वायरस के ऐसे परिवार से है जिसके संक्रमण से जुकाम से लेकर सांस लेने में तकलीफ जैसी समस्या हो सकती है। इस वायरस को पहले कभी नहीं देखा गया है। इस वायरस का संक्रमण दिसंबर में चीन के वुहान में शुरू हुआ था। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक बुखार, खांसी, सांस लेने में तकलीफ इसके लक्षण हैं। अब तक इस वायरस को फैलने से रोकने वाला कोई टीका नहीं बना है।

इसके संक्रमण के फलस्वरूप बुखार, जुकाम, सांस लेने में तकलीफ, नाक बहना और गले में खराश जैसी समस्याएं उत्पन्न होती हैं। यह वायरस एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में फैलता है। इसलिए इसे लेकर बहुत सावधानी बरती जा रही है। यह वायरस दिसंबर में सबसे पहले चीन में पकड़ में आया था।

### क्या हैं इस बीमारी के लक्षण?

कोविड-19 / कोरोना वायरस में पहले बुखार होता है। इसके बाद सूखी खांसी होती है और फिर एक हफ्ते बाद सांस लेने में परेशानी होने लगती है।

इन लक्षणों का हमेशा मतलब यह नहीं है कि आपको कोरोना वायरस का संक्रमण है। कोरोना वायरस के गंभीर मामलों में निमोनिया, सांस लेने में बहुत ज़्यादा परेशानी, किडनी फ़ेल होना और यहां तक कि मौत भी हो सकती है। बुजुर्ग या जिन लोगों को पहले से अस्थमा, मधुमेह या हार्ट की बीमारी है उनके मामले में ख़तरा गंभीर हो सकता है। जुकाम और फ्लू में के वायरसों में भी इसी तरह के लक्षण पाए जाते हैं।

### क्या हैं इससे बचाव के उपाय?

स्वस्थ्य मंत्रालय ने कोरोना वायरस से बचने के लिए दिशा-निर्देश जारी किए हैं।

- 1- इनके मुताबिक हाथों को साबुन से धोना चाहिए।
- 2- अल्कोहल आधारित हैंड रब का इस्तेमाल भी किया जा सकता है।
- 3- खांसते और छीकते समय नाक और मुंह रुमाल या टिशू पेपर से ढंक कर रखें।
- 4- जिन व्यक्तियों में कोल्ड और फ्लू के लक्षण हों, उनसे दूरी बनाकर रखें।
- 5- अंडे और मांस के सेवन से बचें।
- 6- जंगली जानवरों के संपर्क में आने से बचें।



दीपक सिंह

XII विज्ञान

## आज तिरंगा फहराता है

आज तिरंगा फहराता है  
अपनी पूरी शान से  
हमें मिली आजादी  
वीर शहीदों के बलिदान से  
आजादी के लिए  
हमारी लंबी चली लड़ाई थी  
लाखों लोगों ने प्राणों से  
कीमत बढ़ी चुकाई थी

-कल्पित कुमार

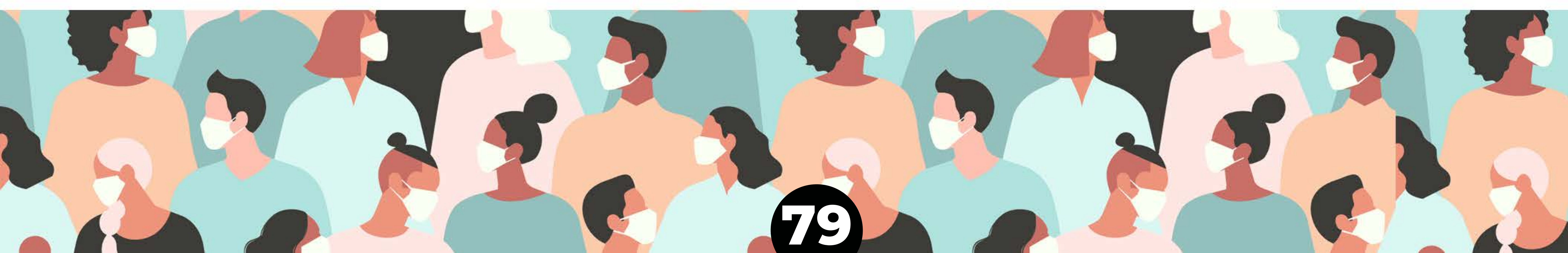
III A

## कविता

पीले रंग का मेरा छाता  
तेज हवा से मुझे बचाता  
कड़ी धूप या रिमझिम में पानी  
दोनों में है साथ निभाता  
खुद पानी से भीग जाता  
लेकिन मुझे सदा बचाता

हर्षिता पवार

III-A





## राष्ट्रभक्तः शिरोमणिः प्रतापसिंहः

अपि स्वर्णमयी लंका न मे लक्ष्मण रोचते ।  
जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी ॥

यदा भारतीयजनेषु अस्माकं देशस्य राष्ट्रभक्तानां विषये चर्चा भवति तदा मेवाडाधिपतेः महाराणाप्रतापस्य नाम मनसि अवयमेव आगच्छति । मेवाड इति स्थान राजस्थाने अत्यन्त प्रसिद्धमासीत् । ततः स्थानं तत्र उत्पन्नानां शूरराजानां शौर्येण आत्माहुत्या च महती प्रसिद्धिम् प्राप्तवान् । अत्रत्ये सिसोदियावंशे बाप्पारावल राणाहमीर, राणासांगा प्रभृतयः शूराः जन्म लेभिरे । एतस्मिन्नेव पुण्यवंशे महागणाप्रतापसिंहः किस्ताब्दीय-चत्वारिंशदुत्तरपञ्चदशशततमे वर्षे जातः । तस्य पिता उदयसिंहः आसीत् । तस्मिन् समये बहवो राजानः मोगलचक्रवर्तिभिः सह आयुध्य पराजयम् अनुभूय तानेव दिल्लीश्वरान् भावयन्ति स्म । केचन तेषामेव सेवया आत्मनम् धन्यान् मेनिरे । तस्मिन् काले अकबर, देहल्यां शासनं करोति स्म । यदा राणाप्रतापसिंहः अरण्ये वसति स्म तदा तस्य परिवारः महत्कष्टम् अनुबभूव । एकत्र सर्वदा वै आक्रमणशङ्का अन्यत्र आहाराभावात् पुत्रकलत्राणां कष्टपरम्परा अतीव वेदनाकरी बभूव । एकस्मिन् दिने राणाप्रतापस्य पत्नी अरण्यतृणजुर्गेन रोटिकाः सज्जीकृत्य सर्वेभ्यः किञ्चित् - किञ्चिद्भागं दत्तवती । स्वपुत्र्यै अपि रोटिकां दत्त्वा तस्याः अर्धमेव खादित्वा अवशिष्टमर्धं परेयुः भक्षणार्थं रक्ष इति सूचितवती । स्वप्रियदुहितुः परेयुः आहारः लप्स्यते वा न वा इति शङ्कया प्रेममयी माता तथावोचत् । एतादृशं दारुणं कारुण्यपूर्णञ्च जीवनं चासीत् प्रतापस्य । मेवाडराज्यस्य मुख्यसङ्घर्षः मुगलसेनया सह आसीत् । प्रतापस्य शासनावधौ अकबर इति नामकः मुगलसम्राट् आसीत् । प्रतापस्य २५ वर्षाणां शासनकाले अकबरस्य सेनया सह अनेकवारं युद्धम् अभवत् । मुख्यं युद्धं हल्दीघाटीस्थाने अभवत्, अतः एव एतत् हल्दीघाटीयुद्धम् इति नाम्ना प्रसिद्धम् अस्ति । प्रतापः स्वजन्मस्थानमेव परित्यज्य गतवानिति तस्य शत्रवः परिहासरताः आसन् । इतः परं पुनः स युद्धम् आगच्छेदिति स्वप्रेऽपि ते न चिन्तयन्ति स्म । किन्तु महाराणाप्रतापः तेषां निरीक्षां मिथ्यां कृत्वा पराक्रान्तां स्वकीयराज्यसीमाम् अपूर्वेण पराक्रमेण स्वाधीनां कर्तुम् अभ्यपतत ।

ओमप्रकाशजांगिडः

संस्कृताध्यापक केन्द्रीय विद्यालयः क्रमांक-2,

अजयमेरूनगरम्



## साधूनां जीवनम्

गङ्गातीरे एकः साधुः आसीत् । सः बहु उपकारं करोति स्म । यः अपकारं करोति तस्यापि उपकारं करोति स्म । एकस्मिन् दिने सः गङ्गानद्यां स्नानं कर्तुं नदीं गतवान् । नदीप्रवाहे एकः वृश्चिकः आगतः । साधुः वृश्चिकं दृष्टवान् । तं हस्तेन गृहीतवान् । तीरे स्थापयितुं प्रयत्नं कृतवान् । किन्तु सः साधोः हस्तम् अदृशत् । साधुः तं त्यक्तवान् । वृश्चिकः जले अपतत् । पुनः साधुः वृश्चिकं गृहीत्वा तीरे स्थापयितुं प्रयत्नं कृतवान् । पुनः वृश्चिकः हस्तम् अदृशत् । एवम् अनेकवारं साधुः वृश्चिकं गृहीतवान् । नदीतीरे एकः पुरुषः आसीत् । सः उक्तवान्साधुमहाराज । अयं वृश्चिकः दुष्टः । सः पुनः पुनः दृशति । भवान् किमर्थं तं हस्ते वृथा स्थापयति । वृश्चिकं त्यजतु । साधुः उक्तवान्वृश्चिकः क्षुद्रः जन्तुः । दंशनं तस्य स्वभावः । सः स्वस्य स्वभावं न त्यजति । अहं तु मनुष्यः । अहं मम परोपकास्वभावं कथं त्यजामि । यः अपकारिणाम् अपि उपकारं करोति सः एव साधुः भवति ।

केशवमीणा

नवमी अ





## भारतीयसंस्कृतिः

□ पुरातनःइतिहासः, अनन्याभौगोलिकरचना, वैविध्यमयाःजनसमूहाः, धर्माः, विभिन्नाःसम्प्रदायाः, अनेकेउत्सवाः, नैकानिआचरणानि, प्राचीनपरम्परा, परितःविद्यमानानांदेशानांप्रभावः – एवंविभिन्नाःविषयाःभारतीयसंस्कृतिम्अरचयन् ।

□सिन्धुसभ्यतातःआरब्धाभारतीयासंस्कृतिःवेदकालेमहताप्रमाणेनविकसिताअभवत् ।बौद्धधर्मस्यउन्नतिः-अवनतिःच, भारतस्यसुवर्णयुगं, यवनानाम्आक्रमणं, यवनानांशासनं, अन्यदेशीयानांशासनमहृत्येतेषुकालेषुभारतीयसंस्कृतेःविस्तारः, विविधताचअधिकाअभवत् ।

□ भारतस्यधार्मिकाणिआचरणानि, भाषाः, पद्धतयः, सम्प्रदायाःचगतेभ्यः 5000 वर्षेभ्यःअस्याःअनन्यसंस्कृतेःसाक्षिरूपेणसन्ति । विभिन्नानांधर्माणां, सम्प्रदायानांसंयोजनम्अपिजातम्अस्तिभारतीयसंस्कृतौ ।

□ एतस्याःसंस्कृतेःप्रभावःजगतःअन्यासांसंस्कृतीनाम्उपरिअपिजातःअस्तिमहताप्रमाणेन ।हिन्दुधर्मस्य, बौद्धधर्मस्य, जैनधर्मस्य, सिख्-धर्मस्यजन्मभूमिःभारतम्

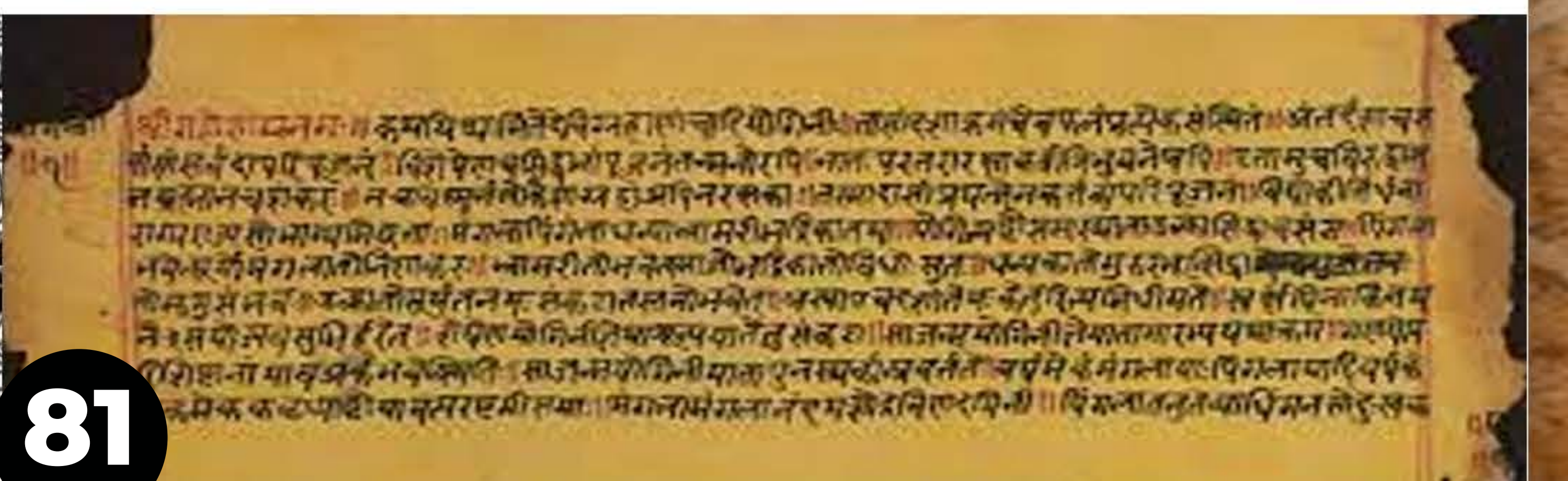
मयंकजांगिडः  
अष्टम‘अ’



## किमर्थम् संस्कृत ?

- 1.सर्वासाम् एव भाषाणां जननी इयं संस्कृत भाषा एव अस्ति |
2. संस्कृत भाषा विश्वस्य सर्वासु भाषासु प्राचीनतमा भाषा अस्ति |
3. संस्कृतभाषा एव विश्वसाहित्यस्य सर्वप्राचीनग्रन्थाःचत्वारो वेदाः सन्ति, येषा महत्वम् सर्वोपरि वर्तते |
4. संस्कृतभाषा परिशुद्धा व्याकरणं सम्बन्धि-दोषादि-रहिता भाषेति निगद्यते|
5. जीवनस्य सर्वसंस्कारेषु संस्कृतस्य प्रयोगः भवति |
6. प्राचीन-समये संस्कृत-भाषा एव सर्वसाधारणस्य भाषा आसीत् |
7. संस्कृतभाषेव भारतस्य प्राणभूता-भाषा अस्ति राष्ट्रस्यएक्यं च साधयति एषा भाषा |
8. अत एव उच्यते संस्कृतिः संस्कृताश्रिता |
9. अश्वघोष-कालिदास-दण्डी- भवभूति-जयदेव आदि कवि प्रभृतयो महाकवयः नाटककाराश्च संस्कृतभाषायामेव लिखितवन्तः |
10. मूलरूपज्ञानाय एतस्य आवश्यकता भवति |
11. संस्कृत-भाषा अधुना अपि संगणकस्य कृते अति उपयुक्ता भाषा मन्यते |
12. भारतीय गौरवस्य रक्षणभूताभाषा एतस्याः प्रसारःसर्वैरेवकर्तव्यः |

पूर्णाक्षि बंसल  
दशमी ‘अ’





## परिश्रमस्य महत्त्वम्

एकस्मिन् उद्याने एका पिपीलिका आसीत् । सा अतीव परिश्रमिणी आसीत् । महता परिश्रमेण भूमौ बिलं रचयित्वा सा स्वगृहम् अरचयत् । तत्र सा प्रतिदिनम् अन्नकणान् चित्वा संचिनोति स्म । तस्याः समीपे एव एकस्मिन् पादपे एकः शलभः अपि अवसत् । सः पादपे एव अवसत् कदापि गृहं न अकरोत् । एकदा पिपीलिका तम् शलभम् अवदत् यत् बंधो ! कथं गृहं न करोषि? शीतकाले यदा तुषारपातः भविष्यति अपि च शीतलः वायुः प्रसरिष्यति, तदा किं करिष्यसि? अतः अधुनैव गृहं रचयित्वा अन्नसंचयं कुरु इति । शलभः पिपीलिकायाः वार्तां श्रुत्वा अवदत् 'मुग्धे! त्वं तु वृथा श्रमं करोषि । न जाने श्वः किं भविष्यति? अधुना तु सर्वत्र अन्नं, फलानि बीजानि वा सुलभानि सन्ति, न च शीतकालः अतः इदानीं तस्य चिन्ता वृथा अस्ति । अहं तु जीवनस्य आनन्दं प्राप्नोमि । कदापि गृहं न करिष्यामि, इति । यदा शीतकालः आगच्छत् तदा शीतेन कम्पमानः शलभः पिपीलिकां भोजनाय अन्नकणान् अयाचत् । पिपीलिका तां पूर्ववार्ताम् अस्मारयत् । शलभः अवदत् 'पुनः कदापि तव वार्तायाः उपेक्षां न करिष्यामि, किंतु इदानीं 'रक्ष माम्' इति । पिपीलिका तस्मै भोजनं दत्वा अरक्षत् अवदत् च यत् पुरुषेण सदा परिश्रमः कर्तव्यः ।' शलभः अवदत् 'इदानीम् अहं तव वार्तामनुसृत्य गृहं रचयिष्यामि अन्नसंचयं च करिष्यामि । अधुनाहं परिश्रमस्य महत्वं ज्ञातवान् इति ।

कुशकुमारयोगी

कक्षा: अष्टम-ब

## चत्वारिभिन्नाणि

एक वनम् आसीत् । तस्मिन् वने एकः तडागः आसीत्, तत्र एकः कच्छपः, एकः मूषकः, एकः हरिणः च एकः काकः निवसन्ति स्म । ते सर्वे एकत्र सुखेन परस्परं मिलित्वा जीवन्ति स्म । एकदा सायंकाले सर्वे मिलितवन्तः आसन् । परन्तु तत्र हरिणः न आगतः आसीत् । हरिणः किमर्थं न आगतः इति तेषां चिन्ता समभवत् तदाते सर्वे परामर्शमकृत्वा तस्य हरिणस्य अन्वेषणाय काकं प्रेषितवन्तः । काकः उड्डीय गतवान्, काकः गत्वा दृष्टवान् सः हरिणः एकस्मिन् पाशे बद्धः आसीत् इति । ततः काकः पुनः तडागस्य समीपम् आगत्य कथं तं हरिणं पाशात् मोक्षयिष्यामः इति कच्छपेन मूषकेन च सह परामर्शं कृत्वा मूषकः एव तत् कार्यं कर्तुं शक्यते इति तैः निर्दिष्टः कृतः सः मूषकः पाशं कर्तितुं शक्यति इति निर्दिष्टम् कृतवन्तः । इदानीं मूषकः पाशस्य समीपं कथं शीघ्रं गच्छेत् । इति तेषां चिन्ता अभवत् तदा काकः एवं उपायं विचिन्त्य मूषकम् उक्तवान् । हे मित्र! भवान् मम पृष्ठे उपविशतु । भवन्तं उत्पतनं कृत्वा नेष्यामि इति । मूषकः तथैव कृतवान् । काकः च तं तस्य पृष्ठे उपविश्य उड्डीय तत्र गतवान् । तत्र गत्वा यस्मिन् पाशे हरिणः बद्धमासीत् तं पाशं सः मूषकः तस्य दन्तैः कर्तयित्वा तम् मुक्तिम् अददात् । व्याधस्य आगमनात् पूर्वं ते सर्वे ततः पुनः तडागस्य समीपं प्रत्यागतवन्तः । एवमेव ते सर्वे विपत्तिकाले परस्परं साहाय्यं कुर्वन्तः सुखेन जीवन्ति स्म ।

दिव्या

कक्षा- आठवीं ब

## भारतदेशः

अस्माकं देशस्य प्राचीनं नाम 'भारतं' वर्तते । सम्प्रति अस्य हिन्दुस्तान, हिन्द, इण्डिया इत्यपि नामानि सन्ति । अस्य पूर्वदिशायां बर्मा देशः अस्ति । दक्षिणदिशायां लंका अस्ति । पश्चिमदिशायां अफगानिस्तानं वर्तते । उत्तरदिशायां च हिमालयः अस्ति । अस्य खण्डितः भागः पाकिस्तान इति कथ्यते ।

अस्माकं देशः संसारस्य देशेषु अति पुरातनः देशः अस्ति । एतद् विश्वस्य विशालः गणतन्त्रदेशः । अयं देशः ज्ञानस्य धर्मस्य च आदिजन्मभूमिः अस्ति । अत्रैव वेदानां प्रादुर्भावः बभूव । अत्रैव मानवसभ्यता सर्वप्रथमं जन्म लेभे । इतः एव संसारे सर्वत्र सभ्यतायाः प्रचारः बभूव । अस्य महिमा अवर्णनीयः अस्ति । अस्य गौरवम् अतुलनीयम् अस्ति ।

सम्प्रति अस्माकं देशः यत् भारतं विद्यते तस्य भागद्वयं अस्ति । एकं दक्षिणभारतम्, द्वितीयं उत्तरभारतञ्च दक्षिणभारते आन्ध्रप्रदेशः, केरलः, कर्नाटकः, तमिलनाडुः च इति इमे चत्वारः प्रदेशाः सन्ति । उत्तरभारते निम्नलिखितानि राज्यानि सन्ति । यथा अरुणाचल प्रदेशः, आसामः, महाराष्ट्रः, मणिपूरः, राजस्थानम्, जम्मू-कश्मीरश्च अन्यः राज्यः अस्ति ।

अन्जू चौधरी

दशमी-अ





## अन्तरजाल

बहवः जनाः अन्तरजाल-वर्ल्ड्-वैड्-वेब् इत्यनयोः एकैव मन्यन्ते, किन्तु तन्न समीचीनम् । अन्तरजालस्य एका शाखा वर्तते वर्ल्ड्-वैड्-वेब् तेन माध्यमेन विभिन्न-विषयेषु सूचना-प्राप्त्यर्थम् अन्तरजालद्वारा संगणकानि योजयति । अस्मिन् कार्ये इन्टरनेट एक्सप्लोरर तथा च ब्रौसर् साहाय्यं करोति । यथा-याहू नेटस्कोप इण्डिया टैम्स्, वेबदुनिया इत्यादयः सन्ति । 'वर्ल्ड वाइड वेब' अन्तरजालस्य अतिदीर्घप्रमुखभागः वर्तते ।

अन्तरजालमाध्यमेन सम्पूर्ण-संसारस्य सूचनाः क्षणाभ्यन्तरे प्राप्तुं शक्यते । यथा-

१. कश्चित् कम्पनी एवं तस्य उत्पादनानां विषये ज्ञानम् ॥

२. अन्तरजालसंस्करणे विभिन्न-समाचारपत्राणां समाचारम् ।

३. रोगाणां चिकित्सा,

४. चल-चित्राणि,

५. प्रचलन्त्याः क्रीडायाः विवरणम् ।

६. समृद्धपुस्तकालयेभ्यः पुस्तकचयनम् ।

७. संवादः, सन्देशादीनां प्रेषणम् इत्यादीनि । सूचनाः सङ्गणक-दूरभाषामाध्यमेन अन्तरजाल-सेवाप्रदातासंस्थायाः महासङ्ग्रहेण सह संयोजितम् । एतादृशं लोके बहवः सङ्ग्रहाः सन्ति ये परस्परं ग्रहाणां माध्यमेन संयुक्ताः सन्तः उपभोक्तृभ्यः अन्तरजालीयसेवां प्रदास्यति ।

नाम प्रियांशी त्यागी

कक्षा दसवी अ

## जय वृक्षः, जय जय वृक्षः

श्रूयताम् सर्वे वक्षपुराणम्,

क्रियतामतथा वक्षारोपणम् ।

वृक्षस्यास्तिसुन्दरं याति मूलं बहुदूरम्।

मूलेऽपि अन्नम्, तस्य काष्ठम्कठिनम्

काष्ठं कठिनं भवति इन्द्रियार्थम्।

पुष्पम् सुन्दरम् अतीव मोहकम्,

पुष्पम् तस्य भवति रे देवपूजार्थम्।

फलम् रसमयं तस्य फलं स्वादपूर्णम्,

फलं हि अस्ति रे खगस्य अन्नम् ॥

वृक्षे हि कुर्वन्ति खगाः नीडम्

केचित् तु कुर्वन्ति काष्ठे हि क्षिप्रम्

आतपे तिष्ठति वर्षानुवर्षम्

अन्येषां हरोति छायाप्रदानम्॥

श्रूयताम् सर्वे वक्षपुराणम्,

क्रियतामतथा वक्षारोपणम् ।

कृतिका खली

कक्षा-नवम ब

## सुभाषित-कणिकाः

सत्येन रक्ष्यते धर्मो विद्याऽभ्यासेन रक्ष्यते ।

मृज्यया रक्ष्यते रुपं कुलं वृत्तेन रक्ष्यते ॥१॥

भावार्थः-धर्म का रक्षण सत्य से, विद्या का अभ्यास से, रुप का सफाई से, और कुल का रक्षण आचरण करने से होता है।

सर्वद्रव्येषु विद्यैव द्रव्यमाहुरनुत्तमम् ।

अहार्यत्वादनर्घत्वादक्षयत्वाच्च सर्वदा ॥२॥

भावार्थः-विद्वान् लोग कभी न चुराये जाने, अनमोल होने तथा कभी क्षय न होने के कारणों से सभी द्रव्यों, यानी सुख-संपदा-संतुष्टि के आधारों, में से विद्या को ही सर्वोत्तम होने की बात करते हैं।

गच्छन् पिपिलिको याति योजनानां शतान्यपि ।

अगच्छन् वैनतेयः पदमेकं न गच्छति ॥३॥

भावार्थः-लगातार चल रही चींटी सैकड़ों योजनों की दूरी तय कर लेती है, परंतु न चल रहा गरुड़ एक कदम आगे नहीं बढ़ पाता है।

जानीयात्प्रेषणेभृत्यान्बान्धवान्व्यसनाऽऽगमे।

मित्रं याऽऽपत्तिकालेषु भार्या च विभवंक्षये ॥४॥

भावार्थः-किसी महत्वपूर्ण कार्य पर भेजते समय सेवक की पहचान होती है। दुःख के समय में बन्धु बान्धवों की, विपत्ति के समय मित्र की तथा धन नष्ट हो जाने पर भार्या की परीक्षा होती है।

यस्मिन् देशे न सम्मानो न वृत्तिर्न च बान्धवाः।

न च विद्यागमोऽप्यस्ति वासस्तत्र न कारयेत् ॥५॥

भावार्थः-जिस देश में साम्मान न हो, जहाँ कोई आजीविका न मिले, जहाँ अपना कोई भाई बन्धुन रहता हो और जहाँ विद्या-अध्ययन संभव न हो, ऐसे स्थान पर नहीं रहना चाहिए।

हिमाशुः

कक्षा -अष्टम-अ



केंद्रीय विद्यालय क्रमांक 02 , अजमेर  
स्टाफ सदस्यों की सूची

| क्रम संख्या | कर्मचारी का नाम            | पद                         |
|-------------|----------------------------|----------------------------|
| 1           | श्री जी.एस. मेहता          | प्राचार्य                  |
| 2           | श्री कपिल कुमार कोचर       | पीजीटी- गणित               |
| 3           | श्रीमती सीता चौधरी         | पीजीटी- अंग्रेजी           |
| 4           | श्रीमती दीप्ति पाराशर      | पीजीटी-अर्थशास्त्र         |
| 5           | श्री बंशीधर खटीक           | पीजीटी – रसायन विज्ञान     |
| 6           | श्री दिलीप कुमार शर्मा     | पीजीटी- हिंदी              |
| 7           | श्रीपुष्पेन्द्र कछावा      | पीजीटी – कम्प्यूटर विज्ञान |
| 8           | श्री नारायण राम कूरिया     | पीजीटी-जीव विज्ञान         |
| 9           | श्रीमती मीनाक्षी वर्मा     | पीजीटी- वाणिज्य            |
| 10          | श्रीपंकज माथुर             | पीजीटी- भौतिक विज्ञान      |
| 11          | श्रीमती मेरी पीमैथु        | टीजीटी – सामाजिक विज्ञान   |
| 12          | श्री ओम प्रकाश जांगिड +    | टीजीटी – संस्कृत           |
| 13          | श्रीमती भारती परमार        | टीजीटी –अंग्रेजी           |
| 14          | श्री राज किशोर टेलर        | टीजीटी – गणित              |
| 15          | श्री हेमंत कुमार           | टीजीटी – हिंदी             |
| 16          | श्री हीरा लाल              | टीजीटी – सामाजिक विज्ञान   |
| 17          | सुश्री प्रियंका विश्वकर्मा | टीजीटी –अंग्रेजी           |
| 18          | श्रीमती श्रद्धा पटेरिया    | टीजीटी – गणित              |
| 19          | श्री बी आर रैगर            | टीजीटी – हिंदी             |
| 20          | श्री डी पी जांगिड          | टीजीटी – विज्ञान           |
| 21          | श्री तुलसी राम योगी        | कला                        |
| 22          | श्रीकमल कुमार सैनी         | कार्यानुभव                 |
| 23          | श्री राम चन्द्र गुर्जर     | शा. एवं स्वास्थ्य शिक्षा   |
| 24          | श्री कमल कुमार मीना        | पुस्तकालयाध्यक्ष           |
| 25          | श्री राम बाबू मीना         | मुख्याध्यापक               |
| 26          | श्री राम निवास जाट         | पीआरटी                     |
| 27          | श्रीमती कुसुम आर्या        | पीआरटी                     |
| 28          | श्रीमती संगीता पाराशर      | पीआरटी                     |
| 29          | श्री श्याम सुंदर सेन       | पीआरटी                     |
| 30          | श्री मैनुद्दीन खान         | पीआरटी- संगीत              |
| 31          | श्री सुनील सैनी            | पीआरटी                     |
| 32          | श्रीमती श्वेता ढींगरा      | पीआरटी                     |
| 33          | श्री विष्णु भगवान          | वरिष्ठ सचिवालय सहायक       |
| 34          | श्री पूरण प्रकाश           | कनिष्ठ सचिवालय सहायक       |
| 35          | श्री प्रेम प्रकाश          | सब स्टाफ                   |
| 36          | श्री कैलाश चन्द            | सब स्टाफ                   |
| 37          | श्री विजय कुमार            | सब स्टाफ                   |





**T .R .Yogi**  
**TGT Art Education**



“

Art speaks where words are

***unable to explain***





amet,  
g elit,  
mpor  
ore et  
ua. Ut  
, quis  
amco  
o ex e  
Duis  
lor in  
ptate  
ore eu  
riatur.  
aecat  
, sunt  
erunt  
orum  
unde  
ror sit  
ntium  
ntium,  
eaque  
ntore  
itecto  
a sunt  
psam  
tas sit  
fugit,  
quunt  
os qui  
sequi  
porro  
lorem  
t ame  
i velit,  
n eius  
unt ut  
gnam  
aerat  
psum  
ctetur  
ed do  
idunt  
agna  
nim

## KV2 AJMER STAFF ALL ASSEMBLED !



KENDRIYA VIDYALYA NO. 2 AJMER  
emagazine issue 2020 - 21  
केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक 2 अजमेर  
ई पत्रिका अंक 2020 - 21

